शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पीड़िता के परिवार ने तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 08 जनवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-8

अमेरिकी संसद में 'सनातन की गूंज'

वाशिंगटन, 07 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी संसद में कांग्रेस सदस्य सुभाष सुब्रमण्यम ने गीता पर हाथ रखकर शपथ ली। उनके शपथ लेने के दौरान उनकी मां भी मौजूद थीं। वह इकलौते भारतीय-अमेरिकी सांसद रहे जिन्होंने पवित्र हिन्दू ग्रंथ पर हाथ रखकर शपथ ली। सुब्रमण्यम ने एक्स पर लिखा कि मैंने भगवद गीता पर हाथ रखकर वर्जीनिया से पहले भारतीय अमेरिकी और दक्षिण एशियाई कांग्रेसमैन के रूप में शपथ ली। मेरी मां, जो भारत से डलेस पहुंची थीं, ने शायद इसकी कल्पना नहीं की होगी, लेकिन यही अमेरिका का वादा है। वर्जीनिया के 10वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान।

तुलसी गबार्ड पहली सदस्य थीं जिन्होंने गीता पर हाथ रखकर शपथ ली थी। उन्होंने पहली बार 3 जनवरी, 2013 को हवाई के दूसरे कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रतिनिधि सभा के सदस्य के रूप में शपथ ली थी। गबार्ड अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के लिए

गीता पर हाथ रखकर कांग्रेस सदस्य ने ली शपथ

चुनी जाने वाली पहली हिंदू अमेरिकी हैं। किशोरावस्था में हिंदू धर्म अपनाने वाली गबार्ड अब राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के शक्तिशाली पद के लिए नामांकित हैं।

बता दें इस बार 6 भारतीय अमेरिकी संसद पहुंचे हैं। कांग्रेस के निचले सदन के लिए यह भारतीय अमेरिकियों का अब तक सबसे बड़ा शपथ ग्रहण था। शपथ लेने वालों में कांग्रेस सदस्य डॉ. अमी बेरा सबसे वरिष्ठ हैं। उन्होंने कैलिफोर्निया के सातवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट के प्रतिनिधि के रूप में लगातार सातवीं बार शपथ ली।

मिशिगन के 13वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेसी थानेदार, कैलिफोर्निया के 17वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले रो खन्ना और इलिनोइस के आठवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले राजा कृष्णमूर्ति ने भी शपथ ली।

वाशिंगटन राज्य के सातवें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमिला जयपाल प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी जाने वाली ▶10 पर

सत्ता हस्तांतरण को मुश्किल बनाने के लिए बाइडेन हर संभव कर रहे कोशिश : ट्रंप

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आरोप लगाया कि जो बाइडेन सत्ता हस्तांतरण को मुश्किल बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अंतिम सप्ताहों में जलवायु और अन्य आधिकारिक मसलों पर जो बाइडेन के हालिया कार्यकारी आदेशों का हवाला दिया। डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे और अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में जो बाइडेन की जगह लेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने खुद के सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट कर कहा, कि जो बाइडेन सत्ता हस्तांतरण को मुश्किल बनाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए इस तरह के फैसले लिए जा रहे हैं जो पहले कभी नहीं देखे गए। ग्रीन न्यू स्कैम, धन की बर्बादी के फैसले और हास्यास्पद कार्यकारी आदेश इसके उदाहरण हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, कि डरो मत, ये सभी आदेश जल्द ही समाप्त हो जाएंगे, और हम सामान्य समझ तथा ताकत वाला देश बन जाएंगे। ▶10 पर

दिल्ली विधानसभा चुनाव का शंखनाद

सिंगल फेज में 5 फरवरी को वोटिंग, नतीजे 8 को

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के चुनाव आयोग ने दिल्ली विधानसभा के चुनावों की तारीखों की घोषणा कर दी है।

चुनाव 5 फरवरी को एक ही चरण में होंगे, जबकि वोटों की गिनती 8 फरवरी को होगी। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 17 जनवरी है। नामांकन की जांच की तारीख18 जनवरी है। जबकि उम्मीदवारी

सीट : 70 | बहुमत : 36

नामांकन	नाम वापसी	वोटिंग	रिजल्ट
10 से 17 जनवरी	20 जनवरी	5 फरवरी	8 फरवरी

वोटर 1.55 करोड़ | महिला 71 लाख | पुरुष 83.49 लाख

डेढ़ करोड़ वोटरों के लिए 33 हजार बूथ बनाए

वापस लेने की आखिरी तारीख 20 जनवरी है। चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू हो गई है और चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक लागू रहेगी। 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए 6 जनवरी, 2025 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली में कुल 1,55,24,858 पंजीकृत मतदाता दर्ज किए गए, जो 1.09 प्रतिशत की शुद्ध वृद्धि दर्शाते हैं। चुनाव नजदीक आते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना प्रचार तेज कर दिया है। भाजपा उम्मीदवारों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर दिल्ली आबकारी नीति मामले में उनकी कथित ▶10 पर

भाजपा को 25 साल का वनवास खत्म होने की उम्मीद

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दिल्ली की सत्ता में गत 25 साल से जारी अपने वनवास को समाप्त करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इस कोशिश को मूर्त रूप देने के लिए उसने परिवर्तन का नारा दिया है और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आपा) के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले सप्ताह रोहिणी में आयोजित 'परिवर्तन रैली' में पार्टी के इरादे स्पष्ट कर दिए थे और आह्वान किया था, ''आप-दा (आपा) को नहीं सहेंगे, बदल कर रहेंगे''।

इस पूरे अभियान में भाजपा की ताकत,उसकी कमजोरी, अवसर और संभावित खतरे का विश्लेषण किया गया है। विधानसभा चुनाव के लिए सभी 70 निर्वाचन क्षेत्रों में बूथ स्तर ▶10 पर

मतदान व्यवस्था निष्पक्ष, ईवीएम हैक-प्रूफ : मुख्य चुनाव आयुक्त

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव को लेकर विवाद खड़ा करने वालों को मंगलवार को एकबार और करारा तथा विस्तृत जबाव देते हुये भारत की चुनाव प्रक्रिया को विश्व की सबसे साफ-सुथरी और सुव्यवस्थित तथा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को हैकिंग-प्रूफ बताया। श्री कुमार ने दिल्ली विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के लिये आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुये, अपने प्रारंभिक व्यक्तव्य में कहा कि वह अपने इस आखिरी संवाददाता सम्मेलन में सबसे पहले चुनावों को लेकर बार-बार फैलाये जाने वाले नैरेटिव (मनगढ़ंत बातों) का एकबार फिर स्पष्टीकरण करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के एक के बाद एक कई फैसलों में स्पष्ट कहा गया है कि भारत में ▶10 पर

दिल्ली में नौवां मुख्यमंत्री चुनने के लिए बिछी बिसात

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव पांच फरवरी को कराने की घोषणा के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय पहचान रखने वाली ऐतिहासिक राष्ट्रीय राजधानी का नौवां मुख्यमंत्री चुनने के लिए मंगलवार को बिसात बिछ गयी। निर्वाचन आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनाव -2025 कराने की सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। दिल्ली विधानसभा में कुल 70 सीटें है। पिछला विधानसभा चुनाव फरवरी 2020 को हुआ था जिसमें आम आदमी पार्टी (आप) को भारी सफलता मिली थी। दिल्ली में अभी तक किसी भी राजनीतिक दल ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपने चेहरे की घोषणा नहीं की है। हालांकि आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है। बहुजन समाज पार्टी ने भी सभी 70 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा की है। ▶10 पर

तिब्बत में भूंकप से तबाही दुनिया के लिए चेतावनी!

सवालों के घेरे में चीन की विवादित बांध परियोजना

बीजिंग/नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। तिब्बत में आए शक्तिशाली भूकंप की वजह से कम से कम 95 लोगों की मौत हो गई। भूकंप के झटके पड़ोसी नेपाल, भूटान और भारत में भी महसूस किए गए। तिब्बत में आए इस भूकंप ने एक बार चीन की इस क्षेत्र में एक बड़ा बांध बनाने की योजना को सवालों के घेरे में ला दिया है।

चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के अनुसार, भूकंप सुबह 9:05 बजे (0105 जीएमटी) आया, जिसका केंद्र टिंगरी में था, जो एक ग्रामीण काउंटी है जिसे एवरेस्ट क्षेत्र के उत्तरी प्रवेश द्वार के रूप में जाना जाता है, जो 10 किमी (6.2 मील) की गहराई पर था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्विस ने भूकंप की तीव्रता 7.1 बताई।

चीन के सरकारी टेलीविजन ने छह घंटे बाद बताया कि तिब्बती क्षेत्र में कम से कम 95 लोगों की मौत हो गई और 130 लोग घायल हो गए।भूकंप का असर तिब्बत के शिगात्से क्षेत्र में महसूस किया गया, जहां 800,000 लोग रहते हैं। इस क्षेत्र का प्रशासन शिगात्से शहर द्वारा किया जाता है, जो तिब्बती बौद्ध धर्म के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्तियों में से एक पंचेन लामा का पारंपरिक निवास स्थान है।

चीन, नेपाल और उत्तरी भारत के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से अक्सर भारतीय और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेटों के टकराव के कारण भूकंप से प्रभावित होते हैं। मंगलवार का भूकंप का केंद्र माउंट एवरेस्ट से लगभग 80 किलोमीटर (50 मील) उत्तर में था, जो दुनिया का सबसे ऊंचा पर्वत है।1950 से अब तक ल्हासा ब्लॉक में 6 या उससे अधिक तीव्रता के 21 भूकंप आ चुके हैं, ▶10 पर

4 साल के निचले स्तर पर आ सकती है जीडीपी

मेन्युफेक्चरिंग और इन्वेस्टमेंट घटने से ग्रोथ 6.4% रहने का अनुमान, एक साल पहले 8.2% थी

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा मंगलवार को जारी प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत के स्थिर कीमतों पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने एक बयान में कहा, वित्त वर्ष 2024-25 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी के अनंतिम अनुमान (प्रथमिक अनुमान) में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में चालू कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद में 9.7 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना दिखती है जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 9.6 प्रतिशत थी। ▶10 पर

अमित शाह ने की भारतपोल की शुरुआत

'भारतपोल' से अंतर्राष्ट्रीय जांच के मामले में देश में नये युग का आरंभ

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में भारतपोल पोर्टल की शुरुआत की और कहा कि यह पहल आने वाले दिनों में हमारे देश की अंतर्राष्ट्रीय जांच को नए स्तर पर ले जाएगी। शाह ने कहा, भारतपोल हमारे देश की अंतर्राष्ट्रीय जांच को नए युग में ले जाएगा। सीबीआई इंटरपोल के साथ काम करने वाली एकमात्र एजेंसी थी, लेकिन भारतपोल की शुरुआत के साथ, हर भारतीय एजेंसी और सभी राज्य पुलिस बल आसानी से इंटरपोल से जुड़ सकेंगे।

यह पोर्टल इंटरपोल के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहायता के लिए सभी अनुरोधों को सुव्यवस्थित करेगा, जिसमें रेड नोटिस और अन्य रंग-कोडित इंटरपोल नोटिस जारी करना शामिल है। गृह मंत्री अमित शाह ने भारतपोल पोर्टल की प्रशंसा करते हुए ▶10 पर

राजनाथ सिंह ने भारतीय रक्षा में प्रौद्योगिकी के बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डाला

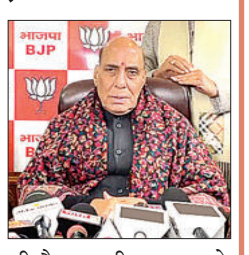

आगरा, 07 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को रक्षा क्षेत्र में नई तकनीक के बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डाला। राजनाथ सिंह ने कहा कि तकनीक के मामले में भारत की विश्वसनीयता वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। तकनीक के क्षेत्र में काम चल रहा है। रक्षा में, अनुसंधान और नवाचार पर काम चल रहा है। ऐसे कई हथियार हैं जिनमें नई तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। तकनीक के मामले में भारत की साख वैश्विक स्तर पर बढ़ रही है। इस बीच, भारत के रक्षा और वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के लिए, राजनाथ सिंह बुधवार को नई दिल्ली में मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे । चर्चा दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर केंद्रित होगी, जिसमें मालदीव के राष्ट्रीय रक्षा बलों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण, अभ्यास और रक्षा परियोजनाएं शामिल हैं । गौरतलब है कि मालदीव के रक्षा मंत्री 8 से 10 जनवरी तक तीन दिवसीय भारत यात्रा पर रहेंगे। अपने प्रवास के दौरान, वे गोवा और मुंबई भी जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह 08 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 79,660/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 91,670/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 31°

न्यूनतम : 19°

एक भारतीय बन सकता है कनाडा का पीएम?

सांसद अनीता आनंद और जॉर्ज चहल के नाम पीएम रेस में शामिल

ओटावा/नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कनाडा में नया प्रधानमंत्री चुनने के लिए दौड़ शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में लिबरल पार्टी के कई बड़े नेताओं के नाम सामने आए है। इन नामों में 2 भारतीय नाम भी शामिल है। कयास लगाए जा रहे है कि अगला प्रधानमंत्री भारतीय मूल का हो सकता है। इसमें से एक नाम सांसद अनीता आनंद और दूसरा नाम अल्बर्टा के सांसद जॉर्ज चहल का है। क्रिस्टिया फ्रीलैंड, अनीता आनंद, जॉर्ज चहल, डोमिनिक लेब्लांक, फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन, मेलानी जोली, क्रिस्टी क्लार्क, मार्क कार्नी का नाम भी इस रेस में शामिल हैं। इन राजनेताओं में से ही कोई एक कनाडा का अगला प्रधानमंत्री बन सकता है। प्रधानमंत्री बनने के लिए सामने आए नामों में से एक मौजूदा परिवहन मंत्री 'अनीता आनंद' हैं। अनीता के माता-पिता का सम्बन्ध भारत के तमिलनाडु और पंजाब से है। इनके पास राजनीति में काफी अनुभव है। कोरोना महामारी के दौरान अपने काम के दम पर काफी आनंद ने काफी लोकप्रियता प्राप्त की थी। कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों में भी अनीता आनंद की छवि अच्छी मानी जाती है। लिबरल पार्टी के अल्बर्टा से सांसद 'जॉर्ज चहल' भी प्रधानमंत्री रेस में हैं। एक वकील के तौर पर चहल ने कैलगरी सिटी में काम किया है। वह सिख कॉकस के मौजूदा अध्यक्ष भी हैं। जॉर्ज चहल पिछले कुछ समय के दौरान ट्रूडो की आलोचना करते नजर आए हैं। ▶10 पर

कोरोना वायरस जैसे एचएमवीपी के 8 केस

महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु में 2-2, बंगाल-गुजरात में एक-एक मामला

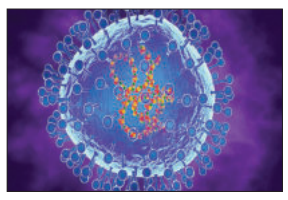

बेंगलुरु/चेन्नई/अहमदाबाद/नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)। कोरोना जैसे वायरस एचएमपीवी के देश में 8 केस हो गए हैं। मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में 2 केस सामने आए। यहां एक 13 साल की लड़की और एक 7 साल का लड़का संक्रमित मिला है।

दोनों ही बच्चों को लगातार सर्दी-बुखार था। इसके बाद प्राइवेट लैब की जांच में दोनों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि इन्हें अस्पताल में भर्ती नही करना पड़ा। इलाज के बाद उनकी स्थिति कंट्रोल में है।इससे एक दिन पहले कर्नाटक और तमिलनाडु में 2-2, पश्चिम बंगाल और गुजरात में एक-एक केस मिलाकर वायरस के कुल 6 मामले सामने आए थे। इनमें ज्यादातर बच्चे हैं। केंद्र ने राज्यों को इंफ्लूएंजा लाइक इलनेस और सीवर एक्यूट रेस्परेट्री इश्यूज जैसी सांस की बीमारियों की निगरानी बढ़ाने और एचएमपीवी के बारे में जागरूकता फैलाने की सलाह दी है। देश के 4 राज्यों में संक्रमण के मामले मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा था कि यह नया वायरस नहीं है और सरकार हालात पर नजर रखे हुए है। वायरस के लक्षण कोविड जैसे, छोटे बच्चों पर ज्यादा असर एचएमपी वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।केंद्र सरकार ने कहा था- सर्दी में एचएमपीवी का इन्फेक्शन आम चीन में एचएमपीवी के बढ़ते मामलों के बीच इमरजेंसी जैसे हालात बनने की बात कही गई थी। हालांकि भारत सरकार ने 4 जनवरी को जॉइंट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक की थी। इसके बाद सरकार ने कहा था कि सर्दी के मौसम में फ्लू जैसी स्थिति असामान्य नहीं है।

कार्टून कॉर्नर

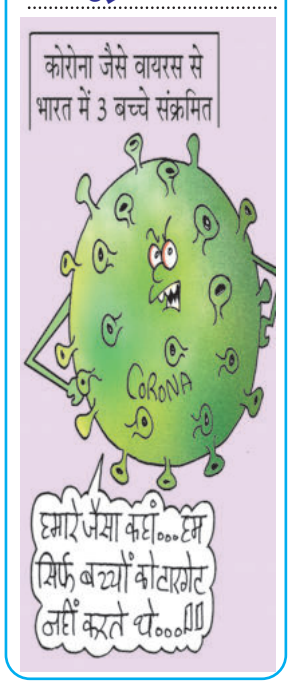

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के तृतीय कार्यसमिति की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर के अध्यक्ष कमलेश चौरडिया की अध्यक्षता में तृतीय कार्यसमिति की बैठक तेरापंथ भवन राजाजीनगर में आयोजित हुई। बैठक की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। विजय जीत का संगान भिक्षु श्रद्धा स्वर समूह द्वारा द्वारा किया गया। संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना द्वारा श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया गया। सहमंत्री चेतन मांडोत ने सत्र 2024-25 के द्वितीय कार्यकारिणी बैठक का वाचन किया और उसे सदन से पारित कराया गया। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने सभी का स्वागत करते हुए नव वर्ष की

शुभकामनाएं संप्रेषित की एवं तेयुप के त्री-आयामी सूत्र सेवा-संस्कार-संगठन के अंतर्गत किये गए कार्य एवं आने वाले दिनों में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी प्रदान की। साथ ही एटीडीसी श्रीरामपुरम को प्राप्त हुए सर्टिफिकेट एनएबिएल की जानकारी दी एवं सभी को बधाइयां संप्रेषित की। आने वाले दिनों में एटीडीसी में नई मशीनरी एवं एटीडीसी में कुछ नया करने के लिए उस पर चर्चा की गई। बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट एवं आगामी रविवार को गेट टूगेदर रखने की जानकारी प्रदान की। संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना ने विचार व्यक्त करते हुए एटीडीसी में कुछ नया करने की प्रेरणा प्रदान की और साथ ही एनएबीएल का मतलब और उसके महत्व की जानकारी दी। तेयुप परमार्शक चंद्रेश मांडोत ने सभी को साथ मिलकर एटीडीसी एवं अन्य कार्यों को संपादित करने की प्रेरणा प्रदान की। अतिथि विशेष संजीव गन्ना ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर प्रबुद्ध विचारक अरविंद गन्ना, निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश गन्ना एवं कार्यसमिति सदस्यों की अच्छी उपस्थिति रही। मंच संचालन जयंतीलाल गाँधी ने किया एवं आभार संजय मांडोत ने व्यक्त किया।

आऊवा जैन महिला मंडल की वार्षिक संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आऊवा जैन महिला मंडल की वार्षिक संगोष्ठी अध्यक्ष कांता रायसोनी के नेतृत्व में जयनगर के एक हॉल में आयोजित हुई। उन्होंने सभी का स्वागत करते हुए नए वर्ष की शुभकामनाएँ दी। पूर्व मंत्री बिन्दु रायसोनी ने मंडल के नियमों का गठन किया व आने वाले साल में और बेहतर तरीके से हम कैसे अपने आप को सुधार सकते है और सेवा भावी बने उस पर चर्चा की। एक प्रदर्शनी आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा गया।

पूर्वाध्यक्ष मंजु चण्डालिया ने कहा कि मंडल में आपसी प्रेम ऐसे ही बना रहे यही कामना है। दुर्गा सुराणा ने मंडल की सफलताओं को सराहा। वसंता रायसोनी ने कहा कि मंडल एक परिवार की

तरह है और सब मिलकर एक दूसरे को आगे बढ़ाने में सहयोग देते हैं। मैना मांडोत ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा मंडल में अनुशासन का पालन कभी न टूटे इसका ध्यान रखा जाए। सहमंत्री मंजु रायसोनी ने सभी का धन्यवाद दिया। अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया। कोषाध्यक्ष शंकेश्वरी बरलोटा ने साल के बजट के बारे में बताया। संगोष्ठी का प्रारंभ मंगलाचरण से हुआ। मंत्री पिंकी इसरानी ने संचालन किया।

खागा ने वित्त मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटका होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कर्नाटक के राजस्व मंत्री एवं जीएसटी काउंसिल सदस्य कृष्णा बायरे गौड़ा से मुलाकात कर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नाम एक ज्ञापन सौंपा। आगामी बजट में रेडीमेड गारमेंट्स पर जीएसटी की दरों में संभावित बढ़ोतरी को देखते हुए खागा के टेक्सटेशन कमेटी के चैयरमेन व पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने मंत्री से आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में रेडीमेड गारमेंट्स पर किसी भी तरह की बढ़ोतरी नहीं करने की मांग की, क्योंकि कपड़ा भी मनुष्य के जीवन में रोटी व मकान के साथ बहुत ही महत्व-पूर्ण व अति आवश्यक है। खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने मांग की कि आगामी काउंसिल मीटिंग में रेडीमेड गारमेंट्स पर अलग-अलग प्रकार की श्रेणी से जीएसटी की दरों को समाप्त कर एक ही श्रेणी में जीएसटी लगाया जाएं ताकि लोगों को आसानी हो। खागा की मांग पर मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने आगामी काउंसिल बैठक में व्यापारियों की समस्याओं को वित मंत्री के समक्ष उठाकर अवगत करवाने का आश्वासन दिया।

9 जनवरी को मुंबई में आयोजित होने वाले सीएमएआई के बैनर तले अखिल भारतीय रेडीमेड गारमेंट्स एसोसिएशन की मीटिंग में खागा भी सम्मिलित होकर टैक्स बढ़ोतरी की संभावना का पुरजोर विरोध करेगा। इस अवसर पर खागा के सचिव कैलाश बालर एवं संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा उपस्थित रहे।

जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ ने जीतो दिवस लीग क्षेत्रीय खेल में हासिल की शानदार जीत

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

नए साल की शुरुआत के साथ जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ ने जीतो दिवस लीग के क्षेत्रीय खेल आयोजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए गौरवमयी जीत दर्ज की है। यह आयोजन जीतो महिला विंग गदग चैप्टर द्वारा विमल रिसॉर्ट, गदग में किया गया था, जिसमें जीतो केकेजी जोन की छह टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में साठ समर्पित खिलाड़ियों ने खजाना खोज (ट्रेजर हंट), खड़े होकर खो-खो (स्टैंडिंग खो-खो), थ्रो बॉल जैसे विविध खेलों में अपने कौशल का प्रदर्शन किया। रोमांच और साहस से भरपूर निर्णायक खेलों ने प्रतियोगिता को और भी रोचक बना दिया। जेएलडब्ल्यू नॉर्थ बेंगलूरु की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में लगन, टीम वर्क और आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन करते हुए विजेता लीग ट्रॉफी

अपने नाम की। पूरे आयोजन के दौरान टीम ने शानदार तालमेल और समर्पण दिखाया, जो उनकी सफलता का प्रमुख कारण बना। कप्तान तनुजा मेहता के कुशल नेतृत्व और अनुभव ने टीम को प्रेरित किया और सफलता की ओर अग्रसर किया। तनुजा मेहता ने न केवल टीम को जीत दिलाई, बल्कि अपनी व्यक्तिगत उत्कृष्टता के चलते दिवस क्वीन ट्रॉफी भी जीती, जिससे उन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता और खेल प्रतिभा का अद्भुत परिचय दिया। पुरस्कार वितरण समारोह में ट्रॉफी पिंकी जैन और कीर्ति (केकेजी जोन संयोजक और सह संयोजक), अनिल, प्रवीण, भरत, जीतू और राजन द्वारा प्रदान की गई। इस अवसर पर जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ की पूरी टीम की उपलब्धि को सराहा गया। टीम की इस शानदार जीत के लिए हम सभी गदग चैप्टर अध्यक्षा, मुख्य सचिव और प्रतिभागियों का हार्दिक धन्यवाद करते हैं। यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और अटूट एकता का प्रमाण है, जिसने पूरे समुदाय को गर्वित किया है। उप कप्तान नंदा बाफना ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और टीम को प्रेरित किया। वंदना कोटारी, श्वेता जैन, नम्रता जैन, ट्विंकल जैन, समता जैन, मीना जैन और खुशबू जैसे समर्पित सदस्यों ने अपनी ऊर्जा, कौशल और टीम भावना से हर खेल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रत्येक खिलाड़ी ने टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ ने पूरे टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा और विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। यह उपलब्धि पूरे जेएलडब्ल्यू नॉर्थ बेंगलूरु के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत बनी। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के चेयरमैन विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी, जेएलडब्ल्यू अध्यक्षा लक्ष्मी बाफना और मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने टीम की इस जीत के लिए हार्दिक अभिनंदन प्रेषित किया।

मातृछाया का तीर्थ यात्रा 19 जनवरी से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मातृछाया जैन महिला संगठन की एक बैठक शंकरपुरम स्थित मातृछाया के कार्यालय में संपन्न हुई।

बैठक का शुभारंभ नवकार महामंत्र के साथ किया गया। बैठक में मातृछाया द्वारा 19 से 30 जनवरी तक तीर्थ यात्रा और सेवा कार्यों का आयोजन करने पर सहमति बनी। इस यात्रा में संस्था की 30 से 35 सदस्याएं स्व राशि से शंखेश्वर और पालीताणा सहित 12 से 15 पावन तीर्थ स्थलों की यात्रा करेंगी। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि तीर्थ यात्रा में साधु-साध्वी भगवंतों के प्रति वैयावच्च, भक्ति और वंदन के

साथ तीर्थ स्थलों के दर्शन किए जाएंगे। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करना है, बल्कि परमार्थ सेवाओं को भी बढ़ावा देना है। बाल आश्रम, वृद्धाश्रम और महिलाओं के आश्रमों में सेवा प्रदान करते हुए, मातृछाया इन केंद्रों को 11,000 से 21,000 तक की सहायता राशि के चेक भेंट करेगी। सचिव रेशमा बडोला ने बताया कि शंखेश्वर तीर्थ में चल रहे जीवदया के प्रमुख कार्यों में भी सहयोग राशि प्रदान की जाएगी। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने बताया कि यात्रा के दौरान जैन समाज के साधर्मिक भाई-बहनों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी भक्ति और सेवा को प्रोत्साहित किया जाएगा। बैठक में लीला भंसाली, मीना सोनीगरा, सोनाली ललवानी, मनीषा सालेचा, राठौड, मीना सोलंकी, पुष्पा नागोरी, पवनी तलावत, मोनिका पालरेचा, सारिका लुंकड, ईशा वोहरा, हेमा बंदामुथा, पवन मुथा, शोभा भंडारी, पिंकी बंदामुथा, रिंकु जैन आदि सदस्याएं उपस्थित रही।

कर्नाटक मॉडल एक असफल मॉडल: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने मंगलवार को कांग्रेस द्वारा दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए गृहलक्ष्मी योजना की तर्ज पर घोषित प्यारी दीदी योजना की आलोचना की और कर्नाटक मॉडल को विफल बताया। कर्नाटक मॉडल एक असफल मॉडल है। जब वे कोई पैसा नहीं दे रहे हैं तो यह देश के लिए एक आदर्श कैसे होगा? पहले, उन्हें अन्य महिलाओं को 2000 रुपये प्रति माह देना था। यह नहीं दिया गया है। अब कुछ गारंटी दी गई है। वह गारंटी और

योजना पूरी तरह से विफल है। आशा कार्यकर्ता सड़क पर हैं। उन्हें दी गई गारंटी पूरी नहीं की गई है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए गृहलक्ष्मी योजना की तर्ज पर कांग्रेस पार्टी की पहली गारंटी योजना प्यारी दीदी की घोषणा की। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा अगर कांग्रेस पार्टी नई दिल्ली में सत्ता में आती है तो वह महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये देगी। उन्होंने कहा कि 'प्यारी दीदी योजना' गृहलक्ष्मी योजना के समान लाभ साझा करेगी। उन्होंने आगे उन सभी लाभों का उल्लेख किया जो कर्नाटक में महिलाओं को इस योजना से मिल रहे हैं। शिवकुमार ने कहा कि गृहलक्ष्मी योजना ने गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों में महत्व-पूर्ण सामाजिक-आर्थिक बदलाव लाया है। उन्होंने आगे कहा कि गारंटी योजनाओं की वजह से महिलाएं हर महीने लगभग 4000 से 5000 रुपये बचा रही हैं।

जीतो केकेजी जोन का सम्मेलन खुशियों की गारंटी 12 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो के कर्नाटक, केरल एवं गोवा जोन का एक दिवसीय सम्मेलन वसंत नगर स्थित होटल सांग्रिला में 12 जनवरी को आयोजित होगा। सम्मेलन में जीतो एपेक्स, जोन व जोन के अंतर्गत आने वाले सभी चैप्टर के वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारी भाग लेंगे। सम्मेलन की तैयारियों के लिये लालबाग रोड़ पर आयोजित जोन पदाधिकारियों की सभा में जोन अध्यक्ष प्रवीण बाफना ने सम्मेलन आयोजन के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि आयोजन में एपेक्स अध्यक्ष पृथ्वीराज कोठारी सहित अनेकों पदाधिकारियों की उपस्थिति एवं उनके दूरदर्शी विचारों से जोन के सभी चैप्टर के आगामी दो वर्षों के कार्यों को एक नया आकार मिलने की प्रबल संभावना है। साथ ही सभी चैप्टर के पदाधिकारियों में आपसी बांडिंग की राह सुगम बनेगी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन से निकलने वाले सुझावों से दूर-दराज के चैप्टरों को समाज के लिये उपयोगी कार्य करने की नवीन ऊर्जा प्राप्त होगी।

केकेजी जोन के महामंत्री दिलीप जैन ने सम्मेलन संबंधित सभी कार्यों की रूप रेखा रखते हुए जोन के सभी पदाधिकारियों से इस विशाल आयोजन में समर्पण भाव से कार्य करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नवीनतम अवसरों की खोज में सहायक सिद्ध होगा, साथ ही जीतो के प्रभावशाली गणमान्यों से बांडिंग के अवसर भी प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के माध्यम से मिलने वाले मार्गदर्शन से अपने-अपने चैप्टर के दृष्टिकोण व लक्ष्यों को आकार मिलेगा। जोन के मीडिया प्रभारी सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार सम्मेलन में आमंत्रितों के अलावा अन्य जीतो सदस्यों के लिये पंजीकरण का कार्य गतिमान है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में जीतो द्वारा गतिमान विभिन्न जनहितैषी योजनाओं का विस्तृत विवरण रखा जायेगा। सभा में कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, निलेश कुहाड़, तुषार बाफना, विक्रम बागरेचा, नितिन कटारिया, मुकेश सुराणा, विमलेश भंडारी, सुशील तलेसरा, कार्यालय प्रबंधक सौरव इत्यादि मौजूद थे।

कर्नाटक वन विभाग ने एफआईआर पंजीकरण के लिए ऑनलाइन पोर्टल किया लॉन्च

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य वन विभाग वन और वन्यजीव मामलों के पंजीकरण के लिए डिजिटल व्यवस्था अपनाएगा, जिसके तहत पांच संभागों में पायलट प्रोजेक्ट को मंगलवार को हरी झंडी मिल गई। गरुदाक्षी नामक यह सॉफ्टवेयर अधिकारियों द्वारा एफआईआर दर्ज करने में लगने वाले समय को कम करता है और मामलों में न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किए जाने वाले महाजर को छोड़कर कई दस्तावेज तैयार करता है। इसके अलावा, यह प्रणाली अधिकारियों को मामलों का समय पर पालन करने के लिए संकेत और अनुस्मारक प्रदान करती है, ताकि दोषसिद्धि सुनिश्चित हो सके। वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री

ईश्वर खंड्रे ने कहा कि ऑनलाइन एफआईआर तंत्र विभाग को राज्य में वन और वन्यजीव अपराधों की बढ़ती संख्या पर नकेल कसने में मदद करेगा। उन्होंने कहा प्रभावी कार्रवाई के लिए, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि अपराध करने वालों को दंडित किया जाए। सॉफ्टवेयर प्रत्येक स्तर पर मामलों में प्रगति की निगरानी करने की भी अनुमति देगा। उन्होंने कहा कि गरुदाक्षी को बेंगलूरु शहरी, बेंगलूरु वन मोबाइल स्क्वाड, भद्रावती, सिरसी और मलाई महादेश्वर वन्यजीव प्रभाग में पायलट आधार पर लागू किया जाएगा। पांच प्रभागों में अनुभव विभाग को कर्नाटक के सभी वन प्रभागों में इसके उपयोग को बढ़ाने से पहले किसी भी कमी को दूर करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा अभी तक, हम मामलों में प्रगति को ट्रैक नहीं कर पाए हैं। उदाहरण के लिए, हमें नहीं पता कि दर्ज किए गए हजारों मामलों में चार्जशीट दायर की गई है या नहीं। इस तरह के विवरण बस एक क्लिक पर उपलब्ध होंगे। वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूटीआई), जिसने एनटीटी डाटा के समर्थन से सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जिसे मूल रूप से होस्टाइल एक्टिविटी वॉच कर्नेल (एचएडब्ल्यूके) कहा जाता है, सॉफ्टवेयर के उपयोग पर वन अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए पूरे राज्य में कार्यशालाएँ आयोजित कर रहा है।

येदियुरप्पा यौन उत्पीड़न मामला

पीड़िता के परिवार ने तत्काल कानूनी कार्रवाई की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली नाबालिग लड़की के भाई ने राज्य सरकार से मामले को अदालत में आगे बढ़ाने के लिए एक उपयुक्त वरिष्ठ अधिवक्ता नियुक्त करने की अपील की है।

येदियुरप्पा पर फरवरी 2024 में बेंगलूरु के संजयनगर स्थित अपने आवास पर एक नाबालिग लड़की का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। पुलिस ने मार्च में प्राथमिकी दर्ज की और जून 2024 में आरोप पत्र दाखिल किया गया। येदियुरप्पा को उच्च न्यायालय ने गिरफ्त-ारी से राहत दी, जिसने एक पूर्व मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने की आवश्यकता पर सवाल उठाया। येदियुरप्पा ने अपने खिलाफ मामला रद्द करने के लिए भी

याचिका दायर की है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में पीड़ित ने कहा कि न्याय के लिए परिवार की लंबी लड़ाई ने उन पर भारी असर डाला है और उनकी एकमात्र उम्मीद न्यायपालिका है। मैं मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मेरी बहन और मेरे परिवार को न्याय दिलाने में मदद करने का अनुरोध करता हूं। मैं आपसे मेरा केस लड़ने के लिए एक उपयुक्त वरिष्ठ अधिवक्ता नियुक्त करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा कृपया अपने अधिवक्ताओं से कहें कि वे उच्च न्यायालय को एफआईआर रद्द न करने के लिए मनाने के लिए ठीक से काम करें। मेरी एकमात्र उम्मीद न्यायपालिका है। मैं न्यायपालिका से अनुरोध करता हूं कि वह उच्च न्यायालय में मामले को आगे बढ़ाए। आप ही मेरी एकमात्र उम्मीद हैं और कृपया हमें न्याय दें। उन्होंने अपनी मां के बारे में बात की, जिनकी पिछले साल मई में कैंसर की जटिलताओं के कारण मृत्यु हो गई थी। उन्होंने कहा कि उन्होंने वीडियो बनाने का फैसला तब किया जब उनकी मां, जिन्होंने येदियुरप्पा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने के लिए अथक लड़ाई लड़ी, की मृत्यु के बाद भी उन्हें निशाना बनाया जाता रहा।

मेरी मां कैंसर से पीड़ित थीं। उन्होंने अपनी चिकित्सा आवश्यकताओं को नजरअंदाज किया और मर गईं। मेरी मां की मृत्यु के बाद भी, लोग उन्हें निशाना बना रहे हैं और उनकी विश्वसनीयता और ईमानदारी पर सवाल उठा रहे हैं। मेरी मां ने केवल छह मामले दर्ज किए, न कि 56। पहली शिकायत हमें तब दर्ज करनी पड़ी जब मेरे चचेरे भाई ने मेरी बहन का यौन उत्पीड़न किया। मेरी माँ ने जो भी शिकायतें कीं, उनमें से ज्यादातर इसी से जुड़ी थीं। वास्तव में, वह इन मामलों में मदद माँगने के लिए येदियुरप्पा के पास गई थीं। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उनकी बहन को स्कूल छोड़ना पड़ा और उन्हें निजी परीक्षाएँ देने के लिए मजबूर होना पड़ा। मेरी बहन को येदियुरप्पा के निवास में जो कुछ हुआ, उसकी अप्रिय याद सता रही है। उसे स्कूल छोड़ना पड़ा और उसे निजी परीक्षाएँ देने के लिए मजबूर होना पड़ा। उससे अनमोल पल छीन लिए गए।

बाइक और ट्रैक्टर की टक्कर में 3 लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तुमकुरु में ओबालापुर गेट के पास मंगलवार सुबह बाइक और ट्रैक्टर की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान मोहम्मद आसिफ (12), मुमताज (38) और शाकिर हुसैन (48) के रूप में हुई है। ये सभी मधुगिरी तालुक के गुड्डेनहल्ली गांव के रहने वाले थे।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को मुर्दाघर पहुंचाया। आगे की जांच पड़ताल जारी है।

कर्नाटक भाजपा नेता पर बलात्कार का मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु पुलिस ने एक महिला की शिकायत के बाद भाजपा नेता के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी सोमशेखर जे उर्फ जिम सोमा, जो भाजपा नेता है, ने कथित तौर पर पीड़िता को शादी के लिए लोन दिलाने का वादा करके अपने कमरे में बुलाया और अपराध को अंजाम दिया। अशोकनगर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता ने घटना के तीन महीने बाद शिकायत दर्ज कराई।

26 वर्षीय पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि वह एक दोस्त के जरिए आरोपी से मिली थी। पीड़िता की शादी पिछले साल तय हुई थी और उसने आरोपी सोमशेखर से आर्थिक मदद मांगी थी। आरोपी ने उसे 6 लाख रुपये नकद देने पर सहमति जताई थी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि सोमशेखर ने पीड़िता को उसके पीजी हॉस्टल से उठाया और बेंगलूरु के लैंगफोर्ड रोड स्थित अपने फ्लैट में ले गया। उसने कथित तौर पर उसे शराब पीने के लिए मजबूर किया और फिर उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता ने आगे आरोप लगाया है कि आरोपी ने बाद में उसे धमकी दी थी कि अगर उसने इस घटना के बारे में किसी से बात की तो वह उसे खत्म कर देगा और उसकी छवि भी खराब कर देगा। पुलिस ने कहा कि सोमशेखर ने भाजपा के टिकट पर 2018 का विधानसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन वह असफल रहा था। आगे की जांच जारी है। अधिक जानकारी सामने आनी बाकी है। यह घटनाक्रम राज्य में भाजपा के लिए एक झटका है, जो कई मुद्दों पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के साथ टकराव की स्थिति में है। भाजपा विधायक एन मुनिरत्ना नायडू को कथित बलात्कार और हनी-ट्रैपिंग मामले में हाल ही में जेल भेजा गया था। वह एक महीने बाद जमानत पर बाहर आए। आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) की विशेष जांच टीम (एसआईटी) मामले की जांच कर रही है। पीड़िता ने मुनिरत्ना के खिलाफ अपनी शिकायत में कहा, भाजपा विधायक ने मुझे हनी ट्रैप करने के लिए मजबूर किया। उसने यह काम करवाने के लिए मुझे जान से मारने की धमकी दी थी। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के भाई और पूर्व कांग्रेस सांसद डीके सुरेश ने आरोप लगाया कि मुनिरत्ना अपने विरोधियों को एचआईवी से संक्रमित करने की कोशिश कर रहे थे और सरकार को मामले की जांच करनी चाहिए। मुनिरत्ना ने अपने खिलाफ लगे आरोपों से इनकार किया था और कहा था कि यह उन्हें राजनीतिक रूप से खत्म करने की साजिश है।

एससी/एसटी के मंत्रियों, विधायकों और कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक आज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछड़े वर्ग और ओक्कालिगा समुदाय के विधायकों और मंत्रियों की बैठक के बाद अनुसूचित जाति के विधायकों के साथ बैठक करने की गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर की योजना ने राज्य की राजनीति में गहरी दिलचस्पी जगा दी है। हाल ही में लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के आग्रह पर कैबिनेट बैठक के बाद एक डिनर पार्टी का आयोजन किया था। इसमें परमेश्वर, केएन राजन्ना, एचसी महादेवप्पा समेत कई मंत्री शामिल हुए। इसके बाद मंत्री चालुवरयास्वामी, ओक्कालिगा समुदाय के विधायकों और मंत्रियों ने बैठक की। लिंगायत समुदाय के मंत्रियों और विधायकों ने मंत्री एमबी पाटिल के नेतृत्व में एक बैठक आयोजित करने की योजना बनाई है। इस बीच, गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के मंत्रियों, विधायकों और कांग्रेस पदाधिकारियों ने बुधवार को एक निजी होटल में एक बैठक आयोजित की है।

मंत्री परमेश्वर ने कहा है कि शाम 7 बजे बैठक करने का फैसला लिया गया है। विधानसभा चुनाव से पहले चित्रदुर्ग में अनुसूचित जाति/संप्रदाय का सम्मेलन हुआ और कुछ घोषणाएं की गईं। परिणामस्वरूप, कांग्रेस पार्टी को चुनाव में स्पष्ट बहुमत मिला और सरकार बनने के बाद समुदाय को धन्यवाद देने का कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इसी वजह से एक सम्मेलन आयोजित करने का विचार किया गया है। बैठक में मंत्री सतीश जारकिहोली, केएच मुनियप्पा हिस्सा लेंगे। यह आपत्ति बार-बार सुनाई देती रही है कि सरकार बनने के बाद समुदाय को भुला दिया गया है। ऐसे में धन्यवाद देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए। सम्मेलन पर चर्चा के लिए आयोजित बैठक में एससी/एसटी समुदाय के विधायक, पूर्व विधायक, प्रदेश कांग्रेस के पदाधिकारी और नेता तथा अन्य संगठनों के नेता भाग लेंगे। यह एक पार्टी का कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि अन्य दलों के नेताओं के भी आने की संभावना है। बैठक में एससी/एसटी समुदाय के मंत्रियों के अलावा कोई भी शामिल नहीं हो रहा है। आपस में कुछ चर्चा होगी और निर्णय लिये जाएंगे। इस कारण से सभी को भाग लेने की अनुमति नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कुछ लोग आएंगे भी तो हम मना नहीं करेंगे। चित्रदुर्ग में लिए गए 10-15 फैसलों पर चर्चा होने की संभावना है, इस कारण किसी अन्य को आमंत्रित नहीं किया गया है। राजनीतिक क्षेत्र में किसी को भी कुछ भी परिभाषित करने दीजिए। क्या हमें ऐसे एकजुट नहीं होना चाहिए? अगले कुछ दिनों में जिला पंचायत और तालुक पंचायत के चुनाव आने वाले हैं। क्या समुदाय को कांग्रेस पार्टी के साथ नहीं खड़ा होना चाहिए? क्या यह सुनना सही है कि वे सत्ता में रहते हुए भी समुदाय की समस्याएं नहीं सुनते? सामुदायिक भोज के पीछे कई गणनाएँ चल रही हैं। पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा जाति जनगणना के रूप में आयोजित सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट को लागू करने पर चर्चा चल रही है। हाल ही में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मौजूदगी में हुई बैठक में भी इसी मुद्दे का जिक्र किया गया था। सिद्धरामैया ने मंत्रियों को समुदायवार बैठकें करने और राय तय करने का निर्देश दिया है। इस पृष्ठभूमि में कहा जा रहा है कि संबंधित समुदाय के मंत्री डिनर पार्टियों के बहाने मैदान में आ गए हैं, वहीं गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर दलित मुख्यमंत्री की बहस को सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं और कहा जाता है कि इसके लिए कई तरह की कवायदें की गई हैं।

वायरस खतरनाक नहीं

हम सभी को सावधानी बरतने की जरूरत: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने एचएमपीवी वायरस पर चिंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आश्वासन दिया है कि यह वायरस खतरनाक नहीं है। मीडिया से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा डॉक्टर और विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह खतरनाक नहीं है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा पहले ही सावधानी बरतने के निर्देश दिए जा चुके हैं। हम सभी को सावधानी बरतने की जरूरत है। वायरस मुद्दे को संबोधित करने के अलावा, परमेश्वर ने पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी द्वारा राजनीतिक

सहयोगियों के साथ रात्रिभोज बैठकों में भाग लेने के बारे में हाल ही में लगाए गए आरोपों पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया था कि बैठकों में राजनीतिक प्रेरणा थी, लेकिन गृह मंत्री ने इन दावों को दृढ़ता से खारिज कर दिया। परमेश्वर ने स्पष्ट किया एचडी कुमारस्वामी के आरोप राजनीति से प्रेरित हो सकते हैं। इसमें कोई राजनीति नहीं है। हम सिर्फ नए साल के लिए मिले थे। मंत्री की यह टिप्पणी एचडी कुमारस्वामी की उस टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि रात्रिभोज बैठकें राजनीति से प्रेरित थीं, जबकि परमेश्वर ने इस दावे को सिरे से नकार दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बैठकों का फोकस पूरी तरह से सामुदायिक कल्याण, विशेष रूप से आगामी एससी/एसटी सम्मेलन के आयोजन पर था। उन्होंने 8 महीने के बच्चे में एचएमपीवी वायरस के बारे में पूछे गए सवालों का भी जवाब देते हुए कहा कि स्वास्थ्य मंत्री इस मामले पर काम कर रहे हैं और इस बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। सरकार सतर्क है।

यातायात के लिए संथेकट्टे सर्विस रोड खुला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुंडापुर की ओर जाने वाले वाहनों के लिए महत्वपूर्ण मार्ग, संथेकट्टे सर्विस रोड को मंगलवार से यातायात के लिए खोल दिया गया। सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी के निर्देशों के बाद अधिकारियों ने सर्विस रोड के निर्माण कार्य में तेजी लाई है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह यात्रियों के लिए चालू हो। इस निर्माण से चल रहे अंडरपास निर्माण स्थल के पास भीड़भाड़ कम होने से यातायात प्रवाह में काफी सुधार होने की उम्मीद है। अब सर्विस रोड दोनों तरफ हल्के वाहनों के लिए खुली है, साथ ही केमन्नू-हुडे से आने वाली बसों और अन्य वाहनों को भी इस पर भेजा जा रहा है। हालांकि, भारी वाहन अंडरपास का उपयोग करना जारी रखेंगे, जिससे अधिक व्यवस्थित और कुशल यातायात व्यवस्था बनेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से यात्रियों और छात्रों के लिए फायदेमंद है, जो समय पर परिवहन पर निर्भर हैं। सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, वाहनों को किनारों के पास आने से रोकने के लिए सर्विस रोड के किनारे रिटेंशन वॉल का निर्माण किया गया है। जहां रिटेंशन वॉल अधूरी हैं, वहां यात्रियों की सुरक्षा के लिए अस्थायी बैरिकेड लगाए गए हैं। सर्विस रोड के खुलने से न केवल यातायात की भीड़ कम होगी, बल्कि अंडरपास निर्माण की प्रगति में भी तेजी आएगी। वाहनों को सर्विस रोड पर डायवर्ट करके अंडरपास पर निर्बाध काम जारी रखा जा सकता है। सर्विस रोड के दोनों किनारों को जोड़ने वाला पुल भी निर्माणाधीन है, अंडरपास के एक हिस्से की नींव पहले ही रखी जा चुकी है जबकि दूसरे हिस्से को यातायात के लिए खुला रखा गया है।

मेंगलूरु डीएचओ ने एचएमपीवी वायरस को लेकर शांति बनाए रखने की अपील की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचओ) डॉ. थिमैया ने लोगों से ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के बारे में नहीं घबराने की अपील की है। उन्होंने आश्वासन दिया कि यह गंभीर नहीं है और मृत्यु दर प्रभावी रूप से शून्य है। वायरस की प्रकृति के बारे में बताते हुए डॉ. थिमैया ने कहा एचएमपीवी एक श्वसन वायरस है जो लंबे समय से मौजूद है। यह आम तौर पर ऊपरी श्वसन संक्रमण का कारण बनता है,

बिल्कुल आम सर्दी की तरह। लोगों को इसे एक सामान्य वायरस समझना चाहिए और घबराना नहीं चाहिए। उन्होंने लोगों को सतर्क रहने और सोशल मीडिया या मीडिया रिपोर्टों में प्रसारित होने वाली अपुष्ट सूचन-ाओं पर विश्वास करने या उन्हें फैलाने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा एचएमपीवी वायरस के बारे में अपुष्ट खबरों को साझा करने से बचना महत्वपूर्ण है। अगर आपको ऑनलाइन ऐसी कोई जानकारी मिलती है, तो स्पष्टीकरण के लिए विशेषज्ञों से सलाह लें। डॉ. थिमैया ने दोहराया कि सरकार ने पहले ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं और इस बात पर जोर दिया है कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है।

मैसूरु में बंद से बस सेवाएं प्रभावित

अंबेडकर के बारे में अमित शाह की टिप्पणी के विरोध में दुकानें रहीं बंद

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की डॉ. बी.आर. अंबेडकर के खिलाफ टिप्पणी के विरोध में दलित और पिछड़े वर्ग के संगठनों द्वारा मंगलवार को बंद के आह्वान पर मैसूरु के केंद्रीय व्यापारिक जिले में दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि शहर की बस सेवाएं प्रभावित रहीं। विभिन्न दलित संगठनों और कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग जागरूकता मंच के कार्यकर्ता अमित शाह का पुतला लेकर उपनगरीय बस स्टैंड के पास

एकत्र हुए और उनके खिलाफ नारे लगाए। मैसूरु जिला कांग्रेस अध्यक्ष बी.जे. विजयकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने केंद्रीय मंत्री की टिप्पणी के विरोध में डी. देवराज उर्स रोड से मार्च निकाला। कार्यकर्ता सुबह उपनगरीय बस स्टैंड के पास एकत्र हुए और सड़क को अवरुद्ध कर दिया, जिससे केएसआरटीसी की बसें शहर के बाहर गंतव्यों तक नहीं जा सकीं।

केएसआरटीसी के अधिकारी सुबह 9 बजे के आसपास निलंबित किए गए परिचालन को फिर से शुरू करने के लिए पुलिस से मंजूरी का इंतजार कर रहे थे। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग जागरूकता मंच के अध्यक्ष शिवराम ने कहा कि संविधान के खिलाफ अमित शाह की कथित टिप्पणी के खिलाफ बुलाए गए बंद को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल से शाह को तत्काल बर्खास्त करने की मांग करते हुए कहा सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक बंद के आह्वान पर शहर की कई दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान स्वेच्छा से बंद रहे। हालांकि बंद से लोगों को कुछ असुविधा हुई, लेकिन संविधान की रक्षा के लिए विरोध प्रदर्शन जरूरी था।

सिद्धरामैया, शिवकुमार ने कर्नाटक कांग्रेस में अंदरूनी कलह की खबरों को किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक कांग्रेस पार्टी में कथित तौर पर अंदरूनी कलह को बढ़ावा देने वाली डिनर मीटिंग को लेकर विवाद को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में कोई अंदरूनी कलह नहीं है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार की अनुपस्थिति में लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली द्वारा आयोजित डिनर पार्टी के बारे में रिपोर्ट को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि यह नए साल का जश्न था और इसमें कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई। उन्होंने कहा कि चर्चा पार्टी को मजबूत करने पर केंद्रित थी और मीडिया की अटकलें निराधार थीं। अफवाहों को खारिज करते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने नई दिल्ली में कहा कि राजनीति में डिनर मीट आम बात है और इसे ज्यादा तूल देने की जरूरत नहीं है। राजनेताओं का डिनर मीट में शामिल होना आम बात है। मैं भी अक्सर डिनर मीटिंग आयोजित

करता हूं। मीडिया को डिनर मीटिंग का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा मैंने परिवार के साथ विदेश यात्रा की थी, क्योंकि पिछले 4-5 सालों से मैं उनके साथ यात्रा नहीं कर रहा था।

वे सिद्धरामैया के देश से बाहर रहने के दौरान आयोजित रात्रिभोज के पीछे संभावित राजनीतिक मकसद से जुड़े सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कई अन्य मंत्री भी विदेश यात्रा पर थे। जो लोग बेंगलूरु में थे, वे रात्रिभोज में शामिल हुए, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। जब मंत्री एच.के. पाटिल और अन्य द्वारा कैबिनेट में फेरबदल और केपीसीसी अध्यक्ष पद में बदलाव की मांग की गई, तो उन्होंने कहा इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। मीडिया को गलत जानकारी दी गई है। यह सीएम का विशेषाधिकार है और वे इस बारे में बात करेंगे। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने गुरुवार रात पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली के आवास पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में शिवकुमार को बदलने और राज्य में अतिरिक्त उपमुख्यमंत्री पदों के सृजन पर जोर देने के लिए रात्रिभोज बैठक की। इस कदम को शिवकुमार को कमजोर करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जो सिद्धरामैया के बराबर पार्टी में खुद को एक बड़े नेता के तौर पर पेश कर रहे हैं। हालांकि डिनर पार्टी में शामिल नेताओं ने दावा किया कि यह महज नए साल का जश्न था, लेकिन सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस पार्टी के भीतर अंदरूनी कलह है।

कर्नाटक भाजपा ने उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार की गैरमौजूदगी में सरकार द्वारा लिए जा रहे कुछ बड़े फैसलों पर उनका मजाक उड़ाया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया समेत सात कैबिनेट मंत्रियों और 34 विधायकों की मौजूदगी वाली डिनर मीटिंग का जिक्र करते हुए भाजपा ने सवाल किया कि क्या उपमुख्यमंत्री शिवकुमार महज नाम के नेता हैं।

मुख्यमंत्री का खेमा लंबे समय से और उपमुख्यमंत्री पद बनाने की वकालत कर रहा है। जहां सिद्धरामैया और शिवकुमार ने 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को निर्णायक जीत दिलाने के लिए मिलकर काम किया, वहीं अंदरूनी प्रतिद्वंद्विता बढ़ती दिख रही है।

सिद्धरामैया ने दलितों, अल्पसंख्यकों और पिछड़े समुदायों से वोट हासिल करने में अहम भूमिका निभाई, जबकि शिवकुमार ने राज्य के दक्षिणी हिस्सों में प्रभावशाली वोक्कालिगा वोटों को पार्टी में लाने में अहम भूमिका निभाई। राहुल गांधी ने पहले घोषणा की थी कि मुख्यमंत्री का चयन विधायकों के बहुमत के आधार पर किया जाएगा। शिवकुमार द्वारा सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री बनने की इच्छा व्यक्त करने के बावजूद सिद्धरामैया ने अपने दूसरे कार्यकाल के लिए पद हासिल कर लिया। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया है कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाला, जिसमें सीएम सिद्धरामैया जांच का सामना कर रहे हैं, को शिवकुमार ने मुख्यमंत्री का मुकाबला करने की रणनीति के रूप में उजागर किया था।

हाथी के कंकाल से दांत गायब होने का मामला

वन विभाग ने डिप्टी आरएफओ और गार्ड को किया निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भद्रा टाइगर रिजर्व (बीटीआर) के जंगल में मिले हाथी के कंकाल से दांत गायब होने की खबर मीडिया में आने के कुछ दिनों बाद वन विभाग ने मामले में कथित संलिप्तता के लिए लक्कावल्ली रेंज के एक डिप्टी रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर (आरएफओ) और एक फॉरेस्ट गार्ड को निलंबित कर दिया है। 14 सितंबर को, वरिष्ठ वन अधिकारी टाइगर रिजर्व के लक्कावल्ली रेंज के अलदारा बीट में भद्रा बैकवाटर के तट पर पहुंचे। खोपड़ी में दो छेदों से संदेह हुआ कि जानवर को उसके दांतों के लिए अवैध शिकार किया गया था। पर्यावरण कार्यकर्ताओं और संरक्षणवादियों ने मामले की जांच की मांग की। जांच के दौरान, दो निगरानीकर्ताओं ने एक लिखित बयान दिया कि उन्होंने वन बीट गार्ड देवराज पी को जून में एक हाथी के शव की सूचना दी थी, जिसमें दांत बरकरार थे, यानी मामला विभाग के संज्ञान में आने से चार महीने पहले। देवराज ने

निगरानीकर्ताओं को इस मामले के बारे में बात न करने का निर्देश दिया और कहा कि वह वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करेंगे। एक पर्यवेक्षक ने यह भी बताया कि देवराज ने उसे बताया कि शव का निरीक्षण डी.आर.एफ.ओ. कुमार बी. ने किया था। 30 दिसंबर को बीटीआर के फील्ड डायरेक्टर यशपाल क्षीरसागर ने देवराज को कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में निलंबित कर दिया और डी.आर.एफ.ओ. पर जांच के निष्कर्षों के बारे में चिकमंगलूरु सर्कल के मुख्य वन संरक्षक (सी.सी.एफ.) को पत्र लिखा। उसी दिन, 30 दिसंबर को सीसीएफ उपेंद्र प्रताप सिंह ने कुमार को जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया। पर्यावरणविद् दिनेश कल्लहल्ली, जिन्होंने पहले विभाग को विस्तृत जांच की मांग करते हुए पत्र लिखा था, ने कहा कि कार्रवाई स्वागत योग्य है, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। वन मंत्री ईश्वर खंड़े और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को लिखे पत्र में उन्होंने उच्च अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने हाथी के गायब दांतों के मामले को छिपाने के लिए हाथी को मादा घोषित करने और वन्यजीव अपराध के आरोपी एक एनजीओ के सदस्य को मौके पर ही पकड़ने में विभाग की गंभीर गलतियों को दोहराया। कई संकेत हैं कि मामले को छिपाया गया है। उन्होंने बताया मैंने इस मामले की आपराधिक जांच विभाग से जांच कराने की मांग की है।

अगले कुछ दिनों में शहर में ठंड बढ़ने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में अगले तीन से चार दिनों में तापमान 10-12 डिग्री सेल्सियस तक गिरने के साथ ही ठंड और बढ़ेगी। पिछले एक सप्ताह में बेंगलूरु में ठंड और ओस दोनों में बढ़ोतरी देखी गई है। मौसम विभाग का अनुमान है कि उत्तर भारत से आने वाली ठंडी हवाओं के कारण शहर का तापमान और गिरेगा।

जनवरी में औसत न्यूनतम तापमान 15.8 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। अगले सप्ताह न्यूनतम तापमान में 10 से 12 डिग्री सेल्सियस की गिरावट के अनुमान के साथ, बेंगलूरु में और भी अधिक ठंड पड़ने की संभावना है।

इस साल की सर्दी पिछले साल की तुलना में थोड़ी अधिक रहने की उम्मीद है। अधिक बारिश के कारण झीलों, नदियों और बांधों

के भरने से हवा में ठंड बढ़ गई है। ठंड के अलावा, ओस में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है और डॉक्टरों ने बेंगलूरु के निवासियों को अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। वर्तमान मौसम में सर्दी और खांसी जैसे लक्षण अधिक आम होते जा रहे हैं, इसलिए ठंडे भोजन के बजाय गर्म भोजन का सेवन करने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा बच्चों और बुजुर्गों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

केरल के कन्नूर में बचाए गए तेंदुए को कर्नाटक के जंगलों में छोड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केरल के कन्नूर के मुजक्कुन्नू पंचायत के कक्कायांगड में निजी भूमि से बचाए गए पांच वर्षीय तेंदुए को मंगलवार की सुबह कर्नाटक के जंगलों में छोड़ा गया। सोमवार को बी.के. प्रकाशन की संपत्ति पर एक जाल में तेंदुआ फंस गया, जिसके बाद वहां बड़ी भीड़ जमा हो गई और कन्नूर के जिला कलेक्टर अरुण के. विजयन ने केरल बीएनएसएस अधिनियम की धारा 163(1) के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी।

वायनाड वन्यजीव अभयारण्य से वन सहायक पशु चिकित्सक अजेश मोहनदास के नेतृत्व में

एक टीम द्वारा रासायनिक स्थिरीकरण के बाद जानवर को बचाया गया। कन्नूर के प्रभागीय वन अधिकारी व्यास शशिकुमार ने बताया डॉक्टरों द्वारा तेंदुए को छोड़ने के लिए फिट प्रमाणित करने के बाद, उसे ले जाया गया और सुबह 5 बजे कर्नाटक के वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। इस घटना ने स्थानीय निवासियों में चिंता पैदा कर दी है, जिन्होंने इस क्षेत्र में कई बार तेंदुए देखे जाने की सूचना दी है।

वन अधिकारियों ने माना कि तेंदुए अक्सर जंगल के किनारे के मानव आवासों में घुस आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पालतू जानवरों, खासकर कुत्तों पर तेंदुओं द्वारा हमला करना एक आम घटना है।

लोगों की आशंकाओं को दूर करने के लिए वन विभाग ने जागरूकता उपाय शुरू किए हैं और निवासियों से सतर्क रहने का आग्रह किया है।

मिट्टी ढहने से मजदूर की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के होइगेबेल में सोमवार शाम को नाले के काम के दौरान मिट्टी का ढेर ढहने से एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी कमल हुसैन (20) के रूप में हुई है। यह हादसा उस समय हुआ जब तीन मजदूर आठ फीट की गहराई पर काम कर रहे थे। अचानक, आसपास की मिट्टी धंस गई और तीनों मजदूर उसमें फंस गए। स्थानीय निवासियों ने मलबे से दो मजदूरों को बचाने में कामयाबी हासिल की, लेकिन कमल हुसैन ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। उरवा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

मंचनबेले बांध का 145 करोड़ की लागत से होगा कायाकल्प

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने रामनगर जिले में बेंगलूरु से 40 किलोमीटर दूर स्थित मंचनबेले बांध को पर्यटन स्थल में बदलने के लिए 145 करोड़ की महत्वाकांक्षी पर्यटन परियोजना की घोषणा की है। एक रिपोर्ट के अनुसार, 72.3 एकड़ में फैली इस परियोजना को सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत क्रियान्वित किया जाएगा और इसे इको-टूरिज्म, एडवेंचर और अवकाश के अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, मंचनबेले बांध पर नियोजित पर्यटन परियोजना में आगंतुकों के अनुभव को बढ़ाने के उद्देश्य से कई प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं।

तीन एकड़ में फैले आगमन क्षेत्र में एक टिकटिंग प्लाजा, एक टॉय ट्रेन स्टेशन और 100 वाहनों के लिए स्मार्ट पार्किंग की सुविधा

होगी। 15.5 एकड़ में फैले इको-टूरिज्म जोन में 55 कमरों वाला एक बिजनेस होटल, इको-रिसॉर्ट कॉटेज, एक स्पा, एक वेलनेस सेंटर, बैंक्वेट हॉल, स्विमिंग पूल और बांध जलाशय के शानदार दृश्य पेश करने वाले रेस्तरां होंगे। 15.3 एकड़ में फैले एडवेंचर जोन में गो-कार्टिंग, डर्ट बाइकिंग, घुड़सवारी, रॉक क्लाइम्बिंग और हाई-रोप कोर्स जैसी गतिविधियाँ होंगी। इसके अतिरिक्त, इसमें ओपन-एयर थिएटर, फूड कियोस्क और एक हेलीपैड वाला एक सांस्कृतिक गाँव भी शामिल होगा।

परियोजना का सबसे बड़ा हिस्सा, अवकाश क्षेत्र, 60.4 एकड़ में फैला होगा और इसमें सुंदर उद्यान, पैदल चलने के रास्ते, एक गुलाब का बगीचा, एक जापानी उद्यान, फव्वारे और गजेबो शामिल होंगे। सबसे ऊँचे स्थान पर एक व्यूइंग डेक जलाशय के मनोरम दृश्य प्रदान करेगा और बेंगलूरु के संस्थापक केम्पेगौड़ा की एक प्रतिमा स्थापित करेगा। 3.6 एकड़ का एक अलग जोन वाटर स्पोर्ट्स, हाइकिंग और कैंपिंग के लिए समर्पित होगा, जिसमें निर्दिष्ट शांत खाड़ी क्षेत्रों में बोटिंग और जेटी राइड की सुविधाएँ होंगी। यह विकास दो मुख्य पहुँच मार्गों- सावनदुर्गा-मंचनबेले रोड और एक फॉरेशोर रोड- के साथ-साथ सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए द्वितीयक प्रवेश बिंदुओं से अच्छी तरह से जुड़ा होगा। भविष्य की योजनाओं में रात भर ठहरने की व्यवस्था के साथ हाउसबोट और अर्कावती घाटी के लुभावने दृश्य पेश करने वाला रोपवे शामिल है। यह परियोजना 30 वर्षों की रियायत अवधि के साथ डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण मॉडल का पालन करेगी। एक बार यह अवधि समाप्त हो जाने के बाद, साइट और सुविधाएँ कावेरी नीरावरी निगम लिमिटेड को वापस सौंप दी जाएँगी। यह विकास मंचनबेले बांध को एक प्रमुख पर्यटन स्थल में बदलने के लिए तैयार है, जिसमें इको-टूरिज्म, एडवेंचर और अवकाश का मिश्रण होगा।

महज बीमा राशि पाने के लिए ट्रैक्टर दुर्घटना के जरिये पिता की कराई हत्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक पुलिस ने बीमा राशि का दावा करने के लिए दुर्घटना का नाटक करने और एक व्यक्ति की हत्या करने के आरोप में बेटे सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटना जुलाई 2024 में हुई थी। कलबुर्गी जिले के पुलिस अधीक्षक अडुरु श्रीनिवासुलु ने कहा कि पिता कलिंगराय अपने बेटे सतीश को पीछे बैठा रहे थे, तभी बेटे ने उन्हें रुकने के लिए कहा, ताकि वह पेशाब कर सके। इसी बीच कलिंगराय बेन्नूर क्रॉसिंग के पास रुके और अपने बेटे का इंतजार कर रहे थे, तभी सतीश के एक साथी अरुण ने कलिंगराय पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया और उनकी हत्या कर दी। श्रीनिवासुलु ने बताया कि इसके बाद सतीश ने शिकायत दर्ज कराई और बीमा राशि का दावा किया। एक अन्य घटना में, पुलिस ने रविवार को बताया कि पुराने चंदपुरा इलाके में एक महिला की उसके बेटे ने कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी, जो नशे में था और फिर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार रात को हुई, जब घर में मां और बेटे के बीच झगड़ा हुआ था। मृतकों की पहचान लक्ष्मी देवी (41) और उनके बेटे रमेश (21) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, रमेश शराबी था और यह घटना उसकी मां से झगड़े के बाद हुई, जिसने उसकी शराब पीने की आदत पर आपत्ति जताई थी। उसके पिता मंजन्ना की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने कहा कि आगे की कानूनी कार्यवाही की जाएगी। परिवार विजयनगर जिले का रहने वाला था और इलाके में किराए के मकान में रहता था। साथ ही, उसने बताया कि रमेश सफाईकर्मी के तौर पर काम करता था, लेकिन अपने काम में अनियमित था।

मीडिया रिपोर्टें सरकार की लूट का सबूत: एचडी कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ 60 प्रतिशत कमीशन के आरोप के लिए सबूत पेश करने की मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की चुनौती का जवाब देते हुए, जेडी(एस) नेता और केंद्रीय उद्योग मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने मंगलवार को मीडिया रिपोर्टों को लूट की गवाही बताया। कुमारस्वामी ने एक पोस्ट में कहा आप मुझसे सबूत देने के लिए कह रहे हैं। खैर, माननीय सिद्धरामैया, आपकी 'गारंटी' सरकार ही लूट की गवाही है। पत्रकारों ने खुद ही आपकी लूट का सच उजागर कर दिया है। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया कि सिद्धरामैया सरकार गारंटी के नाम पर करोड़ों की लूट' कर रही है। उन्होंने दावा किया कि ठेकेदारों पर 32,000 करोड़ रुपये का बकाया है। उन्होंने कहा आपका प्रतिशत कट इसमें शामिल है। उन्होंने आगे कहा ऋण लेकर और

प्रोजेक्ट पूरा करने के बाद काम करने वाले ठेकेदार अब दया मृत्यु के लिए आवेदन भेज रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए केंद्रीय मंत्री ने ठेकेदारों के लंबित बिलों की सूची दी, जिसमें जल संसाधन 14,600 करोड़ रुपये, सार्वजनिक निर्माण 10,000 करोड़ रुपये, ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज 3,100 करोड़ रुपये, लघु सिंचाई 2,800 करोड़ रुपये,

अन्य विभाग 1,500 करोड़ रुपये समेत कुल 32,000 करोड़ रुपये लंबित है। यह विश्वासघात क्यों? आपने जो गलतियाँ की हैं, उन्हें ठीक करें। बिना कारण के इसे उचित ठहराना स्वीकार्य नहीं है। ठेकेदारों की जान बचाएँ और राज्य के विकास पर ध्यान दें। मैंने जो कहा है, वह वैसा ही है। उन्होंने सरकार की 60 प्रतिशत कमीशन की आलोचना करते हुए कहा अगर आप या आपके कैबिनेट सदस्य ठेकेदारों के लंबित बिलों का भुगतान करने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय मुझे निशाना बनाते हैं, तो इसका क्या फायदा है? इससे पहले राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी को चुनौती दी है, जिन्होंने आरोप लगाया है कि राज्य में 60 प्रतिशत कमीशन का कारोबार चल रहा है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बिना दस्तावेज के आरोप लगाना विपक्षी नेताओं के लिए सही नहीं है। यदि भ्रष्टाचार और 60 प्रतिशत कमीशन का धंधा चल रहा है तो उसे दस्तावेजों से साबित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना दस्तावेजों के जुबानी तौर पर आरोप लगाना ठीक नहीं है।

134 साल पुराना है प्रस्ताव जम्मू से बारामुला तक रेल पहुंचाने का!

जम्मू कश्मीर के महाराजा ने 1890 में इस रेल मार्ग का सर्वेक्षण भी करवाया था

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 07 जनवरी।

मजेदार बात यह है कि जिस जम्मू-उधमपुर-बारामुला रेलवे लाइन के प्रस्ताव को भारत सरकार द्वारा तैयार किए जाने का दावा गया है वह असल में जम्मू कश्मीर के महाराजा प्रताप सिंह ने वर्ष 1890 में तैयार करवाना आरंभ किया था परंतु देश के विभाजन के कारण इस प्रस्ताव पर कार्य आरंभ नहीं हो सका था। यही नहीं भारतीय इंजीनियरों ने उधमपुर से कश्मीर के बारामुला तक रेल मार्ग ले जाने के लिए जिस मार्ग का सर्वेक्षण किया था महाराजा के समय भी उसी मार्ग का चुनाव किया गया था।

यह परियोजना 134 साल पुरानी है। वर्ष 1926 में महाराजा हरि सिंह द्वारा गद्दी संभाल लेने के उपरांत भी यह परियोजना जारी रही थी। किन्हीं कारणों से यह कोई ठोस शक्ल अख्तियार नहीं कर पाई थी। अब श्रीनगर तक रेल चलाने की घोषणा के साथ ही महाराजा हरि सिंह के सपने के साकार होने का समय आ गया है।

अगर जम्मू कश्मीर के अभिलेखागार में पड़ी हुई धूल चाट रही पुरानी अधिकारिक फाइलों में से इस संबंध में तलाश किए जाने वाले दस्तावेजों पर

एक नजर दौड़ाई जाए तो यह जानकारी अवश्य मिलती है कि आज जिस परियोजना को तैयार करने का दावा केंद्र सरकार तथा उसके इंजीनियर कर रहे हैं वह 1890 के दशक में जम्मू कश्मीर के महाराजा प्रताप सिंह ने तभी तैयार करवा ली थी जब उन्होंने महसूस किया था कि कश्मीर तथा जम्मू को भी बाकी देश से रेल मार्ग द्वारा जोड़ा जाना चाहिए।

इन दस्तावेजों के अनुसार महाराजा के निर्देशों पर ब्रिटेन के कई इंजीनियरों ने इस संबंध में कई सर्वेक्षण भी किए थे जिनकी रिपोर्टें अभी भी अभिलेखागार की फाइलों में पड़ी हुई हैं। इन दस्तावेजों के अनुसार अनेकों सर्वेक्षणों के उपरांत महाराजा हरि सिंह को ब्रिटिश इंजीनियर विल्डे ब्लूड द्वारा तैयार किए गए इस संबंध में प्रस्ताव अधिक पसंद आए थे जिसमें कश्मीर के लिए रेलमार्ग रियासी के रास्ते दरिया चिनाब के किनारे किनारे से ले जाने की बात सुझाई गई थी जिससे यह रेल मार्ग बर्फ की रेखा तथा भूस्खलन की समस्याओं से दूर रहता। और मजेदार बात यह है कि अब जो परियोजना अब पूरी हुई है उसके लिए भी उसी मार्ग को अपनाया गया जिसका प्रस्ताव विल्डे ब्लूड ने महाराजा को दिया था।

इस ब्रिटिश इंजीनियर के प्रस्ताव में यह भी कहा गया था कि अगर रियासी के रास्ते रेल मार्ग बिछाया जाता है तो रियासी से ही कश्मीर के लिए एक सुरंग का निर्माण भी किया जाएगा और रेल मार्ग के साथ साथ रियासी के पहाड़ों में छुपी कोयला, लोहा तथा अन्य खनिजों की संपदा को भी खोद निकाला जा सकता है।

उसके प्रस्ताव के अनुसार देवीगढ़ के समीप से इस सुरंग का निर्माण आरंभ किया जाना चाहिए था।

दस्तावेजों के अनुसार महाराजा ने इस रेल परियोजना को अंतिम रूप देने के लिए एक ब्रिटिश कम्पनी मैसर्स एसआर स्काट एंड कंपनी को सारा काम भी सौंप दिया था परंतु वर्ष 1947 में देश का बंटवारा हो जाने के कारण महाराजा को अपनी परियोजना को त्यागना पड़ा था जिसे अब केंद्र सरकार ने पूरा किया है।

असल में लोगों को इसके प्रति अभी तक कोई आशा नहीं होने का एक कारण यह भी था कि महाराजा हरि सिंह के समय से ही इस परियोजना पर कार्य चला था परंतु वह एक सदी के बाद भी आरंभ नहीं हो सका था। दस्तावेजों के अनुसार सर्वप्रथम 1890 में इस परियोजना का प्रारूप तैयार करने के लिए महाराजा के निर्देशों पर एक अन्य ब्रिटिश इंजीनियर एडम ने सर्वेक्षण किया था जिसके प्रस्ताव के अनुसार जम्मू कश्मीर में विद्युत रेल चलाई जानी चाहिए। उसके प्रस्ताव के अनुसार जम्मू से उधमपुर के 60 किमी के भाग पर लोकोमोटिव इंजनों तथा उधमपुर से आगे पहाड़ अधिक ऊंचे होने के कारण उसने वहां पर विद्युत वाले इंजन चलाने की बात कही थी और उसके अनुसार इन विद्युत के इंजनों को उधमपुर, रामसू तथा बनिहाल में बिजली घर स्थापित कर वहां से बिजली की आपूर्ति की जा सकती है। लेकिन तत्कालीन ब्रिटिश रेजिडेंट कमीशनर लुईस डब्लू डाने ने इस सर्वेक्षण को यह कह कर मानने से इंकार कर दिया था कि बिजली घरों का निर्माण आसान नहीं है।

इसके बाद भी महाराजा ने हिम्मत नहीं हारी थी और उन्होंने एक अन्य ब्रिटिश इंजीनियर डब्लू जे व्हाइटमेन को सर्वेक्षण के लिए लगाया था जिसने 1902 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी।

हालांकि उसके प्रस्ताव को भी नामंजूर कर दिया गया था क्योंकि उसके प्रस्ताव के अनुसार कश्मीर के लिए पाकिस्तान के एबटाबाद से रेल मार्ग बिछाया जाना चाहिए जो झेलम के साथ साथ चलना चाहिए।

जम्मू कश्मीर के विधायकों को तीन माह बाद मिला वेतन

जम्मू, 07 जनवरी (ब्यूरो)।

यह एक रोचक खबर हो सकती है कि केंद्र शासित जम्मू कश्मीर की पहली विधानसभा के सदस्य अर्थात विधायक पिछले तीन महीनों से बिना वेतन के ही कार्य कर रहे थे। अब उन सभी को पहला वेतन मिल गया है। अभी दो माह का वेतन बकाया है। तीन माह बाद मिला वेतन पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य में विधायकों के लिए तय वेतनमान के आधार पर ही मिला है

वैसे अधिकारियों का कहना था कि उन्हें निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि (सीडीएफ) के लिए अभी इंतजार करना होगा। उन्हें सीडीएफ वर्ष 2025-26 के वित्त वर्ष में बजटीय प्रविधान के आधार पर ही मिलेगा। यह तय नहीं कि उन्हें हर वर्ष तीन करोड़ मिलेंगे या फिर उनकी सीडीएफ की राशि में किसी तरह की कटौती होगी।

विधानसभा के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगियों और विधायकों को वेतन पांच अगस्त 2019 से पहले के जम्मू कश्मीर राज्य में विधायकों और मंत्रियों के लिए तय वेतनमान के आधार पर प्रदान किया है। विधायकों का कुल मासिक वेतन उनके भत्तों समेत 1.6 लाख है।

पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य में विधायकों को तीन करोड़ प्रतिवर्ष सीडीएफ की मद में आबंटित किए जाते रहे हैं। जम्मू कश्मीर में विधायकों के लिए वेतन और भत्तों को अभी तय किया जाना है।

इसका अंतिम अधिकार उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पास है। प्रदेश कैबिनेट ने विधायकों के वेतन और भत्तों में बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव उपराज्यपाल को भेजा है,लेकिन उस पर कथित तौर पर प्रगति नहीं हुई है।

जानकारी के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में पहली विधानसभा का गठन अक्टूबर 2024 में हुआ था। जम्मू कश्मीर विधानसभा में 90 निर्वाचित और पांच नामित विधायकों का प्रविधान है। मौजूदा समय में 88 विधायक हैं। प्रदेश के वार्षिक बजट 2024-25 में विधायकों के वेतन और सीडीएफ के लिए कोई बजटीय प्रविधान नहीं रखा है। वर्ष 2025-26 के बजट को फरवरी 2024 में बजट सत्र के दौरान मंजूरी मिलेगी।

यूपी में गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध परिवाद दायर

सुल्तानपुर/एजेंसियां।

यहां मंगलवार को एमपी, एमएलए कोर्ट में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के विरुद्ध परिवाद दायर हुआ है।

विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने याचिका पर 15 जनवरी को सुनवाई की तारीख निर्धारित की है। यह परिवाद अमित शाह द्वारा संविधान रचयिता डॉ. भीमराव अंबेडकर को लेकर की गई टिप्पणी पर किया गया है। यह परिवाद धम्मौर थाना क्षेत्र के बनकेपुर सरैया निवासी रामखेलावन ने कराया है।

रामखेलावन ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह द्वारा 17 दिसंबर 2024 को सदन में डॉ. भीमराव अंबेडकर पर टिप्पणी की गई। जिनकी बदौलत अमित शाह आज गृहमंत्री हैं, उन्हीं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की। जिनको करोड़ों गरीब मजदूर

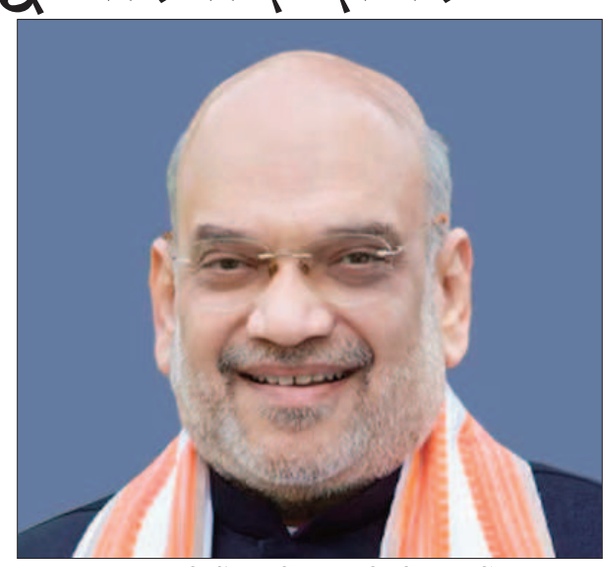

अपना भगवान मानते हैं, उससे करोड़ों लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं। इससे मेरी भी भावना आहत हुई है। इसी को लेकर गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ परिवाद दायर किया है। अधिवक्ता जयप्रकाश ने बताया कि अमित शाह ने लोकसभा में बाबा साहब अंबेडकर को लेकर अमर्यादित टिप्पणी किया था। उन्होंने बाबा साहब का अपमान किया। इसी बात को लेकर परिवादी राम खेलावन ने कोर्ट में परिवाद दायर किया है।

बडगाम और नगरोटा के उप चुनावों की घोषणा होगी जल्द

बडगाम से उमर के बेटे और नगरोटा से केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह की भतीजी मैदान में

जम्मू, 07 जनवरी (ब्यूरो)।

भारतीय चुनाव आयोग जम्मू कश्मीर के बडगाम और नगरोटा विधानसभा क्षेत्रों के लिए उप-चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा करने वाला है। इनमें से एक भाजपा और दूसरा नेशनल कांफ्रेंस का गढ़ माना जाता है जिसके लिए दोनों दलों ने उम्मीदवार भी तैयार कर लिए हैं। इनमें से एक केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और स्व भाजपा विधायक देवेंद्र सिंह राणा की बेटी देवयानी राणा की लांचिंग भाजपा ने कल कर दी पर बडगाम से मैदान में उतरने जा रहे उमर अब्दुल्ला के बेटे जमीर अब्दुल्ला की लांचिंग अभी नहीं हुई है।

सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग अगले कुछ दिनों में इन दोनों सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर सकता

है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में घोषणा इस सप्ताह किए जाने की संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक, मतदान फरवरी के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होगा।

याद रहे बडगाम सीट उमर अब्दुल्ला द्वारा खाली की गई थी, जिन्होंने गंदरबल के पार्टी गढ़ को बरकरार रखने का फैसला किया था, जबकि नगरोटा सीट भाजपा नेता देविंदर सिंह राणा के निधन के बाद खाली हुई थी। राणा केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के भाई थे।

भाजपा जहां देविंदर सिंह राणा की बेटी देवयानी राणा को नगरोटा सीट से अपना उम्मीदवार बना सकती है। हालांकि वहीं सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि बडगाम सीट से एनसी का उम्मीदवार कौन होगा। वैसे नेकां ने इस सीट से अपना उम्मीदवार कौन होगा, इस बारे में कोई संकेत तक नहीं दिया है, जिससे राजनीतिक पर्यवेक्षकों और मतदाताओं में व्यापक जिज्ञासा पैदा हो गई है।

पार भीतरी सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा और विधानसभा चुनावों में पिता उमर अब्दुल्ला के साथ चुनाव प्रचार तक सीमित रहे जमीर अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर की राजनीति में सक्रिय होने के लिए तैयार हैं।

परिस्थितियों के अनुकूल रहने पर वह बडगाम विधानसभा सीट के उपचुनाव में नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उम्मीदवार के रूप में भाग्य आजमा सकते हैं।

बता दें कि वर्ष 2024 में विधानसभा चुनाव में उमर ने नेकां के उम्मीदवार के रूप में बडगाम व गंदरबल से चुनाव लड़ा और दोनों सीटों पर जीते। बाद में उन्होंने बडगाम सीट से त्यागपत्र दे दिया। अब बडगाम सीट खाली है। इसके अलावा जम्मू में भाजपा नेता देवेंद्र सिंह राणा के निधन से नगरोटा सीट भी खाली पड़ी है। अनुमान है कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ जम्मू कश्मीर में खाली दो सीट बडगाम और नगरोटा पर उपचुनाव कराए जा सकते हैं। यह चुनाव फरवरी-मार्च में हो सकते हैं।

2024 के जम्मू कश्मीर चुनावों में उमर अब्दुल्ला ने अलगाववादी नेता आगा हसन के बेटे मुंतजिर मेहदी को 18000 से अधिक मतों के अंतर से हराकर बडगाम सीट जीती थी। राणा ने नेशनल कांफ्रेंस के जोगिंदर सिंह को 30,472 मतों से हराकर नगरोटा सीट जीती थी।

संसाधनों की कोई कमी नहीं, हमारी ज़रूरतों के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध: आर.के. सिंह

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय लड़ाकू विमान आवश्यकताओं के समाधान खोजने पर चल रही बहस के बीच , रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि संसाधनों की कोई कमी नहीं है और देश के पास अपनी जरूरतों के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है।

अधिग्रहण प्रक्रियाओं के मुद्दे पर बोलते हुए, रक्षा सचिव ने कहा कि खरीद नीति कई मायनों में टूटी हुई थी और अगले छह महीने से एक साल में इसे दूर करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा,

भारत बड़े बदलाव के मुहाने पर है। हम आखिरकार उस मुकाम पर पहुंच गए हैं जहां उदारीकरण के

बाद हमें जीडीपी में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का आंकड़ा पार करने में लगभग 16-17 साल लग गए। हमें 2 ट्रिलियन के आंकड़े तक पहुंचने में और 7 साल लगे और 2021-22 में तीन ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े तक पहुंचने में और सात साल लगे। इसके बाद हम तीन साल में 4 ट्रिलियन तक पहुंच जाएंगे और हम हर दूसरे साल अपनी अर्थव्यवस्था में 75 ट्रिलियन डॉलर और जोड़ेंगे।

सिंह ने एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर 21वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार को संबोधित करते हुए कहा, इसलिए, यह धारणा कि संसाधन उपलब्ध नहीं हैं और हम संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, हमें इसे खिड़की से बाहर फेंक देना चाहिए। हमें जो करने की जरूरत है, उसके लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है। हमें प्राथमिकता वाले समाधानों के लिए व्यावहारिकता की जरूरत है। रक्षा बजट जीडीपी का केवल 1.9 से 2 प्रतिशत होने के मुद्दे पर, सिंह ने कहा कि 6-7 प्रतिशत की दर से बढ़ रही अर्थव्यवस्था में इतनी राशि पूरी तरह से खर्च करना मुश्किल साबित हो रहा है क्योंकि हर साल 3,000 से 4,000 करोड़ रुपये बिना खर्च किए सरकार को वापस आ रहे हैं। उन्होंने कहा, आज हम रक्षा पर अपने जीडीपी का केवल 1.9 से 2 प्रतिशत खर्च कर रहे हैं, जो 6-7 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ आसानी से हो सकता है। घरेलू अवशोषण क्षमता की कमी के कारण हमारे हिस्से का 2 प्रतिशत खर्च करना भी मुश्किल साबित हो रहा है। अधिग्रहण प्रक्रियाओं में मुद्दों पर उन्होंने कहा, हमारे देश में जो हो रहा है वह यह है कि हमारी खरीद नीति, और मैं यह एक निष्पक्ष पर्यवेक्षक के रूप में कह रहा हूँ। मैं इसका हिस्सा हूँ और हमें इसके लिए समाधान खोजने की आवश्यकता है लेकिन हमारी खरीद नीति कई मायनों में टूटी हुई है। रक्षा सचिव ने कहा कि हम समय पर काम नहीं कर पाए हैं। हमने जो समयसीमाएँ खुद को दी हैं, वे बहुत ही शानदार हैं। आवश्यकता की स्वीकृति के लिए जाने से पहले ही समय पर ठक्झ तैयार करने जैसी बहुत ही बुनियादी चीजें नहीं की गईं। उसके बाद, आप सभी जानते हैं कि हम अपनी कई आवश्यकताओं को सोने की परत चढ़ाते रहे हैं। अब समय आ गया है कि हम अपनी बात को साफ-साफ कहें और एक अलग दृष्टिकोण अपनाएँ।

वीआईपी संस्कृति एक विकृति है: धनखड़

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने वीआईपी संस्कृति को विकृति करार देते हुए कहा है कि राजनीति कटुता के लिए नहीं, बल्कि समाज की सेवा के लिए होनी चाहिए।

श्री धनखड़ ने मंगलवार को कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में श्री क्षेत्र धर्मस्थल में आगुंतक प्रतीक्षा परिसर और 'ज्ञानदीप कार्यक्रम' का उद्घाटन करते हुए कहा कि वीआईपी संस्कृति एक विकृति है। जब इसे समानता की कसौटी पर परखा जाता है तो यह किसी के अधिकारों का एक अतिक्रमण है। इसका समाज में, विशेष रूप से धार्मिक स्थानों में, कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वीआईपी दर्शन की अवधारणा ही दिव्यता के विरुद्ध है, इसलिए इसे समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, धार्मिक संस्थान समानता के

प्रतीक हैं, क्योंकि भगवान के समक्ष कोई व्यक्ति उच्च नहीं है। हमें धार्मिक संस्थानों में समानता की भावना को पुनर्जीवित करना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने नेताओं से कटुता से ऊपर उठने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, राजनीति कटुता के लिए नहीं है। राजनेताओं के पास विभिन्न विचारधाराएँ होंगी, होनी भी चाहिए। भारत अपनी विविधता के लिए जाना जाता है क्योंकि विविधता एकता में बदल जाती है। लेकिन राजनीतिक कटुता नहीं होनी चाहिए। राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता नहीं होना चाहिए। सत्ता महत्वपूर्ण है। यह समाज की सेवा, राष्ट्र की सेवा के लिए होनी चाहिए।

श्री धनखड़ ने कहा, कि देश में अब यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि राजनीतिक विभाजन पर गंभीरता से विचार करें। देश में राजनीतिक माहौल बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि देश में राजनीतिक वातावरण को तर्कसंगत विचारों से संतुलित करने की आवश्यकता है।

लोकतंत्र में संवाद के महत्व को बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि संवाद और अभिव्यक्ति लोकतंत्र की पहचान हैं। अगर अभिव्यक्ति के अधिकार को प्रतिबंधित या सीमित किया जाए, तो किसी व्यक्ति की पूरी क्षमता सामने नहीं आ सकती।

महाकुंभ: स्वास्थ्य विभाग का दस्ता लगातार करे भ्रमण, पूछे लोगों का हाल : योगी

मुख्यमंत्री ने की तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा

लखनऊ 07 जनवरी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ठंड के मौसम में आमजन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुख्ता इंतजाम रखने के निर्देश दिए हैं।

मंगलवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा, तेज ठंड का मौसम है। शीतलहर चल रही है। यह समय बुजुर्गों, बच्चों और गंभीर रोग से ग्रस्त लोगों की सुरक्षा के दृष्टिगत विशेष सतर्कता बरतने वाला है। सर्दी, खांसी, श्वांस से जुड़े मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी संभावित है। स्वास्थ्य तंत्र को अलर्ट रहने की आवश्यकता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को अच्छी चिकित्सा सुविधा मिलनी चाहिए। जांच हो या दवाओं की उपलब्धता, सब कुछ चाक-चौबंद हो। आम आदमी को परेशान न होना पड़े। महाकुम्भ में तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी सेक्टरों में इलाज के इंतजाम हों।एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध रहे। सर्दी, खांसी, बुखार जैसी मौसमी समस्या हो अथवा कोई अन्य गंभीर बीमारी, सभी को समुचित चिकित्सकीय सहायता मिलनी चाहिए। बीमार लोगों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम सभी सेक्टरों में सतत भ्रमण करे और लोगों का हालचाल ले, जरूरत हो तो उन्हें चिकित्सकीय सहायता दिलाई जाए।

संविधान गौरव अभियान की जिला कार्यशाला का आयोजन

मिर्जापुर/एजेंसियां।

बरौधा कचार में स्थित भाजपा जिला कार्यालय के सभागार में मंगलवार को संविधान गौरव अभियान की जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा जिला प्रभारी सरोज कुशवाहा ने कहा कि भारत के संविधान को निर्मित हुए 75 वर्ष हो रहे हैं। इस अवसर पर पार्टी द्वारा संविधान के महत्वपूर्ण गौरव अभियान को एक उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य भारत के संविधान में निहित मूल्यों को जन जन तक लेकर जाना है। संविधान महोत्सव के इस अभियान द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को याद करके उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित करना है। उन्होंने भाजपा अनुसूचित मोर्चा, युवा मोर्चा और महिला मोर्चा का आह्वान करते हुए कहा कि संवैधानिक मूल्यों, भाजपा की उपलब्धियों और बाबा साहेब की विरासत का सम्मान करने की प्रतिबद्धता को बढ़ावा देने के लिए अनुसूचित जाति एवं जनजाति समूह के प्रबुद्धजन एवं विशिष्ट जन की सूची तैयार करते हुए सभी जिला केंद्रों में हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान पर गोष्ठी के अलावा स्कूल, कॉलेजों में उक्त विषय पर क्विज, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। अनुसूचित जाति छात्रावासों एवं कॉलेज संपर्क के माध्यम से युवाओं में भारत रत्न अम्बेडकर के योगदान और भाजपा की संविधान के प्रति प्रतिबद्धता को प्रचारित किया जायेगा। बूथ स्तर पर सभी कार्यकर्ता 25 जनवरी को सामुहिक रूप से आमजन के साथ एकत्रित होकर भारतीय संविधान की प्रस्तावना एवं नीति निर्देशक तत्व को पढ़ेंगे व इस पर चर्चा करेंगे। कार्यशाला की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष श्याम सुन्दर केशरी ने की। आभार जिला उपाध्यक्ष एवं अभियान संयोजक अमित कुमार पाण्डेय ने व्यक्त किया। इस मौके पर विधायक नगर रत्नाकर मिश्रा, चेयरमैन डीसीएफ विजय कुमार वर्मा, जिला महामंत्री दिनेश वर्मा, पूर्व महामंत्री भाजपा महेन्द्र प्रताप सिंह, अभियान सह संयोजक राजेश कुमार, आभा पटेल, प्रिंस अहमद, प्रणेश प्रताप सिंह, ज्ञान प्रकाश दूबे, सुनीता शर्मा, पुष्पेन्द्र द्विवेदी, बीना सिंह, विरेन्द्र कुमार मौर्य, दीपक वर्मा, मुजम्मिल अहमद, शनि सिंह के साथ अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश दूबे ने दी।

सपा की मासिक बैठक में संगठन को मजबूत करने पर चर्चा

मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुट जाएं: देवी प्रसाद चौधरी

मिर्जापुर/एजेंसियां।

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक जिला कार्यालय लोहिया ट्रस्ट स्थित लोहिया सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने की। बैठक में वक्ताओं ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान, संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने एवं 27 जनवरी से चलने वाले पीडीए पखवाड़ा में बाबा साहब के संविधान को बचाने को लेकर चर्चा की। साथ ही किसानों को टेल तक पानी पहुंचाने तथा धान क्रय केन्द्रों पर किसानों की धान खरीद की मांग की गई। इस मौके पर देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में पदाधिकारी और कार्यकर्ता जुट जाएं। भाजपा के लोग गरीबों, किसानों, पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों को वोट के अधिकार से वंचित करने के लिए कोई रास्ता नहीं छोड़ेंगे। भाजपा की जनविरोधी नीतियों, भ्रष्टाचार, गुंडाराज, किसान, गरीब, पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समझ रहा है। उनके झूठ के पुलिन्दे में आने वाले नहीं हैं।

अगली सरकार समाजवादी पार्टी की बने इसलिए पदाधिकारी व कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर मतदाता कार्य फार्म 6 व 7 के माध्यम से नाम बढ़ाने का काम करें। उन्होंने कहा बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिये पीडीए पंचायत पखवाड़ा 27 जनवरी से बूथ स्तर पर चलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये अभी से लग जाएं। उन्होने कहा कि जनपद में आये दिन हत्याएं हो रही है, किसानों को सिंचाई के लिये पानी नही मिल पा रही है। अंधाधुन्ध बिजली कटौती से किसान परेशान है। आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को उखाड़ फेंकने का काम करेगी। बैठक का संचालन जिला महासचिव आदर्श यादव ने किया। बैठक में पूर्व सांसद रमेश चन्द बिन्द, पूर्व विधायक जगतम्बा सिंह पटेल, आशीष यादव, रविन्द्र बहादुर सिंह, मुन्नी यादव, सुरेन्द्र सिंह पटेल, रोहित शुक्ला लल्लू, कीर्ति कोल, आदर्श यादव, जैन कुशवाहा, दामोदर प्रसाद मौर्या, निराला कोल, भरत लाल बिन्द, झल्लू यादव, राणा प्रताप सिंह, शैलेष पटेल, सत्यप्रकाश यादव, सतीश मिश्रा, कौशिक कुमार कन्नौजिया, श्यामअचल यादव, जैनेन्द्र सिंह, सुभाष पटेल, सलीम बादशाह, गनेश केशरी, दुर्गा सिंह, सूर्यकान्त सिंह पटेल, रामजी मौर्य, रामगोपाल बिन्द आदि लोग मौजूद रहें।

मथुरा में महिला के ऊपर से गुजर गई पूरी ट्रेन

यात्रियों ने शोर मचाकर बचाई जान

मथुरा/एजेंसियां।

रेलवे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर दावा तो करता है, लेकिन जंक्शन पर उल्टा है। यहां छह महीने से बंद पड़े एफओबी के चालू न होने से यात्री एक से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने के लिए शॉटकट अपना रहे हैं। इसी के चलते सोमवार को एक महिला की जान पर बन आई। ट्रैक पार करते समय अचानक खड़ी मालगाड़ी चल दी। घटना के दौरान वहां उपस्थित अन्य यात्रियों ने शोर मचाकर महिला को नीचे लिटा दिया, नहीं तो जान चली जाती।

यह वाक्या जंक्शन पर सोमवार सुबह लगभग 11 बजे का है। प्लेटफार्म एक से दिल्ली से आगरा की तरफ आर्मी स्पेशल मालगाड़ी जा रही थी। कोहरे के कारण ट्रेनों की चाल धीमी पड़ी होने के कारण ट्रेन को सिग्नल नहीं मिला तो खड़ी थी, तभी प्लेटफार्म दो से एक नंबर पर आने के लिए एक महिला ट्रैक पार करके बाहर निकल रही थी। इसी बीच ट्रेन चल दी, तभी वहां मौजूद यात्रियों ने शोर मचाकर महिला को नीचे लिटा दिया। जिसके चलते महिला की जान बच सकी। रेलवे अधिकारियों ने ट्रेन को रोककर महिला को बाहर निकाला। इस दौरान महिला वहां से चली गई। पीआरओ प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि महिला गाड़ी के नीचे आ गई थी, कोई चोट नहीं आई है। महिला कौन थी और कहां से आई थी इसकी जानकारी नहीं हो सकी है। जंक्शन के प्लेटफार्म एक पर बना पुराना एफओबी 6 महीने से बंद पड़ा है। ऐसे में नया एफओबी (फुट ओवरब्रिज) का रास्ता लंबा होने के चलते यात्री ट्रैक को पार करके प्लेटफार्म दो पर पहुंचते हैं। कई बार रेलवे अधिकारियों से यात्रियों ने शिकायत दर्ज की, लेकिन अभी तक यह शुरू नहीं हो सका।

आज मिर्जापुर, सोनभद्र, प्रयागराज फतेहपुर समेत अन्य जिलो में भीषण ठंड का आरेंज अलर्ट

लखनऊ /एजेंसियां।

प्रदेश में गलन भरी ठंड और घने कोहरे का सिलसिला अगले तीन से चार दिनों तक ऐसे ही जारी रहने वाला है। वहीं यूपी में 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही बर्फीली पछुआ हवा लोगों को बेहाल कर रही है। मौसम विभाग का कहना है कि यूपी में फिलहाल तीन से चार दिन ठिठुरन भरी ठंड और घने कोहरे का सितम यूं ही जारी रहेगा।

मौसम विभाग की ओर से मंगलवार से बुधवार तक के लिए प्रदेश के 20 जिलों में भीषण ठंड और 32 जिलों में अत्यधिक घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पिछले कई दिनों से जारी गलन और ठिठुरन भरी ठंड से अब लोगों की रोजमर्रा के काम में दुश्वारियां हो रही हैं। मंगलवार को प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में घना कोहरा छाया रहा। वार-णसी, गोरखपुर और कुशीनगर समेत कई इलाकों में दृश्यता 50 मीटर से भी कम जा पहुंची और वाहनों की आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में फिर से बदलाव के संकेत हैं। प्रदेश में ठिठुरन भरी ठंड और मध्यम से घने कोहरे का दौर अगले तीन-चार दिनों तक ऐसे ही जारी रहेगा। बुधवार को बांदा, चित्रकूट, कौशाम्बी, प्रयागराज, फतेहपुर, सोनभद्र, मिर्जापुर, संत रविदास नगर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर के साथ ही कई अन्य जिलों में शीत दिवस (कोल्ड डे) की चेतावनी है। इसके अलावा आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, बाराबंकी, अयोध्या, अम्बेडकरनगर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर व आसपास के इलाकों में घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

भाजपा ने अफसरों के माध्यम से संभल में कराई हिंसा: अखिलेश यादव

लखनऊ /एजेंसियां।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि भाजपा ने संभल में जानबूझकर अफसरों के माध्यम से हिंसा करवाई और मासूम लोगों पर अत्याचार किया। सपा का प्रतिनिधिमंडल जब संभल गया तो उसे रोका गया। वहां जाने नहीं दिया गया।

आखिर सरकार क्या छिपाना चाहती थी। उन्होंने कहा कि इस घटना के माध्यम का माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा दरार वादी पार्टी है। इन लोगों का इंसानों के जीवन से कोई लेना देना नहीं है। भाजपा हृदयहीन पार्टी है। इसके पहले, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने संभल हिंसा से संबंधित रिपोर्ट मीडिया के सामने रखी। उन्होंने कहा कि संभल में मस्जिद का सर्वे कराने को लेकर जानबूझकर तनाव पैदा किया। सर्वे करने जाने वाली टीम में भाजपा के लोग शामिल थे और जब विवाद बढ़ गया तो भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल नहीं किया गया बल्कि सीधे गोली चला दी गई। इस घटना से प्रदेश का सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास किया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के दो पहिये हैं एक अन्याय और दूसरा भ्रष्टाचार। ये लोग भ्रष्टाचार के मामलों को दबाने के लिए प्रदेश में जगह-जगह हिंसा कर रहे हैं। अधिकारी अन्याय की सभी सीमाओं को पार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि यूपी में हर दिन 50 हजार गायें काटी जा रही हैं और जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। भाजपा के यही विधायक कह रहे हैं कि आज अगर प्रदेश में भाजपा का मुख्यमंत्री न होता तो वो सीएम आवास में घुस जाते। मैं यही कहूंगा कि योगी आदित्यनाथ भाजपा के नहीं हैं। मैं उनसे यही कहूंगा कि वो आएं और सीएम आवास में घुस जाएं। सपा अध्यक्ष ने योगी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि मिल्कीपुर में सबसे साफसुथरा चुनाव होने जा रहा है। मीडिया के लोगों को भी वहां कैमरा लेकर जाना चाहिए ताकि पता चल सके कि वहां कैसे चुनाव होते हैं। अभी जब नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए थे तो देखा गया था कि प्रशासन की मदद से लोगों को वोट नहीं करने दिया गया। बूथों पर पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया और वोट नहीं करने दिया गया। अखिलेश ने कहा कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे को लेकर मुख्यमंत्री ने समाजवादियों को बदनाम किया, लेकिन एक्सप्रेस-वे क्या होता है वह जानते ही नहीं है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का क्या हाल बना दिया है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे में भ्रष्टाचार का गोरखधंधा चल रहा है। लूट हो रही है। कहा गया था कि 2022 में पूरा हो जाएगा। 2024 में जिस 91 किलोमीटर सड़क की लागत 6 हजार करोड़ रूपये थी। अब उसकी लागत 7 हजार करोड़ से ज्यादा की हो गयी है। अधिकारी मनमर्जी कर रहे हैं। लूट चल रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर हैं। सरकार कोई निवेश नहीं ला पा रही है। सरकार कहती है कि भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था है तो बताए कि जिन अस्सी करोड़ लोगों को फ्री राशन दिया जा रहा है। उनकी प्रति व्यक्ति आय क्या है? नौकरी क्यों नहीं मिल रही है? जिस चालीस लाख करोड़ के निवेश की बात हो रही थी वह कहां है। जब दूसरे प्रदेश नई औद्योगिक नीतियों के साथ इन्वेस्ट मीट कर रहे हैं तो यूपी में पुरानी नीति के साथ कौन निवेश करेगा। दुःख की बात है, प्रधानमंत्री जी यूपी के 40 लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट एएमयू को भूल गए, अब दूसरे प्रदेशों में निवेश की अपील कर रहे हैं।

प्रदेश की नौकरशाही में बड़ा उलटफेर

बाल कृष्ण त्रिपाठी को विंध्याचल के मंडलायुक्त की मिली जिम्मेदारी

लखनऊ /एजेंसियां।

प्रदेश में मंगलवार को एक बार फिर प्रशासनिक स्तर पर फेरबदल किया गया। यहां 11 आईएएस अफसरों को इधर से उधर किया गया है। इसमें कई मंडलों के आयुक्त शामिल हैं। आलोक कुमार-।। को प्रमुख सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के प्रभार से अवमुक्त किया गया है। लीना जौहरी को प्रमुख सचिव, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के प्रभार से अवमुक्त किया गया है। अमित गुप्ता को प्रमुख सचिव, स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन तथा महानिरीक्षक, निबंधन की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा मनीष चौहान को प्रमुख सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग और डॉ. मुथुकुमारस्वामी बी. को सचिव, वित्त विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। के. विजयेंद्र पांडियन को कानपुर मंडलायुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। बाल कृष्ण त्रिपाठी को विंध्याचल के मंडलायुक्त की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा डॉ रूपेश कुमार को महानिरीक्षक, निबंधन के प्रभार से अवमुक्त कर दिया गया है। विवेक को आजमगढ़ का मंडल आयुक्त नियुक्त किया गया है। अजीत कुमार को चित्रकूट धाम का मंडल आयुक्त और नरेंद्र प्रसाद पांडेय को सचिव, नियोजन विभाग तथा महानिदेशक, अर्थ एवं संख्या की जिम्मेदारी दी गई है।

संपादकीय

नये वायरस की दस्तक

पिछले दिनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर चीन में नया वायरस फैलने की आधी-अधूरी खबरें मिल रही थीं ,सोमवार तक उसी तरह के तीन मामले भारत में भी देखे गए। दो मामले बेंगलूरु में और एक मामला गुजरात में। छोटे बच्चों में फैलने वाले इस वायरस को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की एडवाइजरी बता रही है कि घबराने की जरूरत नहीं है। यह वायरस दुनिया के कई देशों में पहले से ही मौजूद रहा है। हालांकि, यह कहना मुश्किल है कि चीन में फैल रहा वायरस कितना घातक है। केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सलाह दी जा रही है कि सावधान रहने की जरूरत है, घबराने की नहीं। लोग उसी गाइडलाइन का पालन करें जो कोविड के वक्त 'क्या करें और क्या न करें' के रूप में जारी की गई थी। दरअसल, चीन में ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस यानी एचएमपीवी के मामलों में वृद्धि की खबरों ने पूरी दुनिया में चिंता बढ़ाई है। हालांकि, दुनिया के चिकित्सा विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह सांसों से जुड़ा सामान्य वायरस है, जो सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां पैदा करता है। खासकर बच्चे व बुजुर्ग इससे ज्यादा प्रभावित होते हैं। लेकिन चिंता तब पैदा हो सकती है जब पता चले कि चीन के उत्तरी इलाकों में फैलने वाला वायरस म्यूटेशन से गंभीर बन गया है। हालांकि, चीनी नीति-नियंताओं की दलील रही है कि उत्तरी गोलार्ध में ठंड के मौसम में सांस की नली का संक्रमण आम बात है। फिर भी बताते हैं कोरोना का स्रोत माने जा रहे चीन में इस वायरस को लेकर गंभीरता देखी जा रही है और उसके नियंत्रण के लिये चीन के नेशनल डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेन्शन संस्थान की देखरेख में विशेष निगरानी सिस्टम बनाया गया है। चीन सरकार ने दिसंबर के तीसरे सप्ताह में उत्तरी प्रांतों में चौदह साल से कम उम्र के बच्चों के इस वायरस से पीड़ितों की संख्या में वृद्धि के बाद यह कदम उठाया था। हालांकि, एचएमपीवी के स्रोत के बारे में अभी कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है। दरअसल, यह संक्रामक बीमारी दुनिया के विभिन्न देशों में किसी न किसी रूप में विद्यमान रही है। जिसमें खांसी व छींक से निकलने वाले थूक के कणों से यह वायरस फैलता है। ऐसे में संक्रमण से बचने के लिये हाथ मिलाने, दूसरों को छूने व गले मिलने से परहेज करने की सलाह दी जाती है। यदि हम सावधानी न बरतें तो वायरस हमें संक्रमित कर सकता है। कोरोना वायरस से बचाव की ही तरह खांसने -छींकने पर कपड़ा या रूमाल रखने की सलाह दी जाती है। निरंतर कपड़े को बदलने तथा नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने की भी सलाह दी जाती है। जुकाम लगने पर मास्क पहनने तथा घर पर आराम करने की भी सलाह दी जाती है। साथ ही गुनगुना पानी पीने तथा पौष्टिक आहार की सलाह भी दी जाती है। निश्चित रूप से दमा व सांस की अन्य बीमारियों व दूसरे गंभीर रोगों से पीड़ितों के लिये यह वायरस कुछ परेशानी बढ़ा सकता है। लेकिन इसमें अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति कम ही आएगी। चिकित्सक के परामर्श से ही खांसी- बुखार की दवा लेने की सलाह दी जाती है। बहरहाल, चिकित्सा विशेषज्ञ इस वायरस से भयभीत न होने की सलाह लगातार दे रहे हैं। उनका कहना है कि इस वायरस की खोज इस सदी के पहले ही वर्ष में हुई थी। वायरस का प्रसार चिड़ियाओं के जरिये हुआ था, जो इंसान को संक्रमित कर सकता था। इसकी दशकों से मौजूदगी के चलते लोगों में इसको लेकर एक स्तर तक रोग प्रतिरोधक क्षमता मौजूद है। यह एक सामान्य फ्लू की तरह बताया जा रहा है। हालांकि, इस वायरस के उन्मूलन के लिये कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। इसके विपरीत कोरोना ने इंसान को पहली बार संक्रमित किया था, कालांतर जिसने महामारी का रूप ले लिया था। वैसे दुनिया में चिंता इस वजह से है कि यह वायरस उसी चीन में फिर सामने आया, जहां से कोरोना का वायरस पूरी दुनिया में फैला था। हालांकि, सर्दियों के मौसम में आमतौर पर खांसी-जुकाम के मामले सामने आते हैं, लेकिन फिर भी सावधान रहने की जरूरत है।

> केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा सलाह दी जा रही है कि सावधान रहने की जरूरत है, घबराने की नहीं। लोग उसी गाइडलाइन का पालन करें जो कोविड के वक्त 'क्या करें और क्या न करें' के रूप में जारी की गई थी। दरअसल, चीन में ह्यूमन मेटा न्यूमो वायरस यानी एचएमपीवी के मामलों में वृद्धि की खबरों ने पूरी दुनिया में चिंता बढ़ाई है। हालांकि, दुनिया के चिकित्सा विशेषज्ञ कह रहे हैं कि यह सांसों से जुड़ा सामान्य वायरस है, जो सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां पैदा करता है। खासकर बच्चे व बुजुर्ग इससे ज्यादा प्रभावित होते हैं। लेकिन चिंता तब पैदा हो सकती है जब पता चले कि चीन के उत्तरी इलाकों में फैलने वाला वायरस म्यूटेशन से गंभीर बन गया है। हालांकि, चीनी नीति-नियंताओं की दलील रही है कि उत्तरी गोलार्ध में ठंड के मौसम में सांस की नली का संक्रमण आम बात है। फिर भी बताते हैं कोरोना का स्रोत माने जा रहे चीन में इस वायरस को लेकर गंभीरता देखी जा रही है और उसके नियंत्रण के लिये चीन के नेशनल डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेन्शन संस्थान की देखरेख में विशेष निगरानी सिस्टम बनाया गया है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं

नेताओं की बढ़ती सम्पत्ति गरीबों को मुंह चिढ़ा रही है

योगेंद्र योगी

> अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52 .59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7 .3 गुना है।

भारत में 12.9 करोड़ लोगों को एक वक्त का खाना भी ठीक तरह से मयस्सर नहीं होता और नेताओं की सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती सम्पत्ति इनकी गरीबी का उपहास उड़ा रही है। इस पर भी तुर्रा यह है कि देश के नेता आम जनता के लिए काम करते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्रियों की इस सम्पत्ति का खुलासा चुनाव आयोग में दिए गए सम्पत्ति के ब्यौरे से हुआ है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि जो जानकारी दी है, वह सही या कुछ छिपाया गया है। दरअसल देश के नेता चुनाव आयोग को वही जानकारी देते हैं, जिसे वे आयकर रिटर्न में भरते हैं। देश में आयकर रिटर्न भरने वाले भी आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के जाल में फंसते रहे हैं। सिर्फ रिटर्न फाइल कर लेने मात्र से किसी की सम्पत्ति या आय दूध की धुली नहीं हो जाती। यदि ऐसा ही होता तो देश के सैकड़ों नेता ईडी, सीबीआई और आयकर के लपेटे में नहीं आते। हालांकि इनके जाल में फंसने के बाद नेता यही राग अलापते रहे हैं कि विपक्ष में होने के कारण

उन्हें जानबूझ कर फंसाया गया है। विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारुढ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं। चन्द्रबाबू नायडू और नीतिश कुमार के समर्थन से बहुमत में केंद्र की भाजपा सरकार में क्या इतना साहस है कि इनके दलों के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई कर सके। क्या यह संभव है कि इन दोनों दलों के नेताओं के भ्रष्टाचार की जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को नहीं हो। यही वजह है कि जांच एजेंसियों पर दुर्भावना से कार्रवाई करने के आरोप लगते रहे हैं। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि जिन विपक्षी नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया, उनके मामले रफा-दफा कर दिए गए। 2014 से 2022 तक ईडी के निशाने पर रहे करीब 95 फ़ीसदी यानी 115 नेता विपक्ष से थे। हालांकि ये आंकड़े 2022 तक के ही हैं। इसके बाद 2023 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे और इस दौरान विपक्षी दलों ने अलग-अलग राज्यों पर हुई ईडी, सीबीआई की छापेमारी को राजनीति से प्रेरित बताया था। वर्ष 2004-14 में 26 नेताओं से ईडी ने पूछताछ की थी। इनमें करीब 54 फ़ीसदी यानी 14 नेता विपक्ष से थे। यह संभव है कि मुख्यमंत्रियों और दूसरे नेताओं ने सम्पत्ति व्यवसायों के जरिए अर्जित की हो, या फिर पुश्तैनी हो। इसके बावजूद इतनी भारी सम्पत्ति होना देश में गरीबी की जीवन रेखा से नीचे रहने वालों को मुंह तो चिढ़ाती है। जबकि नेता आम लोगों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। वर्ष 2023 बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट में पाया गया है कि दुनिया के सभी गरीब लोगों में से एक तिहाई से अधिक दक्षिण एशिया में रहते हैं- जो लगभग 12.9 करोड़ लोग हैं। भारत इस संख्या में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो अत्यधिक गरीबी में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। विश्व बैंक अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी को परिभाषित करता है, जिसके अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 डॉलर की दर से अत्यधिक गरीबी तय की जाती है, जबकि 3.65 डॉलर निम्न-मध्यम आय श्रेणी में आता है, तथा 6.85 डॉलर उच्च-मध्यम आय श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है। वैश्विक निर्धारित गरीबी रेखा 3.65 डॉलर प्रति व्यक्ति है। भारत का योगदान वैश्विक गरीबी दर में मामूली वृद्धि के 40 प्रतिशत के बराबर है, जो 23.6 प्रतिशत से बढ़कर 24.1 प्रतिशत हो गई है। भारत में गरीबी दर मिटाने के मामले में केरल सबसे आगे है। केरल में सिर्फ़ 0.71 प्रतिशत आबादी गरीब है। वहीं, बिहार, झारखंड, और उत्तर प्रदेश में गरीबी दर सबसे ज़्यादा है। बिहार में 51.91 प्रतिशत, झारखंड में 42.16 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत आबादी गरीबी में रहती है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 के मुताबिक, भारत को 127 देशों में 105वां स्थान मिला। भारत, अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार, और बांग्लादेश से भी पीछे है। भारत में भुखमरी की वजह से अक्सर मौत भी हो जाती है। भुखमरी के कारण बच्चों और वयस्कों में कुपोषण, बौनापन, और दुर्बलता हो सकती है। भुखमरी सिर्फ़ भोजन तक सीमित नहीं है, यह सरकार की ज़रूरतमंद लोगों की मदद करने में विफलता को दर्शाता है। भारत में भुखमरी की समस्या मुख्य रूप से बिहार, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान, और उत्तर प्रदेश में है। इन राज्यों में से, बिहार और उत्तर प्रदेश में भारत की कुल भूखी आबादी का एक तिहाई हिस्सा है। भारत में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जिसके विभाग को सौ प्रतिशत भ्रष्टाचार से मुक्त कहा जा सकता है। राज्यों में चाहे किसी भी दल की सरकारें हों, हर पार्टी सत्ता में आने के बाद यही दावा करती है कि भ्रष्टाचार को जड़मूल से मिटाया जाएगा। सत्ता में आते ही यह वादा हवा हो जाता है। जब कभी कोई भ्रष्ट कार्मिक पकड़ा जाता है, तब सरकार यही दावा करती है कि किसी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा, किन्तु यह दावा कभी नहीं करती कि जिस विभाग का आरोपी पकड़ा गया है, वह विभाग अब पूरी तरह से भ्रष्टाचार से मुक्त हो चुका है।

दृष्टि कोण

अपने ही सांसदों का विश्वास खो बैठे थे ट्रूडो

जस्टिन ट्रूडो के अच्छे दिन जाने वाले हैं। लिबरल पार्टी के नेता और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने अपने इस्तीफे की घोषणा कर दी। उनकी कुर्सी संभालने वाले का नाम फ़ाइनल होने तक वे पद पर बने रहेंगे। बुधवार को राष्ट्रीय कॉकस की बैठक से पहले उन्होंने अपनी बची-खुची इज्जत बचा ली। ट्रूडो एक विफल प्रधानमंत्री साबित हो चुके हैं। उनकी वजह से लिबरल पार्टी को चुनाव में मतदाताओं के बीच उतरना मुश्किल साबित हो रहा है। अब उस चेहरे की तलाश है, जिसे आगे कर आम चुनाव लड़ा जाये। ट्रूडो ने वित्त मंत्री डोमिनिक लेब्लांक से चर्चा की, कि क्या वह अंतरिम नेता और प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने के लिए तैयार होंगे? डोमिनिक लेब्लांक की तरफ से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि वो इस ज़िम्मेदारी को संभालने जा रहे हैं। लिबरल पार्टी को नेतृत्व देने के वास्ते जो संभावित दावेदार हैं, उनमें क्रिस्टिया फ्रीलैंड को भी आगे किया जा रहा है। पूर्व आवास मंत्री सीन फ्रेजर, विदेश मंत्री मेलानी जोली, नवाचार मंत्री फ्रांस्वा-फिलिप शैम्पेन, परिवहन मंत्री अनीता आनंद, पूर्व केंद्रीय बैंकर मार्क कार्नी, और पूर्व बी.सी. प्रीमियर क्रिस्टी क्लार्क जैसे नाम भी सामने आने लगे हैं। कनाडा की सत्ता के गलियारे में भूचाल की वजह सर्वेक्षण भी रहे हैं। पिछले एक साल के सर्वेक्षणों से पता चला है, कन्जर्वेटिव्स को सत्तारूढ़ लिबरल्स के मुक़ाबले दोहरे अंकों की बढ़त हासिल है। गुज़रे शुक्रवार को जारी 'एंगस रीड सर्वेक्षण' से पता चलता है, कि जस्टिन ट्रूडो के नेतृत्व में, लिबरल पार्टी को केवल 13 प्रतिशत मतदाताओं का समर्थन प्राप्त होना है, लेकिन यदि कोई नया नेता आता है, तो यह संख्या बदल भी सकती है। उदाहरण के लिए, वित्तमंत्री पद से इस्तीफा दे चुकीं सुश्री फ्रीलैंड यदि सत्ता संभालती हैं, तो 21 प्रतिशत मतदाता लिबरल पार्टी के लिए मतदान करेंगे, जो सर्वे के ज़रिये खंगाले गए लीड उम्मीदवारों में सबसे अधिक संख्या है। 'एंगस रीड' ने 27 दिसंबर से मंगलवार 31 दिसम्बर, 2024 तक, 2,406 कनाडाई वयस्कों के बीच ऑनलाइन सर्वेक्षण किया, जो एंगस रीड फ़ोरम के सदस्य हैं। इसके परिणाम के हवाले से क्रिस्टिया फ्रीलैंड को 'फ्रंट रनर' समझा जा रहा है। कनाडा में संसदीय चुनाव 20 अक्तूबर, 2025 को निर्धारित है। लेकिन, ट्रूडो की सत्ता में सहयोगी रही 'एनडीपी' के समर्थन वापस लेने का मतलब है कि चुनाव शायद बहुत पहले हो जाएं। यदि, चुनाव पहले कराना है, तो संसद की अनुमति चाहिए। कई लिबरल सांसद वित्त मंत्री के रूप में क्रिस्टिया फ्रीलैंड के प्रदर्शन से नाखुश थे, और उन्हें बदलने की वकालत कर रहे थे। क्रिस्टिया के इस्तीफे के बाद, बंदूकें ट्रूडो के विरुद्ध तन गईं। पिछले कुछ हफ्तों में क्षेत्रीय कॉकस की बैठकों, और लिबरल सांसदों की प्रतिक्रियाओं को देखकर लगने लगा है, कि प्रधानमंत्री ट्रूडो के पास अब टीम नहीं है। ट्रूडो यह कहने की हालत में नहीं हैं, कि उनकी छवि ख़राब करने में भारत और चीन ने साज़िश रची है। कनाडा की संसद में दो सदन हैं। निचला सदन, 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में 338 सदस्य हैं, जो एकल सीट वाले निर्वाचन क्षेत्रों से अधिकतम चार वर्ष के कार्यकाल के लिए चुने जाते हैं। दूसरा है सीनेट, जिसके 105 सदस्य प्रधानमंत्री की सलाह पर गवर्नर जनरल द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। संसद में आम तौर पर कई पार्टियों का प्रतिनिधित्व दिखता है, लेकिन कनाडा में दो प्रमुख राजनीतिक पार्टियां, 'लिबरल' और 'कंज़र्वेटिव' का दबदबा बना रहता है। ट्रूडो के बुरे दिन अक्तूबर, 2024 से शुरू हुए, जब उन्हीं की पार्टी के दो दर्जन सांसदों ने उनके इस्तीफे की मांग कर दी। क्रिसमस आते-आते पार्टी के अंदर विप्लवी सांसदों की संख्या 70 से ऊपर पहुंच गई। यह संकट और गहराया, जब क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने वित्त मंत्री, और उप प्रधानमंत्री के पद से अचानक इस्तीफा दे दिया था। क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने उस दिन पद छोड़ा, जिस दिन उन्हें अपना आर्थिक और राजकोषीय अपडेट देना था। जीएसटी अवकाश और 250 डॉलर की छूट जैसे खर्च के हथकंडों पर उन्होंने चिंता व्यक्त की, और संभावित ट्रम्प टैरिफ से निपटने में गंभीरता की कमी का हवाला दिया। इस काण्ड के बाद से अटलांटिक, ओंटारियो, और क्यूबेक कॉकस ने संकेत दिया है, कि उनके अधिकांश सदस्य अब ट्रूडो के शीर्ष पर बने रहने का समर्थन नहीं करते हैं। हाउस ऑफ कॉमन्स में ट्रूडो की पार्टी लिबरल्स के पास 153 सीटें हैं, जिनमें से 131 सीटें इन तीन क्षेत्रों में हैं। कनाडा की पॉलिटिकल कहानी का दूसरा पहलू है, भारतीय मूल के वोटर। कनाडा के सिखों का राजनीतिक दबदबा असाधारण है, क्योंकि वे ओंटारियो और ब्रिटिश कोलंबिया में लगभग दो दर्जन संघीय क्षेत्रों में केंद्रित हैं।

कुछ अलग

एक और खोजी पत्रकार शहीद हुआ

33 वषाय मुकेश चंद्राकर 1 जनवरी 2025 की रात से ही अपने घर से लापता थे। मुकेश स्वतंत्र पत्रकार के तौर पर एनडीटीवी के लिए काम करते थे, इसके अलावा वो यूट्यूब पर एक लोकप्रिय चैनल बस्तर जंक्शन का भी संचालन करते थे, जिसमें वे बस्तर की अंदरूनी खबरें प्रासारित करते थे। बस्तर में माओवादियों की ओर से अपहृत पुलिसकर्मियों या ग्रामीणों की रिहाईं में मुकेश ने कईं बार महत्वपूर्ण भूमिका निभाईं थी। प्रोस क्लब ऑफ इंडिया ने एक बयान जारी कर मुकेश चंद्राकर की हत्या की निदा की और मांग की है कि निाति समय के भीतर जांच पूरी की जाए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाईं की जाए। बस्तर के आईंजी पुलिस सुंदरराज पी ने कहा, पत्रकार मुकेश चंद्राकर के भाईं की शिकायत के बाद से ही पुलिस की विशेष टीम जांच कर रही थी। शुव्रवार की शाम हमने चट्टान पारा बस्ती में ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के परिसर में एक सैप्टिक टैंक से मुकेश चंद्राकर का शव बरामद किया है। इस मामले से संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मुकेश के मोबाइल के अंतिम लोकेशन ओर फोन काल के आधार पर जांच चल रही है। इसी दौरान ठेकेदार सुरेश चंद्राकर की ओर से अपने मजदूरों के लिए बनाए गए आवासीय परिसर में पुलिस ने खोजबीन शुरू की तो उन्हें एक ताजा वं्रीट की ढलाईं नजर आईं। पता चला कि यह पुराना सैप्टिक टैंक है, जिसके ढक्कन को बंद करके दो दिन पहले ही वं्रीट की ढलाईं की गईं है। पुलिस ने शव के आधार पर उस सैप्टिक टैंक को तोड़ा तो उन्हें पानी के भीतर पत्रकार मुकेश चंद्राकर का शव मिला। उनके शर पर गहरी चोट थी। यूकेश चंद्राकर के बड़े भाईं और टीवी पत्रकार मुकेश चंद्राकर ने बताया कि मुकेश चंद्राकर बुधवार (1 जनवरी 2025) की शाम को घर से लापता हुए थे। लेकिन घरवालों को अगली सुबह पता चला। शुरू में तो यूकेश ने सोचा कि उनके भाईं किसी खबर के लिए आसपास के किसी इलाके में चले गए होंगे। लेकिन जब उनका फोन बंद मिला तो उन्हें चिन्ता हुईं। मुकेश के अनुसार मैं और यूकेश अलग-अलग रहते हैं। यूकेश ने कहा, ठेकेदार सुरेश चंद्राकर की ओर से बनवाईं गईं सड़क के निर्माण में भ्रष्टाचार की एक खबर एनडीटीवी पर प्रासारित हुईं थी जिसके बाद सरकार ने इस मामले की जांच की घोषणा कर दी थी। बताया जा रहा है कि ठेकेदार सुरेश चंद्राकर इस खबर के छपने से बहुत परेशान के और उन्होंने मुकेश चंद्राकर को अपने घर मिलने के लिए बुलाया। सोशल मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार पहले तो मुकेश मुलाकात टालता रहा पर अततः पहली जनवरी शाम को सुरेश चंद्राकर से मिलने उनके घर गया। वहीं से वह गायब हो गया और फिर 3 जनवरी को सुरेश चंद्राकर द्वारा बनाए गए मजदूरों के लिए आवासों में बने एक सैप्टिक टैंक से उनका शव बरामद हुआ। एक और खोजी पत्रकार अपनी डूाटी निभाते हुए शहीद हुआ। हम मुकेश चंद्राकर को अपनी श्रद्धांजलि देते हैं और उनकी खोजी पत्रकारिता को सलाम करते हैं। उम्मीद करते हैं कि पुलिस हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करेगी और उन्हें अदालत से कड़ी से कड़ी सजा दिलवाएगी। राज्य सरकार से भी अनुरोध है कि यह इस मामले को राजनीति से दूर रखे और मुकेश चंद्राकर और उनके परिवार को न्याय दिलवाने में पूरी मदद करे।

देश दुनिया से

विदेशी निवेश की संभावनाएं और चुनौतियां

हाल ही में 5 जनवरी को वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने कहा कि देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का प्रवाह बढ़ रहा है, खास तौर से पश्चिम एशिया, जापान, यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के निवेशक भारत को सबसे महत्वपूर्ण निवेश गंतव्य के तौर पर मान्यता दे रहे हैं। लेकिन नए वर्ष 2025 में एफडीआई बढ़ाने के लिए यह जरूरी होगा कि भारत विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाने, नियामक बाधाओं को हटाने, बुनियादी ढांचे के विकास, व्यापार-कारोबार में बेहतरी, निवेश की क्षेत्रीय सीमाओं को उदार बनाने, नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, नौकरशाही संबंधी बाधाओं को कम करने और कॉर्पोरेट को उनके विवादों को सुलझाने में मदद करने के लिए न्यायिक परिवेश बेहतर बनाने को आगे बढ़े। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह अप्रैल, 2000 से सितंबर, 2024 तक 1000 अरब डॉलर को पार कर गया है। खासतौर से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से सितंबर 2024 के दौरान 42.1 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। यह निवेश 60 सेक्टर, 31 राज्य और केंद्रशासित क्षेत्रों में रहा है। खास बात यह भी है कि वर्ष 2014 के बाद से अब तक पिछले 10 वर्षों में 667.4 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। भारत के आर्थिक विकास की यात्रा में एफडीआई का यह विशाल आकार एक बड़ी उपलब्धि है। यदि हम भारत में एफडीआई के स्रोत देशों की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत में एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत मॉरीशस रहा है। मॉरीशस ने कुल विदेशी निवेश में 25 प्रतिशत का योगदान दिया है। सिंगापुर 24 प्रतिशत एफडीआई के साथ दूसरे स्थान पर है। अमेरिका का 10 प्रतिशत निवेश के साथ तीसरा स्थान है। इसके अलावा बड़े निवेशक देशों में नीदरलैंड्स, जापान और ब्रिटेन शामिल हैं। भारत में जिन क्षेत्रों में विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, उनमें आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, टेलीकम्युनिकेशंस, ट्रेडिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंसल्टेंसी सहित सर्विस सेक्टर प्रमुख सेक्टर हैं। निस्संदेह, देश को विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बनाने में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक रही है और इस चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी यह करीब 7 फीसदी रह सकती है। भारत में तेजी से विदेशी निवेश आकर्षित होने के कई कारण हैं। भारत विश्व अर्थव्यवस्था में नई शक्ति प्राप्त कर रहा है। चार वैश्विक रुझान जनसांख्यिकी, डिजिटलीकरण, डीकार्बोनाइजेशन और डीग्लोबलाइजेशन न्यू इंडिया के पक्ष में हैं। भारत में मजबूत राजनीतिक नेतृत्व है। जिन सुधारों से विदेशी निवेश आकर्षित हुए हैं, उनमें मेक इन इंडिया पहल, आर्थिक उदार नीतियां, जीएसटी, प्रतिस्पर्धी श्रमिक लागत और रणनीतिक प्रोत्साहन, कई सेक्टर में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, स्टार्टअप फंडिंग के लिए एंजेल टैक्स खत्म होना, विदेशी कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट टैक्स में कमी प्रमुख हैं। इतना ही नहीं, भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। देश में प्रतिभाशाली नई पीढ़ी की कौशल दक्षता, आउटसोर्सिंग और देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की चमकीली क्रयशक्ति के कारण विदेशी निवेश भारत की ओर तेजी से बढ़ने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन (अंकटाड) की वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट सहित विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत में उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए विगत 10 वर्षों में करीब 1,500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त कर दिया गया है। आर्थिक क्षेत्र में दिवालिया कानून जैसे सुधार किए गए हैं। बैंकिंग क्षेत्र में जोरदार सुधार करके मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद की मदद से अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया गया है। कानून के कई प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और एफडीआई के लिए नए रास्ते जैसे अभूतपूर्व कदमों से देश की ओर विदेशी निवेश का प्रवाह तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। निस्संदेह, वैश्विक स्तर पर सुस्त बाजारों और चीन की आर्थिक रफ्तार सुस्त होने के बीच भारत ने विदेशी निवेश प्राप्त करने का अब तक एक खास मुकाम हासिल किया है। विनिर्माता और निवेशक चीन का विकल्प तलाश रहे हैं और इस समय एशिया में अधिकांश निवेशकों को भारत से बेहतर कोई नहीं दिख रहा है। देश की अर्थव्यवस्था की चाल में लगातार सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) से अच्छा निवेश प्राप्त होने की बदौलत भारतीय शेयरों में तेजी दर्ज की जा रही है। देश में शेयर बाजार ने शानदार प्रदर्शन किया है। विदेशी निवेश की बदौलत भारत विश्व में नई परियोजनाओं की घोषणा करने वाला तीसरा देश बन गया है और अंतर्राष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए सरकार जिन रणनीतियों के साथ आगे बढ़ रही है, उससे देश में तेजी से विदेशी निवेश बढ़ रहा है। निश्चित रूप से बढ़ता मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश में एफडीआई की बड़ी ताकत बन गया है। मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में चीन दुनिया में पहले स्थान पर है। साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भारत 456 अरब डॉलर विनिर्माण मूल्य के साथ दुनिया में पांचवें स्थान पर है तथा अब नया विश्व मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर अग्रसर है। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनियाभर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। इस समय भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी पांचवीं अर्थव्यवस्था है। अब इसे तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और भारत को विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए उद्योगपतियों द्वारा अहम भूमिका निभाई जा रही है।

आप का नजरिया

ताकि बाल मन रहे सुरक्षित

निस्संदेह डिजिटल दौर ने बच्चों के जीवन को गहरे तक प्रभावित किया है। आज सोशल मीडिया युवाओं के संवाद का अभिन्न माध्यम बन गया है। लेकिन इसके साथ तमाम तरह के जोखिम भी जुड़े हैं, जिनसे किशोरों को बचाने की सख्त जरूरत है। भारत में वर्ष 2023 में लाए गए डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट के नियमों के तहत नाबालिगों के लिये सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिये माता-पिता या अभिभावकों की सहमति अनिवार्य है। निश्चिय ही यह बच्चों की सुरक्षा से जुड़ा एक सराहनीय कदम है। दुनिया के विभिन्न देशों में ऐसे कानून पहले से ही मौजूद हैं। यूरोपीय संघ के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन के लिये सोलह साल से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिये माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। वहीं यूएस चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट में 13 वर्ष के उपयोगकर्ताओं के लिये कड़े नियम लागू किए गए हैं। दरअसल, इन कानूनों का मकसद नाबालिगों को साइबर बुलिंग, शोषण व गोपनीयता के उल्लंघन से बचाना है। भारतीय कानून में भी इन नियमों का ध्यान रखा गया है। दरअसल, इन प्रावधानों की जरूरत इसलिए भी महसूस की जा रही है कि पूरी दुनिया में 58 फीसदी किशोर टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्मों के दैनिक उपयोगकर्ता हैं, जो नुकसानदायक सामग्री के संपर्क में आ सकते हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दिल्ली के एक व्यक्ति ने डिजिटल माध्यमों की खामियों का लाभ उठाते हुए सात सौ से अधिक महिलाओं को स्नैपचैट का उपयोग करके ब्लैकमेल करने का प्रयास किया था। इसी तरह इंस्टाग्राम पर धमकाने के बाद ब्रिटेन में एक किशोर की दुखद आत्महत्या ने सोशल मीडिया के मनोवैज्ञानिक प्रभावों की घातकता को बताया। दरअसल, भारत के प्रस्तावित नियम भी सोशल मीडिया कंपनियों को मजबूत उपायों के जरिये माता-पिता की सहमति से जवाबदेह बनाने का प्रयास ही है। जिससे अभिभावकों को अपने बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों में भागेदारी में मार्गदर्शन करने का अधिकार मिल सके। इन नियमों को फुलप्रूफ बनाने में एआई संचालित आयु सत्यापन, डिजिटल साक्षरता कार्यशालाएं आयोजित करने और इसके साथ ही पारदर्शी शिकायत तंत्र की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इन उपायों की नियमित निगरानी, हितधारकों की प्रतिक्रिया तथा वैश्विक मानकों के साथ तालमेल से इस ढांचे को प्रभावी बनाया जा सकेगा। निस्संदेह, इन नियमों के अनुपालन से भारत में बच्चों के लिये सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण बनाने के साथ ही वैश्विक प्रयासों में योगदान दिया जा सकता है। ऐसे वक्त में जब आज डिजिटल दुनिया से जुड़ाव अपरिहार्य है, बच्चों की सुरक्षा और भलाई को प्राथमिकता बनाना न केवल एक जिम्मेदारी है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। इस दिशा में स्थायी परिवर्तन के लिये माता-पिता, शिक्षक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के बीच बेहतर तालमेल बनाना वक्त की जरूरत है। साथ ही बच्चों को विवेकशील बनाने की दिशा में पहल की जानी चाहिए ताकि वे अपना भला-बुरा समझ सकें। इस दिशा में निगरानी करने वाली सरकारी एजेंसियों की सजगता भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के लिए बड़ी मुसीबत बनी टीटीपी, सेना के गोरखधंधों पर कसेगी लगाम

इस्लामाबाद। दुनिया में आतंकवाद को फैलाने वाला पाकिस्तान खुद अपने घर में इसे फैलने से नहीं रोक पाया। अब नौबत यह है कि आमने-सामने की जंग शुरू हो गई है। अब टीटीपी ने अपने लड़ाकों को नया फरमान जारी किया है। पाक सेना पर तो हमले जारी रखे जाएंगे। पाकिस्तान की सेना जितने भी गोरखधंधों से पैसा कमाती है वह भी नहीं बचेंगे। अभी तक तो टीटीपी सिर्फ पाकिस्तान की फौज को ही निशाना बना रही थी। अब उनके गोरखधंधों को भी निशाना बनाने की पूरी तैयारी कर चुकी है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक टीटीपी के प्रवक्ता ने एक बयान जारी करके अपने आतंकियों को सीधा फरमान जारी किया है। फरमान में कहा गया है कि जितने भी पाकिस्तान की सेना के व्यापारिक उपक्रम हैं, जिन्हें 'होल्डिंग कंपनियां' या 'ग्रुप्स' के तौर पर में चलाया जाता है, अब उन्हें भी निशाना बनाया जाएगा। टीटीपी की तरफ से उन लोगों को भी तीन महीने का अल्टीमेटम दिया है जो उनके साथ जुड़े है। धमकी में यह भी कहा गया कि तीन महीने में खुद के लिए कोई दूसरा काम तलाश लें। जितने भी मिलिट्री प्रोडक्ट पाकिस्तान की दुकानों में बेचे जाते हैं उन्हें भी सभी सामान को दो महीने में डिस्पोज करने की धमकी दी है। टीटीपी ने पाकिस्तानी फौज की तरफ से चलाए जाने वाले सभी तरह के बिजनेस को भी निशाना बनाने की धमकी दी है। यह कंपनियां ऑयल रिफाइनिंग, बैंकिंग, एविएशन, पावर जनरेशन, प्राकृतिक गैस, पवन ऊर्जा, प्रॉपर्टी डेवलपमेंट, बीमा, सीमेंट, फर्टिलाइजर, शुगर, अनाज, कपड़े, विज्ञापन, रेस्टोरेंट, अस्पताल, बैंक्वेट हॉल आदि जैसे कई क्षेत्रों में डील करती है। आर्मी वेलफेयर ट्रस्ट, फौजी फाउंडेशन, शाहीं फाउंडेशन, और डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटीज, अस्कारी बैंक, अस्कारी सिमेंट, ऑर्डिनेन्स फैक्ट्री, फौजी फूड, फौजी फर्टिलाइजर कंपनी, के माध्यम से फौज अरबो खरबों कमाती है। एक अनुमान के मुताबित इनकी कुल संपत्ति लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर के आस-पास मानी जाती है।

पाकिस्तान के फ्लैट में मिला जर्मन डिप्लोमैट का शव, मौत है या हत्या जांच शुरु

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में जर्मन डिप्लोमैट का शव फ्लैट में मिलने से हलचल मच गई। उनकी मौत कैसे हुई या फिर उनकी हत्या हुई है, इसकी जानकारी पाकिस्तान ने दुनिया को नहीं दी है। अब सवाल यह उठा रहा है कि आखिर पाकिस्तान में जर्मन डिप्लोमैट को किसने मारा जर्मन दूतावास में दूसरे सचिव के तौर पर काम करने वाले जर्मन राजनयिक सोमवार को इस्लामाबाद स्थित अपने फ्लैट में मृत मिले। जर्मन डिप्लोमैट का नाम थॉमस फील्डर था। वह इस्लामाबाद के डिप्लोमेटिक एन्क्लेव स्थित काराकोरम हाइट्स में रहते थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दूतावास के कर्मचारियों ने जर्मन डिप्लोमैट के शव को उनके फ्लैट में देखा। वे दो दिनों से ऑफिस नहीं आ रहे थे। इसकी वजह से दूतावास के कर्मचारी उनके घर पहुंचे थे जब उन्होंने डिप्लोमैट फील्डर के घर का दरवाजा तोड़ा तो अंदर उनका शव पड़ा था। उन्होंने इस्लामाबाद पुलिस को सूचित किया। बाद में शव को अस्पताल ले जाया गया।

अब अफगानिस्तान की सीमाओं से लगी जमीन पर कब्जा करना चाहता है चीन

काबुल। चीन अब अफगानिस्तान की सीमाओं से लगी जमीन पर अघोषित कब्जा करना चाहता है।

अफगानिस्तान को अपने जाल में फंसाने के लिए चीन ने एक और नया पासा फेंका है। पाकिस्तान और ईरान से निष्कासित होकर अफगानिस्तान आ रहे अफगानियों के लिए चीन आश्रय स्थल बनाएगा। इसके लिए चीन ने दूसरे देशों की सीमाओं से लगी जमीन मांगी। काबुल में चीनी राजदूत ने अफगानिस्तान को इसका आश्वासन दिया। अफगानिस्तान को अपने जाल में फंसाने के लिए चीन एक के बाद एक नई चाल चल रहा है। पहले उसने अफगानिस्तान को आर्थिक तौर पर मदद देने का वादा किया। उसके बाद उसने इसकी आड़ में अफगानिस्तान के कई प्राकृतिक संसाधनों के सौदे कर डाले। इसके बाद चीन ने अफगानिस्तान में अपने एक नागरिक को अफगानिस्तान की नागरिकता दिला दी। चीनी नागरिकों के अफगानी नागरिकता लेने का सिलसिला अभी भी जारी है। हाल ही में चीन ने अपनी एक नई चाल खेली। इसके तहत काबुल में चीन के राजदूत ने अफगान सरकार के उप प्रधानमंत्री अब्दुल सलाम हनाफी से मुलाकात की।

भारत के साथ लगातार तल्खी व ट्रम्प की चुनावी जीत ने ट्रूडो के 9 साल का शासन खत्म किया

ओटावा, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने लिबरल पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद से सोमवार को इस्तीफा दे दिया। लिबरल पार्टी के नए नेता चुने जाने तक ट्रूडो प्रधानमंत्री बने रहेंगे। 2015 में 44 साल की उम्र में प्रधानमंत्री बने ट्रूडो अपनी नीतियों और फैसलों के कारण अपने ही देश में लगातार अलोकप्रिय हो रहे थे, जिसके कारण लिबरल पार्टी के भीतर भी उनपर इस्तीफे दबाव था। इसने ट्रूडो के 9 वर्षों के शासनकाल के अंत का रास्ता साफ कर दिया।

ट्रूडो-ट्रम्प के रिश्ते

20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रम्प की अमेरिका में दोबारा ताजपोशी होगी, उससे पहले ट्रूडो ने इस्तीफे की घोषणा की। ट्रम्प के पिछले कार्यकाल के दौरान भी ट्रूडो के साथ उनके रिश्ते खराब थे जबकि इस बार चुनावी जीत के बाद ट्रम्प ट्रूडो पर लगातार हमलावर थे। उन्होंने कनाडा पर 25 फीसदी टैरिफ की धमकी दी है। ट्रम्प कई बार ट्रूडो को कनाडा का गवर्नर बताते हुए तंज कसते रहे हैं।

ट्रूडो की जगह कौन

लिबरल पार्टी के नेता के रूप में ट्रूडो के इस्तीफे के बाद चर्चा तेज है कि उनकी जगह कौन लेगा। इसी साल अक्टूबर में कनाडा में चुनाव होने वाले हैं। जस्टिन ट्रूडो ने अपने पद और पार्टी नेता के रूप में इस्तीफे की घोषणा के साथ अगले चुनाव में अपनी दावेदारी को खारिज करते हुए साफ कर दिया कि वो कनाडा में लोगों के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प नहीं हो सकते हैं। ऐसे में ट्रूडो के जगह जिन नेताओं के नाम चर्चाओं में हैं उनमें पूर्व उपप्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड, मार्क कार्नी, कनाडा की विदेश मंत्री मेलनी जोली के नाम शामिल हैं।

ट्रूडो के जाने से भारत से रिश्ते सुधरने की उम्मीद

ट्रूडो के इस्तीफे के साथ भारत-कनाडा के लगातार बदतर हो रहे रिश्तों के भी दोबारा पटरी पर आने की उम्मीदें बढ़ती दिख रही हैं। इस उम्मीद को इस बात से बल मिलता दिख रहा है कि इस साल होने वाले चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिवरे के प्रधानमंत्री बनने की पुरजोर उम्मीद जताई जा रही है जो भारत के साथ अच्छे रिश्तों की वकालत करते रहे हैं।

ट्रूडो के कारण बिगड़े भारत-कनाडा संबंध

वर्ष 2015 में ट्रूडो के प्रधानमंत्री बनने के बाद से कनाडा-भारत संबंधों में लगातार उतार ही आता रहा। बीच- बीच में खालिस्तान समर्थकों से ट्रूडो की बढ़ती गर्मजोशी, भारत-कनाडा संबंधों के लिए आपदा साबित होती गई। खास तौर पर साल 2018 में ट्रूडो की भारत यात्रा विवादों में तब घिर गई जब एक भारतीय मंत्री की हत्या के प्रयास के दोषी जसपाल अटवाल को कनाडाई उच्चायोग ने रात्रिभोज के लिए निमंत्रण दे दिया। इस यात्रा में भारत-कनाडा ने नए निवेश और आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए संयुक्त ढांचे की घोषणा की। कनाडा ने आतंकवाद पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल जैसे खालिस्तान समर्थक आतंकी समूहों का भी जिक्र किया लेकिन कुछ समय बाद ट्रूडो सरकार ने इससे खालिस्तानी उग्रवाद की बात हटा दी। इसके बाद साल 2020 में किसान आंदोलन पर ट्रूडो की टिप्पणी ने दोनों सरकारों के बीच कड़वाहट और बढ़ा दी।

साल 2024 में सर्वाधिक खराब संबंध

ट्रूडो के पूर्वाग्रह ने दोनों देशों के बीच बिगड़ते संबंधों ने आग में घी का काम किया। विशेषकर खालिस्तानी हरदीप निज्जर की हत्या को लेकर ट्रूडो ने बिना सबूत जिस तरह भारत और उसके शीर्ष नेताओं पर बेहद गंभीर आरोप लगाए, उसने रही-सही कसर पूरी कर दी। सितंबर 2023 में ट्रूडो ने भारतीय अधिकारियों पर कनाडा में खालिस्तानी हरदीप निज्जर की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाया। अक्टूबर 2024 में कनाडा ने खालिस्तानियों पर हमलों के मामलों में कई भारतीय राजनयिकों की जांच की बात कही। कनाडा का आरोप था कि भारतीय राजनयिक और खुफिया अधिकारी, विदेशों में खालिस्तानियों को मारने के लिए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के साथ काम कर रहे हैं। कनाडा ने इसमें भारत के गृह मंत्री अमित शाह का नाम भी शरारतन बेवजह घसीट लिया। जिसके बाद भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कनाडा से अपने कई राजनयिकों को वापस बुला लिया। भारत ने कनाडाई राजनयिकों को भी निष्कासित कर दिया।

दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम मुल्क की हुई ब्रिक्स में एंट्री, देखते रह गया पाकिस्तान

जकार्ता, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने कहा कि दक्षिण पूर्व एशिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश इंडोनेशिया अब अन्य सदस्यों के साथ वैश्विक शासन संस्थानों में सुधार और ग्लोबल साउथ के भीतर सहयोग में सकारात्मक योगदान करेगा। ब्राजील इस साल ब्रिक्स की बैठक की अध्यक्षता करेगा। इंडोनेशिया के ब्रिक्स में शामिल होने को 2023 में जोहान्सबर्ग के सम्मेलन के दौरान मंजूरी दी गई थी।इंडोनेशिया का ब्रिक्स में आना पाकिस्तान के लिए झटके की तरह है।

दरअसल पाकिस्तान नहीं चाहता था कि दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश इंडोनेशिया इस ग्रुप में आए। इसके उलट पाकिस्तान खुद ब्रिक्स में आने की जुगत में लगा था। इसके लिए वह चीन को भी रिझा रहा था लेकिन ब्रिक्स का दरवाजा उसके लिए नहीं खुला और इंडोनेशिया को एंट्री मिल गई।ब्रिक्स की अध्यक्षता इस साल ब्राजील कर रहा है।

मौजूदा साल, 2025 का ब्रिक्स सम्मेलन जुलाई में रियो डी जनेरियो में होगा। अपनी अध्यक्षता के दौरान ब्राजील का लक्ष्य ग्लोबल साउथ देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना और बहुपक्षीय संस्थानों में सुधार करना है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा की सरकार ने कहा है कि सदस्य देशों के बीच व्यापार को सुविधाजनक बनाने के लिए भुगतान के साधनों का विकास उनका लक्ष्य है।

ब्रिक्स की स्थापना 2009 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन ने की थी। एक साल बाद इसमें दक्षिण अफ्रीका भी शामिल हो गया। पिछले वर्ष इसका विस्तार हुआ और ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात ब्रिक्स के पूर्ण सदस्य बन गए।

समूह का कुनबा अब और बढ़ा है, जब एक महत्वपूर्ण देश इंडोनेशिया भी ब्लॉक में आ गया है। नवंबर 2024 में रूस में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान गैर-डॉलर लेनदेन को बढ़ावा देने और स्थानीय मुद्राओं को मजबूत करने पर चर्चा की गई थी।

ब्रिक्स देशों की कोशिश डॉलर के इस्तेमाल को कम करके अपनी स्थानीय मुद्राओं को मजबूत करने की है। हालांकि इससे इससे अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नाराज हो गए थे। उन्होंने अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी भी दी थी।

इपीफेनी डे समारोह

यूनान में एक इपीफेनी डे समारोह के अवसर पर तालाब में क्रास को किस करते हुए।

वेस्ट बैंक में इजराइलियों को लेकर जा रही बस पर हमला, तीन की मौत, 6 घायल

पीएम नेतन्याहू ने कहा, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा

यरूशलम, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक इलाके में इजराइलियों को ले जा रही एक बस पर सोमवार शाम को गोलीबारी की गई। इस हमले में तीन लोगों की मौत हुई और छह लोग घायल हो गए। यह हमला फलस्तीनी गांव अल-फुंदुक में हुआ। फिलहाल मारे गए लोगों और घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमले की निंदा करते हुए इसमें शामिल किसी को भी नहीं बख्शने की बात कही है।

इजराइल की मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने बताया कि सोमवार को हुए हमले में तीन लोगों की जान गई है और छह अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों को चिकित्सीय सुविधा मुहैया कराई जा रही है।

हमले को लेकर इजराइल के प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि है कि इस जघन्य हमले में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, हमास ने एक बयान में हमले की सराहना की है। हालांकि उसके द्वारा हमले की जिम्मेदारी नहीं ली गई है।

बतादें कि इजरायल ने 1967 के युद्ध में वेस्ट बैंक पर कब्जा कर लिया था। वेस्ट बैंक इलाके में इजरायली सेना की निगरानी में 30 लाख के करीब फिलिस्तीनी लोग रहते हैं। जबकि यहां विभिन्न बस्तियों में पांच लाख से अधिक इजरायली भी रहते हैं। इलाके में एक फिलिस्तीनी प्राधिकरण प्रशासनिक आबादी केंद्र भी हैं।वेस्ट बैंक के इलाके पर अपना अधिकार वापस पाने को लेकर ही फिलिस्तीनी लगातार हमला करते रहते हैं।

भारतीय छात्रा जाह्नवी कुंडला की मौत का मामला

जिम्मेदार पुलिस अधिकारी बर्खास्त

सिएटल, 07 जनवरी (एजेंसियां)। सिएटल में पुलिस वाहन दुर्घटना में भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत के लगभग एक वर्ष बाद, जिम्मेदार अधिकारी केविन डेव को पुलिस विभाग से बर्खास्त कर दिया गया है।

आंध्र प्रदेश की मूल निवासी 23 वर्षीय कंडुला की 23 जनवरी, 2023 को सड़क पार करते समय मौत हो गई थी। डेव 74 मील प्रति घंटे (लगभग 119 किमी/घंटा) की गति से गाड़ी चला रहा था, जब उसके गश्ती वाहन ने कंडुला को टक्कर मार दी, जिससे वह 100 फीट दूर जा गिरी।डेव ड्रग ओवरडोज की एक कॉल आने के बाद गाड़ी चला रहा था।अंतरिम सिएटल पुलिस प्रमुख सू राहर ने डेव को बर्खास्त करने के फैसले की घोषणा की। सिएटल पुलिस जवाबदेही कार्यालय ने निर्धारित किया था कि डेव ने चार विभागीय नीतियों का उल्लंघन किया।राहर ने आपात स्थिति में मदद करने के डेव के इरादे को स्वीकार किया, लेकिन परिणाम की गंभीरता पर जोर दिया।सिएटल टाइम्स ने राहर के हवाले से बताया, मेरा मानना है कि अधिकारी का उस रात किसी को चोट पहुंचाने का इरादा नहीं था और वह जल्द से जल्द ओवरडोज के संभावित शिकार तक पहुंचने की कोशिश कर रहा था। हालांकि, मैं उसके खतरनाक ड्राइविंग के दुखद परिणामों को स्वीकार नहीं कर सकती। उसका सकारात्मक इरादा उस खराब फैसले को कम नहीं करता है जिसके कारण मानव जीवन की हानि हुई और सिएटल पुलिस विभाग की बदनामी हुई।

यह घटनाक्रम सिएटल के एक अन्य अधिकारी, डैनियल ऑडरर को बर्खास्त किए जाने के बाद हुआ। कंडुला की मौत के बाद बॉडीकैम फुटेज में कैद हुई उसकी असंवेद-नशील टिप्पणियों और हंसी के लिए उसे बर्खास्त किया गया था।

वीडियो में, ऑडरर को दुर्घटना के बारे में हंसते हुए सुना गया। उसे यह कहते हुए सुना गया, उह, मुझे लगता है कि वह हुड पर चढ़ गई, विंडशील्ड से टकराई, और फिर जब उसने ब्रेक मारा, तो कार से उड़ गई...लेकिन वह मर चुकी है। इसके बाद लंबे समय तक वह हंसता रहा।ऑडरर ने आगे टिप्पणी की, हां, बस एक चेक लिखो। बस, 11,000 डॉलर। वह वैसे भी वह 26 वर्ष की थी। उसका मूल्य सीमित था।पुलिस जवाबदेही कार्यालय के साथ एक इंटरव्यू के दौरान ऑडरर ने दावा किया कि उसकी टिप्पणी शहर के वकीलों का मजाक उड़ाने के लिए थी जो संभावित गलत मौत के मुकदमे को संभाल सकते हैं।चीफ राहर ने ऑडरर के व्यवहार पर गहरा खेद व्यक्त किया और एक आंतरिक ईमेल में कहा कि उनके शब्दों ने कंडुला के परिवार को पीड़ा पहुंचाई, पुलिस विभाग की प्रतिष्ठा को धूमिल किया। उन्होंने कहा, इस पुलिस अधिकारी के कार्यों ने सिएटल पुलिस विभाग और हमारे पूरे पेशे को शर्मसार कर दिया है, जिससे हर पुलिस अधिकारी का काम और भी मुश्किल हो गया है।घटना की गंभीरता के बावजूद, किंग काउंटी अभियोक्ता कार्यालय ने अधिकारी डेव के खिलाफ आपराधिक आरोप दायर नहीं करने का फैसला किया। इसके बजाय, सिएटल सिटी अटॉर्नी ने उस पर 5,000 का यातायात उल्लंघन लगाया।सिएटल में भारतीय महावाणिज्य दूतावास इस मामले में सक्रिय रूप से शामिल रहा है, और कंडुला के परिवार और प्रतिनिधियों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा है। वाणिज्य दूतावास ने मामले की प्रगति की निगरानी करते हुए कंडुला और उसके परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए निरंतर समर्थन का वचन दिया।

इस त्रासदी और उसके बाद की घटनाओं ने व्यापक आक्रोश को जन्म दिया, जिससे पुलिस की जवाबदेही और आचरण के साथ-साथ मानव जीवन के मूल्य पर सवाल उठ रहे हैं, जिन्हें इसकी रक्षा करने का जिम्मा सौंपा गया है।

अमेरिका : लुइसियाना में बर्ड फ्लू से पहली मौत

लॉस एंजेल्स , 07 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका के लुइसियाना राज्य में बर्ड फ्लू यानि एच5एन1 से पहली मौत रिपोर्ट हुई है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार लुइसियाना स्वास्थ्य विभाग ने एक समाचार विज्ञप्ति में इस बात की पुष्टि की है। इसमें कहा गया है कि रोगी को एवियन इन्फ्लूएंजा की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

रोगी की आयु 65 वर्ष से अधिक थी और उन्हें पहले से ही कई तरह की कुछ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं।

विभाग ने कहा कि रोगी को जंगली पक्षियों के संपर्क में आने के बाद एच5एन1 का संक्रमण हुआ था।

विभाग ने उल्लेख किया कि रोगी दक्षिण-पूर्वी अमेरिकी राज्य में एच5एन1 का एकमात्र मामला है और विभाग की व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य जांच में एच5एन1 के कोई अतिरिक्त मामले या किसी से संपर्क के साक्ष्य की पहचान नहीं हुई है।

राज्य के अधिकारियों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि लोगों को एच5एन1 से बचाने का सबसे अच्छा तरीका संपर्क के स्रोतों से बचना है। फिलहाल आम जनता के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम कम बना हुआ है। जो लोग पक्षियों, मुर्गियों या गायों के साथ काम करते हैं, या उनके साथ मनोरंजन के लिए संपर्क में आते हैं उन्हें इससे अधिक जोखिम है।

अमेरिकी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि एजेंसी इस मौत से दुखी है।

एजेंसी ने कहा, हालांकि यह दुखद है, लेकिन संयुक्त राज्य अमेरिका में एच5एन1 बर्ड फ्लू से मौत अप्रत्याशित नहीं है, क्योंकि इन वायरस के संक्रमण से गंभीर बीमारी और मौत होने की आशंका है।

सोमवार तक अमेरिका में 2024 तक एच5एन1 बर्ड फ्लू के 66 पुष्ट मानव मामले हैं। अमेरिका के बाहर विश्व स्वास्थ्य संगठन को एच5एन1 बर्ड फ्लू के 950 से अधिक मामले बताए गए।

सी.डी.सी. ने बताया कि व्यक्ति-से-व्यक्ति संक्रमण फैलने की पहचान नहीं की गई है।

एजेंसी ने कहा कि उसने लुइसियाना में मरने वाले व्यक्ति के बारे में उपलब्ध जानकारी का सावधानीपूर्वक अध्ययन किया है और इस आधार पर कह सकते हैं कि आम लोगों को इससे खतरा नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया की डेविस कप टीम में शामिल हुए फिटनेस से जूझ रहे किर्गियोस

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

पूर्व विंबलडन फाइनलिस्ट निक किर्गियोस को इस महीने के अंत में स्वीडन के खिलाफ होने वाले डेविस कप मुकाबले के लिए अप्रत्याशित रूप से ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है।

29 वर्षीय खिलाड़ी को कप्तान लेटन हेविट ने दुनिया के आठवें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स डी मिनौर, जॉर्डन थॉम्पसन और थानासी कोकिनाकिस के साथ 31 जनवरी और 1 फरवरी को स्टॉकहोम में होने वाले मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप में चुना है।

किर्गियोस को घुटने, पैर और कलाई की चोटों के कारण 2022 से फिटनेस के लिए संघर्ष करने के बावजूद चुना गया है, जबकि रविवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन में उनकी भागीदारी अनिश्चित बनी हुई है।

पिछले सप्ताह ब्रिसबेन इंटरनेशनल से बाहर होने के बाद उन्होंने ग्रैंड स्लैम टेनिस के तनाव को संभालने की अपनी क्षमता पर संदेह जताया, जिसमें जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा। पिछले मंगलवार को मिली हार के बाद उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मुझे लगभग चमत्कार की जरूरत है और मुझे अपनी कलाई को ग्रैंड स्लैम में टिकाए रखने के लिए सितारों की तरह सरेखित होने की जरूरत है।

डेविस कप टीम में किर्गियोस के शामिल होने से वह कोकिनाकिस के साथ अपनी युगल साझेदारी को फिर से जीवंत कर सकते हैं, जिसके साथ उन्होंने तीन साल पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन में पुरुष युगल खिताब जीता था।

उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2019 में डेविस कप खेला था और 2022 में विंबलडन के फाइनल में पहुंचे थे, जहां वह नोवाक जोकोविच से चार सेटों में हार गए थे।

एएफसी एशियन कप 2027 का आयोजन 7 जनवरी से, पांच स्टेडियम में खेले जाएंगे मैच

नई दिल्ली। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) एशिया कप 2027 की शुरुआत 7 जनवरी से होगी और समापन 5 फरवरी को होगा। एएफसी ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी। इसके अलावा, महाद्वीपीय टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए पांच स्टेडियमों की पुष्टि की गई है, जिसमें किंग फहद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम, किंग सऊद यूनिवर्सिटी स्टेडियम, इमाम मोहम्मद इब्न सऊद यूनिवर्सिटी स्टेडियम, किंगडम एरिना और अल शबाब स्टेडियम शामिल हैं। भारत द्वारा अपनी बोली वापस लेने के बाद, 2023 में एशियाई कप के 2027 संस्करण के लिए सऊदी अरब को मेजबान घोषित किया गया। पिछले संस्करण की मेजबानी कतर ने की थी। सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष यासर अल मिसेहल ने कहा, एएफसी एशियाई कप सऊदी अरब 2027 के लिए तारीखों की पुष्टि और स्टेडियमों का चयन करना टूर्नामेंट की मेजबानी की हमारी यात्रा में एक रणनीतिक मील का पत्थर है। इस साल मार्च में शुरू होने वाले क्वालीफायर के तीसरे दौर के साथ अठारह देशों ने पहले ही अपनी जगहें बुक कर ली हैं। भारत को सिंगापुर, हांगकांग और बांग्लादेश के साथ ग्रुप सी में रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी की वजह से पैरा एथलीटों का सम्मान बढ़ा है : सुभाष राणा

नई दिल्ली। 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन इस बार उत्तराखंड कर रहा है। उत्तराखंड में इन खेलों के आयोजन से स्थानीय खिलाड़ियों और कोचों में काफी उत्साह है। इन खेलों के आयोजन से स्थानीय खिलाड़ियों को मिलने वाले लाभ और सुविधाओं को लेकर द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चयनित पैरा शूटिंग कोच सुभाष राणा ने से बातचीत में खुलकर अपने विचार रखे। को दिये साक्षात्कार में उन्होंने कहा, उत्तराखंड को राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मिलना बहुत बढियां हैं, पहले हम सोचते थे कि यहां आधारभूत सुविधाओं के उपलब्ध होने में हमें 15 से 20 साल लगेंगे, लेकिन अब इस आयोजन के दौरान खेलों के लिए इतना बड़ा आधारभूत ढांचा उत्तराखंड में तैयार हो जाएगा,इसकी उम्मीद नहीं थी, इन खेलों के आयोजन से स्थिति बदलेगी और अन्य प्रदेशों के खिलाड़ी भी यहां आने लगेंगे, सबसे बड़ी बात यह है कि खिलाड़ियों का पलायन रूक जाएगा। हम पहले खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए लेकर बाहर जाते थे, लेकिन अब आधारभूत ढांचा तैयार हो जाएगा और हमें खिलाड़ियों को प्रशिक्षण के लिए बाहर ले जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में पैरा एथलीटों के हालात में हुए सुधार पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री जी का खिलाड़ियों को लेकर काफी उत्साह रहता है। 2014 से पहले पैरा एथलीटों की उतनी पूछ नहीं थी, लेकिन उसके बाद पैरा एथलीटों को लेकर लोगों में उत्साह भी बढ़ा है। पहले और अब में काफी अंतर है, पहले इतनी सुविधाएं भी नहीं थी। 2014 के बाद से सुविधाएं भी बढ़ी हैं और प्रधानमंत्री जी की वजह से सम्मान भी बढ़ा है, उन्होंने पैरा खेलों को लेकर जो रूचि दिखाई है, उसका काफी फायदा हुआ है। सामान्य एथलीट और पैरा एथलीटों को उन्होंने बराबरी पर ला दिया, जिससे पैरा एथलीटों के लिए नौकरी के भी मौके खुलने लगे, और जिस तरह से वे बड़े टूर्नामेंटों में जाने से पहले मिलते हैं और पदक जीतने के बाद ही फोन पर बात भी करते हैं, उससे प्रेरणा और आगे बढ़ने की ऊर्जा भी मिलती है। उत्तराखंड के युवा निशानेबाजों के भविष्य को लेकर उन्होंने कहा, देखिये हम जिस चीज में पिछड़ रहे थे, जैसे टॉप क्लास मशीन नहीं थी, आधारभूत सुविधाएं नहीं थीं, हमें ट्रेनिंग के लिए कभी भोपाल, कभी दिल्ली जाना पड़ता था, लेकिन अब जिस तरह से सरकार काम कर रही है और उम्मीद है कि आगे भी करती रहेगी, तो अब हम भविष्य में उत्तराखंड से कई बड़े खिलाड़ी और ओलंपियन तैयार कर सकते हैं और हमारी योजनाएं भी यहीं हैं। मेहनत करने में कोई कमी नहीं है, बच्चे लगे रहते हैं, लेकिन थोड़ा-थोड़ा सभी का साथ मिले तो काम हो जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारतीय निशानेबाज पेरिस पैरालंपिक की सफलता 2028 में दोहरा पाएंगे, उन्होंने कहा कि हम 2028 पैरालंपिक में पेरिस के रिकॉर्ड को भी तोड़ेंगे और पदकों की संख्या भी बढ़ेगी। द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए चयनित कोच सुभाष राणा के खाते में चार अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल हैं। उन्होंने साल 1994 में इटली और साल 1998 में स्पेन में हुई विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में भाग लिया था। एक कोच के तौर पर उनकी उपलब्धियों की चर्चा करें, तो टोक्यो पैरालंपिक 2020 में शामिल हुई शूटिंग टीम को उन्होंने प्रशिक्षित किया था। इस टीम ने पैरालंपिक में पांच मेडल जीते थे।

इंडोनेशिया फुटबॉल संघ ने शिन ताए-योंग को राष्ट्रीय टीम के कोच पद से हटाया

जकार्ता। इंडोनेशियाई फुटबॉल एसोसिएशन (पीएसएसआई) ने सोमवार को राष्ट्रीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में शिन ताए-योंग का अनुबंध आधिकारिक रूप से समाप्त कर दिया। पीएसएसआई के अध्यक्ष एरिक थोहिर ने कहा कि एसोसिएशन को एक ऐसे कोच की जरूरत है जो सभी खिलाड़ियों द्वारा सहमत एक एकीकृत रणनीति को लागू कर सके और अधिक प्रभावी संचार को बढ़ावा दे सके। उन्होंने कहा, हम जो कर रहे हैं वह राष्ट्रीय टीम की भलाई के लिए है। थोहिर ने बताया कि शिन को बर्खास्त करने का फैसला कई कारकों को ध्यान में रखते हुए लंबे समय तक मूल्यांकन के बाद लिया गया। दिसंबर 2019 में पीएसएसआई के साथ अपना कार्यकाल शुरू करने वाले शिन ने इंडोनेशिया की विश्व रैंकिंग को 173वें से 127वें स्थान पर पहुँचाने में मदद की। 2026 फीफा विश्व कप एशियाई क्वालीफायर में, इंडोनेशिया वर्तमान में छह टीमों के समूह में छह मैचों में छह अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

टीबीसीपीएल 10 ने अपने पहले उद्घाटन टी10 टेनिस बॉल लीग की घोषणा की, 8 टीमें लेंगी हिस्सा

दुबई, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

टेनिस बॉल क्रिकेट प्रीमियर लीग (टीबीसीपीएल10) ने आज अपने पहले टी-10 टूर्नामेंट की घोषणा की, जिसमें आठ फ्रैंचाइज़ी टीमें भाग लेंगी। यह टूर्नामेंट 26 मई से 5 जून, 2025 तक चलेगा। यह टूर्नामेंट, जो विशेष रूप से सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर प्रसारित किया जाएगा, दुनिया भर के लाखों दर्शकों के लिए टेनिस बॉल क्रिकेट का रोमांच लाने का वादा करता है। रोमांचक टूर्नामेंट के आयोजन स्थल की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

इस पेशेवर टेनिस बॉल क्रिकेट लीग में मुंबई मावेरिक्स, दिल्ली डायनामोज, बैंगलोर ब्लास्टर्स, कोलकाता किंग्स, चंडीगढ़ चैंपियंस, हैदराबाद हंटर्स, अहमदाबाद एवेंजर्स और चेन्नई चैलेंजर्स की टीमें हिस्सा लेंगी।

टूर्नामेंट की संरचना में 31 लीग मैच और उसके बाद चार प्लेऑफ गेम शामिल हैं, जो पेशेवर टेनिस बॉल क्रिकेट के रोमांच को वैश्विक स्तर पर ले जाएंगे। एक व्यापक प्रतिभा खोज पहल में, टीबीसीपीएल 10 भारत के 50 शहरों में ट्रायल आयोजित करेगा, जिसमें उत्तर, पूर्व और मध्य क्षेत्रों के प्रमुख केंद्र शामिल हैं, जिससे देश के हर कोने से प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा।

लीग 5-6 मई, 2025 को अपने उद्घाटन खिलाड़ी की नीलामी आयोजित करेगी, जहाँ आठ फ्रैंचाइज़ देश भर में ट्रायल के माध्यम से चुने गए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के पूल से अपनी टीम बनाएंगे। क्रिकेट के दिग्गज युवराज सिंह को टूर्नामेंट का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया गया है। अपनी भूमिका को लेकर युवराज सिंह ने कहा, मैं क्रिकेट के इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। टीबीसीपीएल10 एक ऐसा पहला टूर्नामेंट है जो इतने सारे भारतीय शहरों से एक साथ पेशेवर टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतिभाओं को एक साथ लाता है। अब, हम इस प्रारूप को कई शहरों में पेशेवर स्तर पर ले जा रहे हैं। यह कई महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों के लिए एक सपना सच होने जैसा है, जिनके पास अब अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच होगा।

टीबीसी प्राइवेट लिमिटेड के लीग के हिस्सेदार मोहित जून ने टूर्नामेंट के अभूतपूर्व पैमाने पर जोर दिया, उन्होंने कहा, टीबीसीपीएल 10 आठ प्रमुख भारतीय स्थानों पर एक साथ प्रतिभाओं को बढ़ावा देने वाली पहली पेशेवर टेनिस बॉल क्रिकेट लीग के रूप में इतिहास बना रही है। 50 शहरों में ट्रायल की योजना के साथ, हम टेनिस बॉल क्रिकेट के इतिहास में सबसे व्यापक प्रतिभा खोज नेटवर्क बना रहे हैं। युवराज सिंह के साथ जुड़ना हमारे विजन को बहुत महत्व देता है, और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के साथ हमारी साझेदारी इस रोमांचक प्रारूप के लिए सबसे व्यापक पहुंच सुनिश्चित करती है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद ब्रेक लेंगे राहुल, विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट में नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

बल्लेबाज के.एल. राहुल वडोदरा में होने वाले विजय हजारे ट्रॉफी के नॉकआउट दौर में कर्नाटक की टीम का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसा माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलने वाले राहुल ब्रेक लेंगे। 23 जनवरी से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण के लिए राहुल की उपलब्धता पर फैसला बाद में लिया जाएगा।

बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा, जो दोनों ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट टीम में थे, वडोदरा में कर्नाटक के लिए खेलेंगे। पडिक्कल ने पर्थ में पहला टेस्ट खेला था, जबकि प्रसिद्ध को पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए बुलाया गया। तेज गेंदबाज वी. वैशाख चोट के कारण नॉकआउट दौर से बाहर हो गए हैं। विजय हजारे ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में कर्नाटक का सामना शनिवार को वडोदरा से होगा। कर्नाटक की टीम इस प्रकार है: मयंक अग्रवाल (कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, निकिन जोस, के.वी. अनीश, आर. स्मरण, के.एल. श्रीजीत, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल (उप कप्तान), हार्दिक राज, प्रसिद्ध कृष्णा, वी. कौशिक, विद्याधर पाटिल, अभिलाष शेट्टी, प्रवीण दुबे, लवनिथ सिसौदिया, यशोवर्धन परंतप।

मलेशिया ओपन 2025: अंतिम 16 में पहुंची ट्रीसा-गायत्री की जोड़ी

नई दिल्ली। भारतीय महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने मंगलवार को मलेशिया ओपन के शुरुआती दौर में थाईलैंड की ओर्निचा जोंगसाथपोर्नपर्न और सुकिता सुवाचाई को हराया। ट्रीसा-जॉली की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 21-10, 21-10 से जीत हासिल कर राउंड ऑफ 16 में प्रवेश किया। अंतिम 16 में उनका सामना या तो चीन के यी फैन जिया-शू जियान झांग या मलेशिया के पेई की गो-मेई जिंग तेओह से होगा। मैच की बात करें तो पहला गेम भारतीयों ने जल्दी ही जीत लिया, हालांकि मैच के दूसरे गेम के ब्रेक के समय भारतीय जोड़ी मुश्किल में थी, लेकिन ट्रीसा-जॉली ने बेहतरीन वापसी कर सुपर 1000 इवेंट के अगले दौर में प्रवेश किया।

जंपिंग स्पर्धा

रियाद में इटालियन कप फुटबॉल में एसी मिलान के डेविड कैलाब्रिया अपनी टीम के साथ ट्रॉफी उठाये जश्न मनाते हुए।

भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष चुने गए एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता बहादुर सिंह सागू

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

एशियाई खेलों के स्वर्ण विजेता पूर्व गोला फेंक खिलाड़ी बहादुर सिंह सागू को मंगलवार को भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वह लंबे समय से इस शीर्ष पद पर कार्यरत आदिले सुमारिवाला का स्थान लेंगे।

51 वर्षीय सागू, जो चार साल का कार्यकाल पूरा करेंगे, ने 2002 बुसान एशियाई खेलों में शॉट पुट में स्वर्ण पदक जीता था और 2000 और 2004 ओलंपिक में भी भाग लिया था। वह एएफआई एथलीट आयोग के सदस्य हैं।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंजू बॉबी जॉर्ज के पद की दौड़ से बाहर होने के बाद सागू अकेले उम्मीदवार रह गए थे। एएफआई की दो दिवसीय वार्षिक आम बैठक में उनके चुनाव को औपचारिक रूप दिया गया।

सागू ने 19.03 मीटर के थ्रो के साथ पुरुषों की शॉट पुट स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उनका जीवनकाल का सर्वश्रेष्ठ 20.40 मीटर है और वह पद्म श्री पुरस्कार प्राप्तकर्ता भी हैं।

शेष पदों के लिए कोई चुनाव नहीं हुआ, जो 2020 में पिछली एजीएम के दौरान हुआ था।

दिल्ली इकाई के शीर्ष अधिकारी संदीप मेहता को निर्विरोध एएफआई सचिव चुना गया। वे निवर्तमान कार्यकारी परिषद में वरिष्ठ संयुक्त सचिव थे। स्टेनली जोन्स को कोषाध्यक्ष बनाया गया।

67 वर्षीय सुमारिवाला 2012 से एएफआई अध्यक्ष हैं और मौजूदा राष्ट्रीय खेल संहिता के तहत इस बार चुनाव लड़ने के पात्र नहीं थे। उनके कार्यकाल के दौरान, नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक स्वर्ण और पेरिस खेलों में रजत पदक जीता।

सुमारिवाला वर्तमान में विश्व एथलेटिक्स कार्यकारी बोर्ड के सदस्य हैं।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण जहांआरा ने क्रिकेट से लिया ब्रेक

नई दिल्ली, 07 जनवरी (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की अग्रणी महिला तेज गेंदबाज जहांआरा आलम ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण अनिश्चित काल के लिए क्रिकेट से ब्रेक ले लिया है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) महिला विंग के प्रभारी हबीबुल बशर ने कहा, उसने हमें एक पत्र दिया था जिसमें कहा गया था कि वह खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार नहीं है और उसने दो महीने के लिए क्रिकेट से ब्रेक लिया है। उसने यहां तक कहा कि यदि आवश्यक हो, तो उसे अनुबंध में नहीं रखा जाना चाहिए।

हमें इसका सम्मान करने की आवश्यकता है क्योंकि अगर किसी को लगता है कि वह मानसिक रूप से तैयार नहीं है और कुछ दिनों के लिए ब्रेक लेना चाहती है, तो हमें इसे स्वीकार करना होगा। कोई विशिष्ट समय सीमा नहीं है जिसके लिए वह बाहर रहेगी। जब भी वह ठीक महसूस करेगी, वह हमें बताएगी।

जहांआरा ने अपने करियर में अब तक 52 वनडे और 83 टी20 मैच खेले हैं। जुलाई 2024 में एक साल की अनुपस्थिति के बाद वह टीम में लौटीं और उन्हें टी20 विश्व कप टीम में शामिल किया गया, लेकिन वह किसी भी मैच में शामिल नहीं हुईं। वह आयरलैंड के खिलाफ बांग्लादेश की आखिरी घरेलू श्रृंखला का हिस्सा थीं, जहाँ उन्होंने केवल टी20 मैच खेले थे और वनडे के दौरान उन्हें बेंच पर बैठाया गया था।

इस बीच, बीसीबी ने आगामी वेस्टइंडीज दौरे के लिए महिला टीम की घोषणा की। यह बांग्लादेश की महिला टीम का वेस्टइंडीज का पहला दौरा होगा, जहाँ वे तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेलेंगी, जो सभी सेंट किट्स के बैसेटेरे के वार्नर पार्क में खेले जाएँगे।

निगार सुल्ताना की अगुवाई वाली टीम 14 जनवरी को सेंट किट्स पहुँचेगी।

वनडे मैच क्रमश: 19, 21 और 24 जनवरी को होने हैं।

यह सीरीज खास महत्व रखती है क्योंकि दोनों टीमें इस साल के अंत में भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिए सीधे क्वालीफिकेशन के लिए महत्वपूर्ण आईसीसी महिला चैम्पियनशिप अंक हासिल करना चाहती हैं। बांग्लादेश को अपनी जगह पक्की करने के लिए यह सीरीज जीतनी होगी।

वनडे सीरीज के बाद, टीमें क्रमश: 27, 29 और 31 जनवरी को तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेंगी।

लता मोंडल, फरिहा इस्लाम की वनडे टीम में वापसी हुई है, जबकि जहांआरा आलम और रितु मोनी अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाईं। मारुफा अख्तर, सुल्ताना खातून, लता मोंडल, फरजाना होक की टी20 टीम में वापसी हुई है, जबकि रितु मोनी, जहांआरा आलम, जन्नतुल फिरदौस को बाहर रखा गया है। उप-कप्तान नाहिदा अख्तर ने कहा कि वे हाल ही में वेस्टइंडीज के सफल दौरे के बाद पुरुष टीम से प्रेरणा लेंगी।

वेस्टइंडीज दौरे के लिए बांग्लादेश की टीम: निगार सुल्ताना जोटी (कप्तान), नाहिदा अख्तर (उप कप्तान), मुर्शिदा खातून, दिलारा अख्तर, शर्मिन अख्तर सुप्ता, शोभना मोस्तरी, शोर्ना अख्तर, लता मोंडोल, राबेया, फाहिमा खातून, फरिहा इस्लाम त्रिस्ना, सुल्ताना खातून, फरजाना हक, ताज नेहर, शांजिदा अख्तर मघला, मारुफा अख्तर।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक का आईपीओ खुला निवेशक 9 जनवरी तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली,07 जनवरी (एजेंसियां)।

रेलवे सुरक्षा कवच बनाने वाली कंपनी क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) मंगलवार को निवेशकों के लिए खुल गया। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 275-290 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस इश्यू के जरिए कंपनी की योजना 290 करोड़ जुटाने की है। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड के मुताबिक इस इश्यू में निवेशक 9 जनवरी तक मिनिमम 50 इक्विटी शेयर या उसके मल्टीपल गुणक में बोलियां लगा सकते हैं। खुदरा निवेशक के लिए न्यूनतम निवेश राशि 14 हजार 500 रुपये है। ये आईपीओ पूरी तरह से 290 करोड़ रुपये का एक फ्रेश इश्यू है, जिसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) जैसी कोई पेशकश नहीं है। कंपनी इश्यू से मिलने वाले फंड में से 149.72 करोड़ रुपये का इस्तेमाल लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरतों की फंडिंग के लिए करेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के विकास लिए 24.37 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। कंपनी 23.61 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल अवधि ऋण के सभी या आंशिक हिस्से का पूर्व भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य को पूरा करने के लिए करेगी।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड रिसर्च बेस्ड कंपनी है। यह भारतीय रेलवे के लिए न्यू जनरेशन के ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम तैयार करती है। ये सिस्टम रेल यात्रियों को हाईएस्ट लेवल की सुरक्षा और विश्वसनीयता प्रदान करता है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉन बीम विकिरण केंद्र के साथ एक विशेष केबल विनिर्माण सुविधा भी प्रोवाइड करता है। कंपनी के प्रमोटर मोहित वोहरा, अमित धवन, अमृत सिंह रंधावा, रूपिंदर सिंह, विशेष अबरोल और विवेक अबरोल, एक जोत सिंह और राजबीर सिंह रंधावा हैं।

न्यूज ब्रीफ

चिराग पासवान बुधवार को इंडसफूड 2025 के 8वें संस्करण का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान 8 जनवरी, 2025 को गौतमबुद्ध नगर जिला के ग्रेटर नोएडा में स्थित इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) में इंडसफूड 2025 के 8वें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस बार इंडसफूड 2025 में 30 से अधिक देशों के 2300 प्रदर्शक भाग लेंगे। इस बार 120 हजार वर्ग मीटर से अधिक प्रदर्शनी स्थल होगा। इस बार एकीकृत व्यापार मेले में 7,500 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खरीदार तथा 15 हजार भारतीय खरीदार यानी व्यापार आगंतुक भाग लेंगे, जिनके शो के दौरान उपस्थित रहने की उम्मीद है। इंडसफूड एशिया की प्रमुख वार्षिक एफ एंड बी व्यापार प्रदर्शनी है, जिसे भारत सरकार के वाणिज्य विभाग के सहयोग से भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद की ओर से आयोजित किया जाता है। यह प्रदर्शनी 2025 में एक और मील का पत्थर स्थापित करने के लिए तैयार है। एक एकीकृत फार्म-टू-फोर्क व्यापार शो के रूप में अपनी शुरुआत करेगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से खाताधारकों को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है, जिसमें उन्होंने खाताधारकों को बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी ग्राहक के खाते से अनधिकृत और धोखाधड़ी वाला ऑनलाइन लेनदेन होता है, तो उसे तीन दिनों के भीतर रिजर्व बैंक को शिकायत दर्ज करानी होगी। इस मामले में बैंक को ग्राहक को नुकसान की राशि की भरपाई करनी होगी। इस फैसले से ग्राहकों को सुरक्षा और विश्वास भी मिलेगा। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि बैंकों को धोखाधड़ी वाले लेन-देन का पता लगाने और रोकने के लिए तकनीकों का सही उपयोग करना चाहिए। यह फैसला न केवल ग्राहकों को सुरक्षित बनाएगा, बल्कि बैंकों को भी उनकी सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए मजबूर करेगा। ग्राहकों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें और किसी के साथ ओटीपी साझा न करें। इस फैसले के तहत भारतीय स्टेट बैंक को एक ग्राहक को 94,204 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया है। यह मामला 18 अक्टूबर 2021 को हुए एक अनधिकृत लेन-देन के मामले से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है और एसबीआई की याचिका को खारिज कर दिया गया है। यह फैसला ग्राहकों को समय पर शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित करेगा और बैंकों को उनकी सुरक्षा प्रणालियों को मेहराबान करेगा।

वीहांत टेक्नोलॉजीज ने गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र से जुटाए 90 लाख डॉलर

नई दिल्ली। कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सुरक्षा तथा निगरानी समाधान प्रदाता वीहांत टेक्नोलॉजीज ने टू नॉर्थ के 'प्राइवेट क्रेडिट फंड' से गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र के जरिये वित्तपोषण के एक दौर में 90 लाख अमेरिकी डॉलर यानी करीब 77 करोड़ रुपये जुटाये हैं। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि वीहांत ने अपनी वर्तमान पेशकशों को बढ़ाने तथा विमानन सुरक्षा, स्मार्ट शहरों और उद्यम विश्लेषण के लिए नवीन समाधान विकसित करने के लिए अनुसंधान व विकास गतिविधियों को बढ़ाने हेतु 75 प्रतिशत धनराशि खर्च करने की योजना बनाई है। वीहांत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि टू नॉर्थ से जुटाई गई यह धनराशि हमें विमानन सुरक्षा, स्मार्ट और सुरक्षित शहरों और उद्यम विश्लेषण समाधानों के क्षेत्रों में और अधिक अत्याधुनिक उत्पादों को विकसित करने और उन्हें पेश करने में मदद करेगी। यह हमें पश्चिम एशिया तथा यूरोप में भौगोलिक विस्तार में भी मदद करेगा। उन्होंने कहा कि गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) के जरिये जुटाई गई राशि 2026 तक 12 से 18 महीनों के भीतर आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने और कंपनी को सूचीबद्ध कराने की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमेरिकी संसद...

पहली भारतीय अमेरिकी महिला हैं।सभी छह भारतीय अमेरिकी सांसद डेमोक्रेटिक पार्टी से हैं और उन्होंने सदन के स्पीकर पद के लिए चुनाव में सदन के अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीज को वोट दिया। हालांकि रिपब्लिकन माइक जॉनसन को सदन का अध्यक्ष चुना गया।

दलीप सिंह सौंद 1957 में प्रतिनिधि सभा के लिए चुने जाने वाले पहले भारतीय अमेरिकी और सिख थे। वह डेमोक्रेटिक पार्टी से थे और लगातार तीन कार्यकाल के लिए चुने गए थे।

दूसरे भारतीय अमेरिकी को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में प्रवेश करने में लगभग पांच दशक लग गए। बॉबी जिंदल ने 2005 से 2008 तक लुइसियाना के पहले कांग्रेसनल जिले का प्रतिनिधित्व किया। बाद में वे लुइसियाना के दो-कार्यकाल वाले गवर्नर बने, जिससे वे किसी अमेरिकी राज्य के गवर्नर के रूप में चुने जाने वाले पहले भारतीय अमेरिकी बन गए। जिंदल रिपब्लिकन टिकट पर सदन में चुने जाने वाले एकमात्र भारतीय अमेरिकी रहे हैं।

सत्ता हस्तांतरण को ...

कांग्रेस (अमेरिकी संसद) द्वारा डोनाल्ड ट्रंप की जीत की पुष्टि किए जाने से कुछ पहले और जो बाइडेन के अमेरिका के अधिकांश तटरेखा पर तेल तथा प्राकृतिक गैस के लिए खुदाई पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के बाद उनका यह बयान आया हैं।

सिंगल फेज में ...

संलिप्तता को लेकर निशाना साधा है और डबल इंजन प्रशासन के साथ अगली सरकार बनाने का विश्वास व्यक्त किया है। भाजपा ने आप नेताओं पर भ्रष्टाचार और कुशासन का आरोप लगाया है , जबकि लगातार तीसरी बार सत्ता में आने का लक्ष्य लेकर चल रही आप शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों को उजागर करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। नई दिल्ली सीट की दौड़ में, भाजपा ने अरविंद केजरीवाल को चुनौती देने के लिए पूर्व सांसद और दिल्ली के पूर्व सीएम साहिब सिंह वर्मा के बेटे परवेश वर्मा को मैदान में उतारा है। कांग्रेस भी उसी सीट से दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित के साथ मैदान में उतरी है। भाजपा ने कालकाजी सीट पर दिल्ली की सीएम आतिशी के खिलाफ पूर्व सांसद रमेश बिधूड़ी को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस ने पूर्व विधायक अलका लांबा को मैदान में उतारा है। दिल्ली में लगातार 15 साल तक सत्ता में रही कांग्रेस को पिछले दो विधानसभा चुनावों में झटके लगे हैं और वह एक भी सीट जीतने में नाकाम रही है। इसके विपरीत, आप ने 2020 के विधानसभा चुनावों में 70 में से 62 सीटें जीतकर अपना दबदबा बनाया, जबकि भाजपा को केवल आठ सीटें मिलीं।

मतदान व्यवस्था निष्पक्ष...

प्रयोग की जाने वाली 'ईवीएम मशीनों को हैक नहीं किया जा सकता। इनमें रिगिंग (गड़बड़ी) संभव नहीं है और इसमें ऐसा कोई वायरस भी नहीं डाला जा सकता, जिससे कि मतदान के परिणाम प्रभावित किये जा सकते हों।

19 फरवरी, 1960 को जन्मे और भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी ने श्री राजीव कुमार 15 मई 2022 को देश के 25वें मुख्य चुनाव आयुक्त का पद ग्रहण किया। यह नियुक्त छह वर्ष या 65 साल की आयु पूरे होने में जो भी पहले हो उस अवधि तक के लिये की जाती है। इस तरह, श्री कुमार 19 फरवरी, 2025 को, 65 वर्ष के हो रहे हैं।श्री कुमार ने कहा, दुनिया में किसी देश के चुनाव प्राधिकरण को देख लें। भारत के निर्वाचन आयोग जितना ग्रेनुलर डाटा (बारीक जानकारी) कोई और प्राधिकरण सार्वजनिक रूप से जारी नहीं करता है। श्री कुमार के साथ संवाददाता सम्मेलन में सहयोगी चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ सुखबीर सिंह संधू भी थे।

उन्होंने ऐसे कहानियां फैलाने वालों से अपील की, कृपया, झूठ के गुब्बारे न उड़ाएं, इससे केवल भ्रम ही पैदा होता है और इसका असर युवा मतदाताओं पर पड़ता है। वे वोट डालने के प्रति हतोत्साहित होते हैं।

उन्होंने मतदाता सूचियों, मतदान के प्रतिशत और ईवीएम को लेकर बार-बार उठाये जाने वाले सवालों को राजनीति के लिये गढ़ी और फैलायी जाने वाली कहानी करार देते हुये कहा कि आयोग बार-बार अपनी चुनावी व्यवस्था और प्रक्रियाओं का विस्तृत विवरण दे चुका है तथा इस पूरी व्यवस्था को उसकी वेबसाइट पर देखा जा सकता है।

उन्होंने एक शायराना अंदाज में कहा कि लोग हमारी वफाई को जानते हैं, फिर भी सवाल उठाते रहते हैं। श्री कुमार ने कहा कि लोकतंत्र में सवाल उठाना व्यवस्था का हिस्सा है, उसका जबाव देना हमारा कर्तव्य है, पर सवाल ठोस होने चाहिए। उन्होंने मतगणना या ईवीएम में गड़बड़ी के बारे में फैलायी जाने वाली बातों का ग्राफिक विवरण के साथ जबाव देते हुये कहा कि पिछले 2020 से अब तक 30 राज्यों में चुनाव कराये जा चुके हैं, जिनमें 15 राज्यों में अलग-अलग पार्टियां सबसे बड़ा दल बनकर उभरी हैं।

श्री कुमार ने कहा, यह अपने आप में हमारी लोकतंत्रिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया की खूबसूरती की झलक है। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणाम के आधार पर चुनाव प्रक्रिया की आलोचना नहीं की जा सकती है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मतदाता सूचियों में लोगों के नाम काटे जाने के बारे में बार-बार शोर उठता है। इस समय भी इस तरह का शोर (दिल्ली में) सुनाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि 'फॉर्म-7' के भरे बिना किसी मृतक का नाम भी सूची से बाहर नहीं निकाला जाता। मतदाता सूची तैयार करने में 70 चरण अपनाये जाते हैं और हर चरण में प्रत्याशी और पार्टियों को साथ रखा जाता है।उन्होंने कहा कि किसी सूची में दो प्रतिशत से अधिक नाम कटने पर सहायक निर्वाचन अधिकारी (एआरओ) वहां खुद जाकर जांच करते हैं।

उन्होंने ईवीएम के बारे में आलोचनाओं को खारिज करते हुये कहा कि मशीनों को मतदान के साथ आठ दिन पहले चालू करने से लेकर गिनती के दिन तक प्रत्याशियों के समक्ष सील लगाने और सील खोलने की प्रक्रियाओं का विस्तार से वर्णन दोहराया। श्री कुमार ने शाम छह बजे के बाद मतदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी की शिकायतों के बारे में कहा कि छह बजे चुनाव खत्म हो और सवा छह बजे मतदान के आंकड़े जारी कर दिये जाएं, यह संभव नहीं है क्योंकि हर मतदान केन्द्र पर चुनाव अधिकारियों को 'फार्म-17सी' तैयार कर, वहीं प्रत्येक प्रत्याशी के एजेंट को देना होता है। यह हर मतदान केन्द्र पर पड़े वोट का लिखित लेखा-जोखा होता है, जो हर प्रत्याशी के पास होता है। इससे मतगणना के दिन खुले वोटों का मिलान भी होता है। उन्होंने कहा कि आयोग अब रात के 11 से 11:30 बजे तक वोट के अंतिम आंकड़े जारी करने के लिये प्रेस रिलीज जारी करता है। श्री कुमार ने कहा कि समय का यह अंतर केवल और केवल प्रक्रियागत है।मुख्य निर्वाचन आयोग ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार, अब तक कुल 67 हजार ईवीएम मशीनों की 4.5 करोड़ वीवीपैट की पर्चियों का मिलान किया गया है और इनमें एक भी गडबड़ी नहीं पायी गयी है। श्री कुमार ने यह भी बताया कि भारत में मतदाताओं की संख्या 99 करोड़ तक पहुंची गयी है और हम जल्द ही एक अरब मतदाताओं का देश बन जाएंगे।

उन्होंने राजनैतिक कार्यकर्ताओं से शालीन आचरण करने और चुनाव अधिकारियों पर दबाव न डालने की अपील की है।

श्री कुमार ने स्टार प्रचारकों और वरिष्ठ नेताओं से भी प्रचार के दौरान वाणी में संयम बरतने की अपील करते हुये कहा कि आयोग उल्लंघन पर बहुत शक्ति करेगा।

उन्होंने दिल्ली के मतदाताओं से पांच फरवरी को चुनाव में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुये कहा, लोकतंत्र में भागीदारी बढ़ाते रहे, बहुत सुंदर बगिया है, इसे सजाते रहें।

दिल्ली में नौवां मुख्यमंत्री...

पांच फरवरी को दिल्ली के लगभग एक करोड़ 55 लाख मतदाता 13 हजार से अधिक मतदान केंद्रों पर उम्मीदवारों और नौवें मुख्यमंत्री के लिए मतदान करेंगे।

दिल्ली में अभी तक अलग-अलग राजनीतिक दलों के आठ नेता मुख्यमंत्री के पद पर आसीन रहे हैं। दिल्ली विधानसभा की नांगलोई सीट के विधायक चौधरी ब्रहमप्रकाश 17 मार्च 1952 से 12 फरवरी 1955 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे। दरियागंज विधानसभा सीट के विधायक गुरूमुख निहाल सिंह 12 फरवरी 1955 से एक नवंबर 1956 तक मुख्यमंत्री बने। मोतीनगर सीट के विधायक मदन लाल खुराना दो दिसंबर 1993 से 26 जनवरी 1996 तक मुख्यमंत्री रहे। शालीमार विधानसभा के विधायक साहिब सिंह वर्मा 26 फरवरी 1996 से 12 अक्टूबर 1998 तक मुख्यमंत्री रहे। भाजपा की तेज तर्रार नेता श्रीमती सुषमा स्वराज 12 अक्टूबर 1998 से लेकर 03 दिसंबर 1998 तक दिल्ली की मुख्यमंत्री रही। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता तथा दिल्ली विधानसभा की नई दिल्ली विधानसभा सीट से विधायक रहने वाली श्रीमती शीला दीक्षित लगातार 15 साल 25 दिन तक मुख्यमंत्री रही थीं। श्रीमती दीक्षित 03 दिसंबर 1998 से लेकर 28 दिसंबर 2013 तक मुख्यमंत्री रही थीं। नई दिल्ली विधानसभा सीट से विधायक बनने वाले अरविंद केजरीवाल 28 दिसंबर 2013 से 21 सितंबर 2024 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे हैं। कालकाजी विधानसभा सीट से विधायक सुश्री आतिशी मार्लेना 21 सितंबर 2024 को दिल्ली की मुख्यमंत्री है।

वर्ष 1952 में पहली बार दिल्ली विधानसभा का गठन किया गया था। यह गठन राज्य सरकार अधिनियम 1951 के तहत किया गया था। बाद में एक अक्टूबर 1956 को दिल्ली विधानसभा को समाप्त कर दिया गया था। वर्ष 1966 में दिल्ली की शासन व्यवस्था चलाने के लिए महानगर परिषद का गठन किया गया था। दिल्ली महानगर परिषद में 56 निर्वाचित तथा पांच मनोनीत सदस्य थे। महानगर परिषद के पास कानून बनाने का कोई अधिकार नहीं था। उसकी भूमिका केवल सलाहकार की भूमिका थी।इसी दौरान वर्ष 1991 में संसद में 69वां संविधान संशोधन अधिनियम लाकर दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र अधिनियम 1991 के तहत दिल्ली विधानसभा का गठन किया गया। इसी के साथ दिल्ली विधानसभा के गठन तथा दिल्ली की सरकार बनने का सिलसिला शुरू हुआ।

भाजपा को...

तक मजबूत संगठनात्मक उपस्थिति। पार्टी ने चुनाव से महीनों पहले झुग्गी-झोपड़ियों और अनधिकृत कॉलोनियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए लक्षित समूहों और समुदायों के साथ हजारों छोटी-छोटी बैठकें कीं। मुख्यमंत्री निवास के जीर्णोद्धार पर कथित तौर पर भारी भरकम खर्च को रेखांकित करने के लिए 'शीश महल' और शराब घोटाले जैसे भ्रष्टाचार के मुद्दों को उजागर करके जनता की धारणा में बदलाव के लिए एक सतत अभियान चलाया। इसके कारण अरविंद केजरीवाल को दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में पद छोड़ना पड़ा। पानी की कमी, दूषित जलापूर्ति, वायु प्रदूषण, बारिश के दौरान जलभराव, क्षतिग्रस्त सड़कें, खराब सार्वजनिक बस परिवहन जैसे लोगों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा रही है।

पिछले साल मई में हुए आम चुनाव में भाजपा ने लगातार तीसरी बार दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की। सात लोकसभा सीट में विभाजित 70 विधानसभा क्षेत्रों में से 52 में भाजपा उम्मीदवारों को आपा के उम्मीदवारों से अधिक मत मिले।

तिब्बत में भूंकप...

जिनमें से सबसे बड़ा भूकंप 2017 में मेनलिंग में आया 6.9 तीव्रता का भूकंप था।

2015 में नेपाल की राजधानी काठमांडू के पास 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसमें देश के अब तक के सबसे भयानक भूकंप में लगभग 9,000 लोग मारे गए थे और हज़ारों लोग घायल हुए थे। मृतकों में माउंट एवरेस्ट बेस कैंप में हिमस्खलन की चपेट में आने से कम से कम 18 लोग मारे गए थे।

मेनलिंग तिब्बत की यारलुंग जांगबो नदी के निचले इलाकों में स्थित है, जहां चीन दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत बांध बनाने की योजना बना रहा है। इस प्रोजेक्ट को लेकर भारत ने भी अपनी चिंताएं जाहिर की हैं। हालांकि बीजिंग अपनी योजना के साथ आगे बढ़ रहा है।

चीन ने सोमवार को कहा कि ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने वाले बांध से भारत और बांग्लादेश पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। यह बात नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित परियोजना पर अपना विरोध दर्ज कराने के बाद कही गई।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि यारलुंग त्सांगपो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी का तिब्बती नाम) पर चीन द्वारा जलविद्युत परियोजना का निर्माण कठोर वैज्ञानिक सत्यापन से गुजरा है और इससे निचले देशों के पारिस्थितिकी पर्यावरण, भूविज्ञान और जल संसाधनों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

जियाकुन ने कहा कि यह बांध कुछ हद तक डाउनस्ट्रीम आपदा की रोकथाम, शमन और जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया में योगदान देगा।इससे पहले भारत ने बांध को लेकर अपना विरोध जताया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा, हमने चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में यारलुंग त्संगपो नदी (ब्रह्मपुत्र नदी) पर एक जलविद्युत परियोजना के संबंध में 25 दिसंबर 2024 को सिन्हुआ द्वारा जारी की गई सूचना देखी है। नदी के पानी पर हमारा अधिकार है और निचले तटवर्ती देश के रूप में, हमने लगातार विशेषज्ञ स्तर और कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष को उनके क्षेत्र में नदियों पर मेगा परियोजनाओं को लेकर अपने विचार और चिंताएं व्यक्त की हैं।जायसवाल ने कहा, नवीनतम रिपोर्ट के बाद इन चिंताओं को दोहराया गया है, साथ ही पारदर्शिता और निचले देशों के साथ परामर्श की जरुरत पर भी जोर दिया गया है। चीनी पक्ष से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है कि ब्रह्मपुत्र के निचले देशों के हितों को ऊपरी क्षेत्रों में गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे। हम अपने हितों की रक्षा के लिए निगरानी करना और आवश्यक उपाय करना जारी रखेंगे।

4 साल के निचले ...

इसमें आगे कहा गया है, वित्त वर्ष 2024-25 में वास्तविक जीवीए में 6.4% की वृद्धि हुई है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 7.2% थी। चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर सात तिमाहियों के निचले स्तर पर आ गई। दूसरी तिमाही का प्रदर्शन अर्थशास्त्रियों, नीति-निर्माताओं और बाजार पर नजर रखने वालों की उम्मीदों से काफी कम रहा। विकास दर में गिरावट के कारण चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि में कमी आई है। दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर में कमी का मुख्य कारण वर्ष की पहली छमाही में चुनाव के मौसम के कारण सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय में कमी है। एनएसओ के अनुमान के अनुसार 2024-25 के दौरान कृषि और संबद्ध क्षेत्र में वृद्धि 3.8% रहेगी, जबकि पिछले वर्ष यानी 2023-24 में 1.4% की वृद्धि देखी गई थी। आधिकारिक बयान में कहा गया है, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 'निर्माण' क्षेत्र और 'वित्तीय, रियल एस्टेट और व्यावसायिक सेवाओं' क्षेत्र के वास्तविक जीवीए में क्रमशः 8.6% और 7.3% की अच्छी वृद्धि दर देखने का अनुमान है। बयान में कहा गया है कि स्थिर कीमतों पर निजी अंतिम उपभोग व्यय (पीएफसीई) में पिछले वित्त वर्ष की 4.0% की वृद्धि दर की तुलना में वित्त वर्ष 25 के दौरान 7.3% की वृद्धि दर देखी गई है। इसमें कहा गया है, स्थिर कीमतों पर सरकारी अंतिम उपभोग व्यय (जीएफसीई) पिछले वित्त वर्ष की 2.5% की वृद्धि दर की तुलना में 4.1% की वृद्धि दर पर पहुंच गया है।

'भारतपोल' से...

कहा कि इसके माध्यम से हमारे देश के पुलिस विभाग विभिन्न प्रकार के वैश्विक अपराधों का अध्ययन और विश्-लेषण करेंगे, जिससे हम इन अपराधों को हमारे देश में होने से पहले ही रोकने के लिए एक रूपरेखा तैयार कर सकेंगे। उन्होंने कहा, इसके माध्यम से हम कई अंतरालों को पाटने, बहुत सारी जानकारी प्राप्त करने और सटीकता के साथ विभिन्न प्रकार के वैश्विक अपराधों का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे, जिससे हम इन अपराधों को हमारे देश में होने से पहले ही रोकने के लिए एक रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।उन्होंने कहा, भारतपोल के साथ, देश की हर एजेंसी और राज्य पुलिस बल अपनी जांच में तेजी लाने के लिए इंटरपोल से जुड़ सकेंगे। अमित शाह ने यह भी कहा कि भारतपोल न केवल अपराधियों का पता लगाने में मदद करेगा, बल्कि हमारे देश में अंतरराष्ट्रीय अपराधियों का पता लगाने के लिए एक प्रणाली स्थापित करने में भी मदद करेगा। गृह मंत्री शाह ने कहा, भारतपोल के माध्यम से हम अपने अपराधियों का पता लगाने में सक्षम होंगे और भारत में दुनिया भर के अपराधियों का पता लगाने के लिए एक सुव्यवस्थित प्रणाली भी स्थापित करेंगे। इसके अतिरिक्त, 195 देशों को कवर करने वाले इंटरपोल के संदर्भों के साथ, इंटरपोल चैनल के माध्यम से जांच के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहायता प्रदान करना और प्राप्त करना बहुत आसान हो जाएगा। इस कार्यक्रम में, शाह ने 35 सीबीआई अधिकारियों/कर्मचारियों को पुलिस पदक भी प्रदान किए, जिन्हें विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक और जांच में उत्कृष्टता के लिए गृह मंत्री के पदक से सम्मानित किया गया है।

राजनाथ सिंह...

मालदीव के रक्षा मंत्री श्री मोहम्मद घासन मौमून के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। भारत और मालदीव आध्यात्मिक, ऐतिहासिक, भाषाई और जातीय संबंध साझा करते हैं। मालदीव भारत की ' पड़ोसी पहले' नीति में एक विशेष स्थान रखता है, जिसका उद्देश्य हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में स्थिरता और समृद्धि लाना है। साथ ही , दोनों देश आईओआर की सुरक्षा और सुरक्षा बनाए रखने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं, इस प्रकार वे क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के भारत के दृष्टिकोण में योगदान करते हैं , रिलीज में कहा गया है।

एक भारतीय बन...

कनाडा की उप-प्रधानमंत्री और पूर्व वित्त मंत्री 'क्रिस्टिया फ्रीलैंड' प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे बड़ी दावेदार मानी जा रही है। आर्थिक मामलों पर उनकी पकड़ और अंतर्राष्ट्रीय मामलों में अनुभव उन्हें इस रेस में आगे ले जाता है। ट्रूडो के बेहद करीबी माने जाने वाले 'डोमिनिक लेब्लांक' भी पीछे नहीं है। वह कनाडा के मौजूदा वित्त मंत्री है।

ब्रह्म योग में 10 को किया जाएगा पुत्रदा एकादशी व्रत

पुत्रदा एकादशी साल में दो बार आती है। एक पौष माह की शुक्ल पक्ष में और दूसरी सावन माह के शुक्ल पक्ष में। इस साल पौष माह की पुत्रदा एकादशी का व्रत 10 जनवरी को रखा जाएगा। इस व्रत में जगत के पालनहार श्रीहरि विष्णु की पूजा आराधना की जाती है। मान्यता है कि पौष पुत्रदा एकादशी व्रत करने से वाजपेय यज्ञ के बराबर पुण्यफल की प्राप्ति होती है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 10 जनवरी को पुत्रदा एकादशी व्रत है। संतान सुख की कामना के लिए पौष पुत्रदा एकादशी का व्रत बहुत खास माना जा रहा है। धर्म शास्त्रों के अनुसार मुख्य रूप से पौष पुत्रदा एकादशी का व्रत पुत्र प्राप्ति के लिए रखा जाता है। ऐसे में जो लोग नि:संतान हैं, उनको यह व्रत जरूर रखना चाहिए। इस दिन व्रत रखने और पूजा करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती।

पौष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी पर संतान के सुखद भविष्य और स्वस्थ जीवन के लिए व्रत किया जाता है। पति-पत्नी एक साथ ये व्रत करते हैं तो उनकी संतान से जुड़ी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं। संतान के कार्यों में आ रही बाधाएं दूर हो सकती हैं। माता-पिता ये व्रत संतान की सुखी की कामना से करते हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर के साथ ही पांडवों को भी एकदाशी व्रत के बारे में बताया है। स्कंद पुराण के वैष्णव खंड में एकादशी महात्म्य अध्याय में एकादशियों की कथाएं बताई गई हैं। श्रीकृष्ण ने कहा था कि जो लोग एकादशी व्रत करते हैं, उन्हें सुख-शांति के साथ ही सफलता भी मिलती है। जाने-अनजाने में हुए पापों से मुक्ति मिलती है।

विशेष योग

इस वर्ष पौष मास की पुत्रदा एकादशी अत्यंत कल्याणकारी है। इस दिन सम्पूर्ण दिन ब्रह्म योग का विशेष संयोग उपस्थित है। शास्त्रों में इस शुभ संयोग में दान करने का विशेष महत्व वर्णित है। इस पवित्र अवसर पर व्रत करने से सभी इच्छाएं पूर्ण होती हैं।.

पौष पुत्रदा एकादशी तिथि

पौष माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन पुत्रदा एकादशी मनाई जाती है। इस साल पौष पुत्रदा एकादशी 10 जनवरी को मनाई जाएगी। पंचांग के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 09 जनवरी को दोपहर 12:22 मिनट पर होगी। वहीं, 10 जनवरी को सुबह 10:19 मिनट पर एकादशी तिथि का समापन होगा। साधक स्थानीय पंचांग के अनुसार व्रत रख सकते हैं।

ऐसे कर सकते हैं एकादशी व्रत

पुत्रदा एकादशी पर सुबह जल्दी उठना चाहिए। स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाएं। घर के मंदिर में भगवान विष्णु की पूजा करें और व्रत करने का संकल्प लें। इसके बाद भगवान गणेश और फिर भगवान विष्णु-लक्ष्मी की पूजा करें। दक्षिणावर्ती शंख में दूध भरकर श्रीकृष्ण का भी अभिषेक करें। विधिवत पूजा करें। जो लोग एकादशी व्रत करते हैं, उन्हें पूरे दिन अन्न का सेवन नहीं करना चाहिए। फलाहार करें और दूध पी सकते हैं।

विष्णु-लक्ष्मी की पूजा

पुत्रदा एकादशी की सुबह घर के मंदिर में भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद शंख में जल और दूध लेकर प्रतिमा का अभिषेक करें। भगवान को चंदन का तिलक लगाएं। चावल, फूल, अबीर, गुलाल, इत्र आदि से पूजा करें। इसके बाद धूप-दीपक जलाएं। लाल-पीले चमकीले वस्त्र अर्पित करें। मौसमी फलों के साथ सुपारी भी रखें। गाय के दूध से बनी मिठाई का भोग लगाएं। भगवान की आरती करें। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। इस पूजा करने के बाद भगवान से जानी-अनजानी गलतियों के लिए भगवान से क्षमा याचना करें। पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें।

पौष पुत्रदा एकादशी व्रत का महत्व

इस व्रत को करने से श्रीहरि विष्णु के अलावा मां लक्ष्मी की भी कृपा प्राप्त होती है। धार्मिक मान्यता है कि यदि कोई जातक इस व्रत को विधि पूर्वक करता है, तो जल्द ही उसे संतान सुख की प्राप्ति होती है। इसके अलावा लंबे समय से रुके हुए कार्य भी पूरे हो सकते हैं।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

एकादशी पर राशि अनुसार करें इन चीजों का दान, बरसेगी श्रीहरि की कृपा

हर साल पौष माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि पर पुत्रदा एकादशी का व्रत किया जाता है और भगवान विष्णु एवं धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। साथ ही व्रत के नियम का पालन जरूर करना चाहिए। धार्मिक मान्यता है कि सच्चे मन से पुत्रदा एकादशी व्रत करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है और जीवन में संतान से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। साथ ही जीवन में खुशियों का आगमन होता है।

वैदिक पंचांग के अनुसार, 10 जनवरी को पुत्रदा एकादशी है। धार्मिक मान्यता है कि पुत्रदा एकादशी के दिन पूजा-अर्चना करने के बाद राशि अनुसार दान करने से धन लाभ के योग बनते हैं और हमेशा अन्न और धन से भंडार भरे रहते हैं। पुत्रदा एकादशी के शुभ अवसर पर किस राशि के जातक को किस चीज का दान करना फलदायी होगा।

राशि अनुसार दान

मेष राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर लाल रंग के कपड़े का दान करें। इससे वैवाहिक जीवन खुशहाल होगा।

वृषभ राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर चावल और सफेद कपड़े का दान करें। इससे चंद्र दोष दूर होगा।

मिथुन राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर गौशाला में धन का दान करें। इससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। कर्क राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर चावल, चीनी, नमक और दूध का दान करें। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होंगे।

सिंह राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर गेहूं का दान करें। इससे हमेशा अन्न के भंडार भरे रहेंगे।

कन्या राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर साबुत मूंग और हरे रंग के वस्त्र का दान करें। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होंगे।

तुला राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर सफेद रंग के वस्त्र का दान करें। इससे सफलता के रास्ते खुलेंगे।

वृश्चिक राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर लाल रंग के वस्त्र का दान करें। इससे मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होगी।

धनु राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर पीले रंग के वस्त्र का दान करें। इससे पूजा का पूरा फल प्राप्त होगा। मकर राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर धन का दान करें। इससे धन लाभ के योग बनेंगे।

कुंभ राशि के जातक पौष एकादशी पर चमड़े के जूते-चप्पल और नीले रंग के वस्त्र का दान करें।

मीन राशि के जातक पौष पुत्रदा एकादशी पर पके केले, चने की दालपऔर मूंग दाल का दान करें। इससे सभी मुरादें पूरी होंगी।

3 राशियों की चमकेगी किस्मत, बिजनेस में होगी वृद्धि

धार्मिक मान्यता है कि पुत्रदा एकादशी व्रत करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। इस बार पौष पुत्रदा एकादशी पर कई शुभ योग बन रहे हैं, जिनका असर कुछ राशि के जातकों पर पड़ेगा, जिससे 3 राशियों के अच्छे दिन शुरू होंगे। ऐसे में आइए इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि पुत्रदा एकादशी से किन राशियों की किस्मत चमकने वाली है।

मेष – पौष पुत्रदा एकादशी मेष राशि के जातकों के लिए करियर की दृष्टि से शुभ रहने वाली है। सफलता के नए रास्ते खुलेंगे। लंबे समय से खराब आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। बिजनेस में लाभ मिलेगा।

कर्क – इसके अलावा पौष पुत्रदा एकादशी से कर्क राशि के जातकों के अच्छे दिन शुरू होंगे। बिजनेस में लोगों के लाभ प्राप्त होगा और रुके हुए काम जल्द पूरे होंगे। हेल्थ को लेकर समय अच्छा रहने वाला है। पुत्रदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करें। इससे जीवन खुशहाल होगा।

धनु – धनु राशि के जातकों के घर में खुशियों का आगमन होगा। किसी चीज में इन्वेस्टमेंट करने से लाभ मिलेगा।। घर और परिवार में किसी की मदद से रुके हुए काम पूरे होंगे, जिससे मन प्रसन्न होगा।

करें ये उपाय –यदि आप लंबे समय आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो पुत्रदा एकादशी के दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की उपसना करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। माना जाता है किए इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी दूर होती है और धन लाभ के योग बनते हैं। साथ ही कारोबार में मनमुताबिक सफलता मिलती है।

प्रदोष व्रत पर पूजा के समय करें नटराज स्तुति, कोसों दूर रहेंगी समस्याएं

हर माह की त्रयोदशी तिथि पर भगवान शिव के निमित्त प्रदोष व्रत किए जाने का विधान है। ऐसे में हर माह में दो बार प्रदोष व्रत किया जाता है। ऐसे बार शुक्ल पक्ष में और एक बार कृष्ण पक्ष में। पौष माह को शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी पर साल 2025 का पहला प्रदोष व्रत किया जाएगा। इस दिन पर आप नटराज स्तुति का पाठ कर शिव जी की असीम कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

प्रदोष व्रत शुभ मुहूर्त

पौष माह को शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि 11 जनवरी को सुबह 08 बजकर 21 मिटन पर शुरू हो रही है। वहीं इस तिथि का समापन 12 जनवरी को सुबह 06 बजकर 33 मिनट पर होने जा रहा है। प्रदोष व्रत की पूजा प्रदोष काल में करने का विधान है। ऐसे में प्रदोष व्रत शनिवार, 11 जनवरी 2025 को किया जाएगा। इस दिन शिव जी की पूजा का मुहूर्त ये रहने वाला है –

प्रदोष व्रत पूजा मुहूर्त –

शाम 05 बजकर 43 मिनट से 08 बजकर

26 मिनट तक

।। नटराज स्तुति पाठ।।

सत सृष्टि तांडव रचयिता
नटराज राज नमो नमः।
हे आद्य गुरु शंकर पिता
नटराज राज नमो नमः।।
गंभीर नाद मृदंगना
धबके उरे ब्रह्माडना।
नित होत नाद प्रचंडना
नटराज राज नमो नमः।।
शिर ज्ञान गंगा चंद्रमा
चिद्ब्रह्म ज्योति ललाट मां।
विषनाग माला कंठ मां
नटराज राज नमो नमः।।
तवशक्ति वामांगे स्थिता
हे चंद्रिका अपराजिता।
चहु वेद गाए संहिता
नटराज राज नमोः।।

शिव जी को प्रसन्न करने के लिए प्रदोष व्रत एक उत्तम तिथि मानी जाती है। ऐसे आप इस तिथि पर विशेष महादेव की पूजा-अर्चना द्वारा सुख-समृद्धि की प्राप्ति कर सकते हैं। इस दिन पर शिव जी के मंत्रों के साथ-साथ नटराज स्तुति का पाठ करना भी विशेष लाभकारी माना जाता है।

शिव जी के मंत्र –

ॐ नमः शिवाय।।

महामृत्युञ्जय मन्त्र - ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

शिव गायत्री मन्त्र - ॐ महादेवाय विद्महे रुद्रमूर्तये धीमहि
तन्नः शिवः प्रचोदयात्।।

पौष महीने में 11 को रोहिणी व्रत मनाया जाएगा

जैन धर्म में रोहिणी व्रत का विशेष महत्व है। यह पर्व हर महीने मनाया जाता है। इस दिन भक्ति भाव से भगवान वासुपूज्य स्वामी की पूजा की जाती है। साथ ही उनके निमित्त व्रत रखा जाता है। धार्मिक मत है कि रोहिणी व्रत पर भगवान वासुपूज्य स्वामी की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। विवाहित महिलाएं सुख और सौभाग्य में वृद्धि और पति की लंबी आयु के लिए रोहिणी व्रत के दिन उपवास रखती हैं। नवविवाहित महिलाएं पुत्र प्राप्ति के लिए रोहिणी व्रत करती हैं। इस व्रत के पुण्य-प्रताप से साधक को सभी प्रकार के सांसारिक सुखों की प्राप्ति होती है।

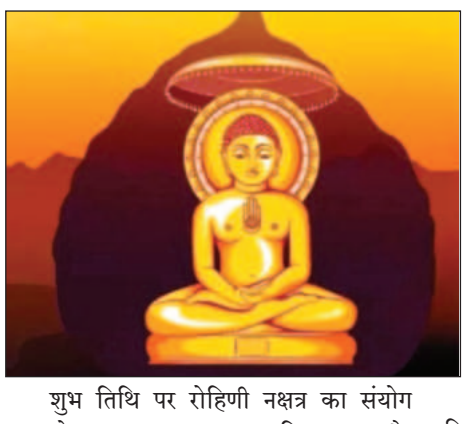

शुभ मुहूर्त

हिन्दू पंचांग के अनुसार, पौष माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि यानी 11 जनवरी को रोहिणी व्रत मनाया जाएगा। इस शुभ तिथि पर रोहिणी नक्षत्र का संयोग दोपहर 12 बजकर 29 मिनट तक है। साधक सुविधा अनुसार समय पर परमपूज्य भगवान वासु स्वामी की पूजा कर सकते हैं। रोहिणी व्रत त्रयोदशी तिथि में मनाया जाएगा।

शुभ योग

पौष माह के रोहिणी व्रत पर शुक्ल योग और ब्रह्म योग का संयोग बन रहा है। शुक्ल योग दोपहर तक है। वहीं, ब्रह्म योग रात भर है। इस योग में भगवान वासु स्वामी की पूजा करने से सुख और सौभाग्य में वृद्धि होगी। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी। इसके साथ ही रोहिणी व्रत पर शिववास योग का भी संयोग है। इस तिथि पर महादेव कैलाश और नंदी पर विराजमान रहेंगे।

पूजा विधि

साधक पौष माह के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के दिन ब्रह्म बेला में उठें। इसके बाद घर की साफ-सफाई करें। अब नित्य कर्मों से निवृत होकर गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। अब आचमन कर नए कपड़े पहनें और सूर्य देव को जल का अर्घ्य दें। इसके बाद पंचोपचार कर भक्ति भाव से भगवान वासुपूज्य स्वामी की पूजा करें। भगवान वासुपूज्य स्वामी को फल, फूल आदि चीजें अर्पित करें। अंत में आरती कर सुख और समृद्धि की कामना करें।

112वीं पुण्यतिथि समारोह पर विशेष

सांई पंडित गणेश नारायणजी की महासमाधि एवं विदेहमुक्ति

शेखावाटी के सांई पंडित गणेश नारायणजी शक्ति के साक्षात दर्शन कर विरक्त और निस्पृह बन गए। वे विरक्त न होते, यह संभव ही नही था। वास्तव में देवी का दर्शन एक प्रकार से ब्रह्म का दर्शन है। ब्रह्म का दर्शन कर दिव्य जीवन हेतु मानवता को पवित्र मार्ग-दर्शन कराने के कारण उन्हें परमपद की प्राप्ति हुई। उनके जीवन मे आलोकिक घटनाएं घटी है। इस प्रकार आलौकिक आनंद, श्वेतसारस, ज्योति शिखर, मां काली ये सब अनन्त ब्रह्म के प्रतीक है। ऐसे अनुभव उन्हीं लोगो को होते है जो दिव्यात्माएं है।

धार्मिक वृत्ति वाले परिवार में पंडित गणेश नारायण का जन्म होना, पंडित रूडेन्द्र जैसा विद्वान गुरू मिलना सौभाग्य की बात थी। घर एवं पाठशाला का वातावरण पवित्र था। नवलगढ के द्वारकाधीश के मंदिर का संकीर्तन, आराधना एवं उपासना, कर्मकाण्ड में जीविकोपार्जन के लिए व्यस्त होना, विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करना, प्रायः देवी और शिव की आरती के समय आनन्द विभोर हो जाना कुछ ऐसी बाते थी जिनसे स्पष्ट था कि बीज प्रारंभ से ही बोया जा चुका था और बोने वाला स्वयं ब्रह्म था। वह शक्ति के बहाने परमहंस जी को अपनी ओर आने के लिए धीमे-धीमे स्वर में पुकार रहा था। वे उसके स्वर को सुनते थे और एक कदम आगे बढते थे। इसी बीच उनकी आत्मा के उपर से मोह का झीना आवरण धीरे-धीरे हटता गया और आत्मा काव्यमय होती गयी।

पंडितजी के स्वलिखित अथवा प्रतिलिपिबद्ध सहित्य का निम्नांकित पद्य मिला है जो उन्हे अत्यन्त प्रिय था।

पल में पवन घनेरी चलती, पल में पत्ते हले ना चल, पल में पंछी उडते देखे, पल में आय कटा दे गल, पल में कूप-तालाब सुखा दे, पल में कर दे जल ही जल, पल भर में वो भीख मंगा दे, जिनके लारे लश्कर दल, पल भर में वो राजा कर दे, जिनके कर में स्वाति जल, पल भर में वो जवान बना दे, पल में कर दे वृद्धावल, कहते हैं करता से डरियो, करता लावे घड़ी ना पल।

उपरोक्त पद से यह समझ में आता है कि पंडित गणेश नारायणजी अपनी साधना की पुर्वावस्था से ही करता अर्थात ब्रह्म की अपारशक्ति से आकर्षित थे जिससे समस्त संसार संचालित होता है। बचपन से लेकर शक्ति की झलक तक का सफर भक्ति भावना व योग साधना का प्रथम चरण परमहंस या परमपद की प्राप्ति की तैयारी मात्र थी। शक्ति

साक्षात्कार के पश्चात लोग उन्हे बावलिया पंडित कहने लगे। परन्तु वास्तविकता यह थी कि वे सच्चितानन्द की खोज में पागल थे। शिव स्वयं औघड़ है अतः आवश्यक आचार संहिता अनुसार परमहंस पंडित गणेश नारायण जी ने औघड़ मार्ग अपनाया। उन्होनें नीले वस्त्र धारण किये, वह भी तन ढकने मात्र के लिये और सदैव अपने पास एक मृतिका पात्र (हंडिया) एवं शिव शक्ति के त्रिशूल के रूप मे लकडी साथ रखने लगे। पंडित गणेश नारायणजी बुगाला से नवलगढ, गुढ़ा (गौडजी), जसरापुर होते हुए शिवनगरी चिड़ावा पहुंच गए। चिड़ावा शब्द की व्युत्पत्ति पर ध्यान देने से सहज रूप से यह ज्ञात होता है कि चिड़ावा देवताओं एवं महात्माओं की आवास भूमि ही है, इसीलिए उसे शिवपुरी कहा गया है। यह राजस्थान की काशी है, राजस्थान की संत साधना मे उसका बहुत उंचा स्थान रहा है। पंडितजी ने अपने लिए दो स्थानों का चयन कर लिया प्रथम शिव की क्रीडास्थली चिडावा का शमशान एवं द्वितीय, चौरासियों के मंदिर का शिवालय।

वे अपनी पूर्ण शक्ति लगाकर दुर्गा की दस शक्तियों में से भुवनेश्वरी के स्थान में उन्हीं की असीम शक्ति काली अथवा शमशान काली की साधना मे लग गये। काली शीघ्र ही सिद्ध हो गयी, कहते हैं दुर्गा मां की सिद्ध शक्ति शमशान काली ने ही उन्हे ड मंत्र से शिव की साधना का आदेश दिया, ड शिव का बीज मंत्र है। पंडितजी अवकाश के सामान्य क्षणो मे भी ड ड ड ड जपते रहते थे इस माध्यम से उनके लिये प्रत्येक कण और प्रत्येक क्षण ब्रह्ममय हो जाता था। इसी प्रकार उन्हे परमहंस पद प्राप्त हुआ।

एक बार सेठ जुगल किशोर बिडला ने परमहंस पंडित गणेशनारायण जी से चिड़ावा छोडकर पिलानी को अपनी सिद्ध भूमि बनाने का आग्रह किया। उन्होंने नीले वस्त्रों से अपने रथ को सजवाया, उसमे नील वर्ण बैल जोते गए । बिड़लाजी के बड़े आग्रह और हठ ने परमहंस को रथ में बैठने को विवश किया। रथ चल पडा, किन्तु मार्ग में भगीनिया जौहड़ा की सीमा आते ही परमहंस रथ पर से कूद पडे। श्री बिड़ला के पुनः आग्रह करने पर उन्होंने कहा : 'जुगलिया मन्नै शिवपुरी से क्युं काडै छैः? यह शिवपुरी छैः, मन्नै तो उरे ही रहवा दे अर्थात हे जुगलकिशोर, मुझे शिवपुरी छोडने पर क्यों मजबूर करते हो? यह तो शिवपुरी है, मुझे यहीं रहने दो।

परमहंस पंडित गणेश नारायणजी ने चौरासियों के शिवालय में ही पार्थिव शरीर का त्याग संवत 1969 पौष सुदी नवमी गुरूवार को प्रातः काल ब्रह्म मुहुर्त में किया। इनका जन्म भी पौष माह में गुरूवार को प्रातः को ही हुआ था। शरीर त्याग आपने अपनी इच्छा से किया साथ ही सम्पर्क में रहने वाले व्यक्तियों को आपने यह सूचना पहले ही दे दी थी परन्तु कोई समझ नहीं सका और आपने चोला बदल दिया। अंतिम शोभायात्रा में चिड़ावा के सभी वर्गों के लोग अपना कर्तव्य समझकर अपने-अपने कार्य में जुटे हुये थे। भिस्ती रास्ते में पानी छिड़क रहे थे। मेहतर झाड़ू निकाल रहे थे तथा खाती बैकुण्ठी तैयार कर रहे थे। भजन मण्डली भजन गा रही थी। कुछ श्रद्धालु भक्त अंतिम शोभायात्रा की अनुपम योजना बना रहे थे। नारियल, पतासे तथा कपूर, गुलाल व धूप के ढेर लग रहे थे। उनकी शोभायात्रा नगर के प्रमुख रास्तों पर जाते हुए शमशान तक पहुँची तो रास्ते में पड़ने वाले मंदिरों के सामने आपकी आरती उतारी गई और सभी प्रमुख रास्तों पर जाते हुए अपार जनसमूह ने आपके दर्शन किये तथा श्रद्धा से मस्तक झुकाकर अंतिम प्रणाम किया। पतासे व पैसे भारी मात्रा में उपर से उछाले जा रहे थे परन्तु भारी जनसमूह के इक्ट्ठा होने के कारण जमीन तक नहीं पड़ने पाते थे। उन्हें उपर ही प्रसाद स्वरूप ले लेते थे। चिड़ावा के इतिहास में परमहंस पंडित गणेश नारायणजी की अंतिम शोभायात्रा चिरस्मरणीय रहेगी अपार जन समूह के जय-जयकार से आसमान गूंज रहा था गाजे बाजे के साथ श्रद्धालु भक्तों की भावभीनी श्रद्धांजलि लेते हुए आप अपने चिर साधना स्थल श्मशान भूमि पहुँचे । इस प्रकार पंडित जी का अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ। चिड़ावा के सभी नागरिक व सभी वर्ग समुदाय आपको अपने ग्रामदेव एवं इष्टदेव के रूप में मानकर ध्यायकर मनोवांछित फल प्राप्ति कर लाभ उठाते है ।

-विकास मोदी
9246885011

22 साल से नहीं की कोई फिल्म, फिर भी धनवान

मुसलमान होकर कहलाया हनुमान भक्त, कभी बिजनेस में लगाए थे 10000 करोड़

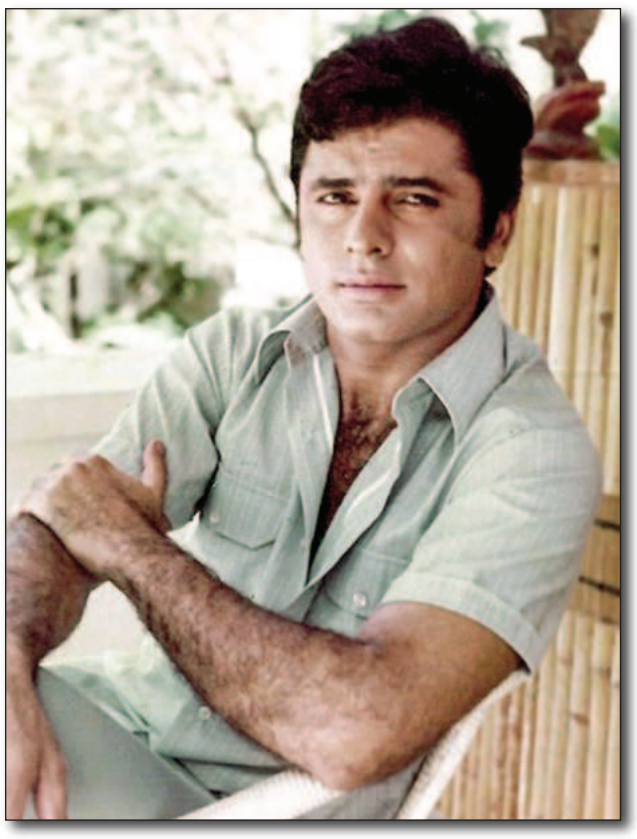

बॉलीवुड में ऐसे कई सितारे हुए जिन्होंने अपने समय में इंडस्ट्री पर राज किया और बाद में गुमनामी के अंधेरे में खो गए। ग्लैमर की दुनिया से गायब हुए तो रहने-खाने के भी लाले पड़ गए और बुढ़ापा आने पर इलाज के लिए भी पैसों की किल्लत सहनी पड़ी। कई दिग्गज सितारों और कलाकारों के संबंध में आपने ऐसी कहानियां सुनी होंगी। सिक्के के दो पहलू की तरह कई ऐसे सितारे भी हैं, जो कई दशक तक ग्लैमर इंडस्ट्री से दूर रहने के बावजूद ऐशो-आराम की जिंदगी बिता रहे हैं। करीब दो दशक से ज्यादा समय तक काम से दूर रहने के बावजूद एक्टर और डायरेक्टर संजय खान आरामदेह जिंदगी बिता रहे हैं और ना ही उन्हें पैसों की कोई कमी है। लंबे समय से पर्दे और डायरेक्शन से दूर संजय खान अपने बिजनेस के दम पर लग्जरियस जिंदगी जी रहे हैं।

10 हजार करोड़ का बिजनेस

संजय खान का जन्म बेंगलुरु के एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। अफगानी पिता और पारसी मां के पांच संतान में से एक फिरोज खान के बचपन का नाम अब्बास अली खान था। बिजनेसमैन पिता की तरह संजय खान भी व्यवसाय से काफी पहले जुड़ गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 80 के दशक में ही उन्होंने चावल निर्यात का व्यवसाय शुरू किया था, जिसमें वह मध्य पूर्वी देशों में चावल का निर्यात करते थे।

1997 में उन्होंने बैंगलोर में अपने ड्रीम प्रोजेक्ट पांच सितारा डीलक्स गोल्डन पाम्स होटल और स्पा लॉन्च किया था। उनकी पत्नी जरीन खान ने होटल के भीतरी हिस्से को डिजाइन किया था। करीब 150 कमरे वाले गोल्डन पाम्स होटल और स्पा पर 2010 तक एक्टर का मालिकाना हक था। एक्टर रियल एस्टेट में भी एक्टिव रहे हैं और एस्सके प्रोपर्टीज नाम से उनका एक रियल एस्टेट फर्म भी है। करीब 10 हजार करोड़ की लागत के साथ उन्होंने 2018 में एक थीम पार्क बनाने की घोषणा की थी, लेकिन कुछ विवादों के चलते प्रोजेक्ट बंद हो गया था।

टीवी शोज भी बना चुके हैं एक्टर

संजय खान ने न सिर्फ बॉलीवुड के गोल्डन बॉय के तौर पर पहचान बनाई बल्कि एक्टिंग के बाद टीवी की दुनिया में भी हाथ आजमाया। बड़े पर्दे के बाद एक्टर ने छोटे पर्दे पर भी एक्टिंग का हुनर दिखाया। संजय खान ने कई टीवी शोज

का निर्माण और निर्देशित किया। टीवी सीरियल 'द स्वॉर्ड ऑफ टीपू सुल्तान' को निर्देशित करने के साथ-साथ संजय खान ने शो को डायरेक्ट भी किया था। एक्टिंग की बात करें तो यह शो उनके करियर का आखिरी पड़ाव था। आखिरी बार वह डीडी नेशनल पर प्रसारित होने वाले इसी शो में नजर आए थे। इसके अलावा उन्होंने जय हनुमान, द ग्रेट मराठा और 1857 क्रांति जैसे कई अन्य टीवी शोज का निर्माण और निर्देशन भी किया था।

कहलाए हनुमान भक्त

संजय खान की हनुमान भक्ति की कहानी काफी दिलचस्प है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि जब वह 13 महीने तक अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच लड़ रहे थे, तब एक हनुमान मंदिर के पुजारी ने उनके लिए प्रार्थना की, इसके बाद, वह जयपुर के पास समोद पैलेस के एक हनुमान मंदिर गए और वहां हनुमान जी के बारे में जाना। इस अनुभव ने उनके जीवन पर गहरी छाप छोड़ी। इसी प्रेरणा से उन्होंने भगवान हनुमान पर एक टीवी शो 'जय हनुमान' बनाया, जिसे लोगों ने बहुत पसंद किया। यह शो भगवान हनुमान की कहानियों और भक्ति को लोगों तक पहुंचाने का जरिया बना।

जन्मदिन मुबारक साहब, इरफान खान की जयंती पर छलका पत्नी सुतापा सिकदर का दर्द

दिवंगत अभिनेता इरफान खान की मंगलवार को 58वीं जयंती हैं। आज वह हमारे बीच भले ही न हो मगर उनकी शानदार फिल्में उन्हें कभी हमारे बीच से दूर नहीं होने देंगी। अभिनेता को उनके फैंस के साथ ही फिल्म जगत के सितारों ने भी याद किया। वहीं, इरफान खान की पत्नी ने दिवंगत पति के लिए एक बेहद भावुक कविता लिखी।सोशल मीडिया पर एक्टिव सुतापा सिकदर ने एक पोस्ट शेयर कर अपने दिल के जज्बात को शेयर करते हुए अपनी पीड़ा को भी फैंस के साथ बयां किया।

इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर एक कविता को पोस्ट कर सुतापा ने कैप्शन में लिखा, मुश्किल कि कैसे कहें तुमसे मोहब्बत अपनी, लब्ज हैं कि आबरू बचा लेते हैं। जन्मदिन मुबारक इरफान साहब, याद आती है। कविता कुछ ऐसे है, मुझे नींव में सुकून है, ख्वाहिश नहीं कि मकान हो जाऊं। जहां जिस्म को राहत रूह को चैन मिले, ऐसा शमशान हो जाऊं। कोई बड़ी चाहत नहीं मुझे अभिनय से, बस इतना हो कि मौत से पहले, मैं इरफान हो जाऊं।

दिवंगत अभिनेता इरफान की पत्नी और उनके बेटे बाबिल सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और अक्सर उनसे जुड़े पोस्ट को साझा करते रहते हैं। बाबिल ने हाल ही में अपने पिता के लिए एक भावुक नोट लिखा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि बाबा मुझे आपकी हमेशा याद आती है। वहीं, बाबिल ने पिता को खोने के बाद अपनी मां से एक पोस्ट में कहा था कि मेरी जिंदगी चल रही है क्योंकि आप मौजूद हैं।

भावुक वीडियो में मां के प्रति अपना प्यार दिखाते हुए उन्होंने कहा था कि उनकी जिंदगी उनकी वजह से चल रही है।

बाबिल ने अपने दिवंगत पिता और अभिनेता इरफान के एक पुराने इंटरव्यू का वीडियो शेयर किया था। क्लिप में, इरफान और अक्षय कुमार दोनों से उनके बेटों की आकांक्षाओं के बारे में पूछा गया था। जवाब में अभिनेता ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया था कि उनका बेटा अब भी यह तय करने की कोशिश कर रहा है।

इस पुराने वीडियो को शेयर करते हुए बाबिल खान ने लिखा था, जब राजीव मसंद ने अक्षय कुमार और बाबा से पूछा कि आपके बेटे उस उम्र में होंगे जहां (अपने करियर के बारे में) तय कर रहे होंगे, तो बाबा ने तुरंत टोकते हुए कहा कि 'मेरा बेटा अभी तय नहीं कर पाया है।' जब बाबा ने वह इंटरव्यू दिया था, तब मैं जीवन में खोया हुआ था और मैं आज भी उस ईमानदारी पर खुशी से हंसता हूं जिसके साथ उन्होंने कहा था कि मेरा बेटा तय नहीं कर पाया है।

बंदिश बैंडिट्स की अभिनेत्री श्रेया ने कहा, नसीरुद्दीन शाह की प्रतिक्रिया मेरे लिए बड़ा पुरस्कार

बंदिश बैंडिट्स सीजन 2 के प्रमुख किरदारों में से एक अभिनेत्री श्रेया चौधरी ने कहा कि दिग्गज स्टार नसीरुद्दीन शाह की प्रतिक्रिया और उनके प्रदर्शन की प्रशंसा उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।पंडित जी का किरदार निभाने वाले नसीरुद्दीन शाह के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए श्रेया ने कहा, नसीरुद्दीन सर मेरी प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत हैं। मैंने सीजन एक में उनसे बहुत कुछ सीखा है। मैं भाग्यशाली थी कि मुझे उन्हें देखने और उनके साथ काम करने का मौका मिला।अभिनेत्री ने कहा,सीजन 2 देखने के बाद सर से संदेश मिलना मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। प्रदर्शन के लिए उनकी प्रतिक्रिया और प्रशंसा मेरे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है। यह बहुत संतुष्टिदायक और आश्वस्त करने वाला है, और मुझे यह एहसास दिलाता है कि एक कलाकार के तौर पर मैं तैयार हो रही हूं।म्यूजिक सीरीज बंदिश बैंडिट्स में नए कलाकार ऋत्विक भौमिक ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकार राधे राठौड़ की भूमिका निभाई है और श्रेया चौधरी इसमें पॉप गायिका तमन्ना शर्मा की भूमिका निभा रही हैं।इसमें संगीत एक अनुशासन बनाम मुक्ति का साधन होने की बहस की पड़ताल करता है। इस सीरीज में अर्जुन रामपाल, शीबा चड्ढा और अतुल कुलकर्णी जैसे कई अन्य नाम भी शामिल हैं।उन्होंने फिल्म निर्माता इम्तियाज अली को यह विश्वास दिलाने का श्रेय दिया था कि वह एक कलाकार बन सकती हैं।इम्तियाज अली की लघु फिल्म द अदर वे में श्रेया ने कहा, इम्तियाज सर ने मुझे विश्वास दिलाया कि मैं एक कलाकार बन सकती हूं, और उनके साथ काम करने से मेरा यह सपना और मजबूत हुआ। अब मैं बड़ा सपना देख सकती हूं और इस पेशे को अपना सकती हूं।उन्होंने कहा, मैं इम्तियाज सर के साथ काम करने के अनुभव को हमेशा संजो कर रखूंगी, क्योंकि उनके साथ काम करते हुए मैंने जो कुछ सीखा है, वह वाकई खास है।मैं बस अपनी उंगलियां क्रॉस करके इंतजार कर रही हूं कि मैं अपनी जिंदगी में एक बार इम्तियाज अली की हीरोइन बनूं।श्रेया 2025 में अभिनेता बोमन ईरानी की बहुप्रतीक्षित निर्देशन वाली पहली फिल्म द मेहता बॉयज में अविनाश तिवारी के साथ नजर आएंगी।

हिमेश रेशमिया की फिल्म बैडएस रवि कुमार का पहला गाना दिल के ताज महल में जारी

गायक और अभिनेता हिमेश रेशमिया मौजूदा वक्त में अपनी आगामी फिल्म बैडएस रवि कुमार को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में कोरियोग्राफर और अभिनेता प्रभु देवा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म 7 फरवरी, 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।अब इससे पहले निर्माताओं ने बैडएस रवि कुमार का पहला गाना दिल के ताज महल में जारी कर दिया है, जिसमें हिमेश और प्रभु देवा डांस करते हुए नजर आ रहे हैं।दिल के ताज महल में गाने को हिमेश ने अपनी आवाज दी है। इस गाने के बोल मयूर पुरी ने लिखे हैं।इस हाई-ऑक्टेन एक्शन म्यूजिकल फिल्म का निर्देशन कीथ गोम्स कर रहे हैं। हिमेश खुद इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। बता दें हिमेश लंबे अंतराल के बाद अभिनय की दुनिया में लौट रहे हैं। वह पिछली बार फिल्म हैप्पी हार्डी एंड हीर (2020) में नजर आए थे।

मौनी रॉय की ग्लैमरस तस्वीरों ने मचाया धमाल

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं। एक्ट्रेस मौनी रॉय सोशल मीडिया लवर हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है।टीवी और बॉलीवुड की लोकप्रिय अदाकारा मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पोस्ट से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। मौनी ने अपने ग्लैमरस अवतार में कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में मौनी ब्लैक एंड वाइट प्रिंटेड को-ऑर्ड सेट में नजर आ रही हैं और उनका आत्मविश्वास और स्टाइल हर किसी का ध्यान खींच रहा है।एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी अदाओं से बोल्डनेस का तड़का फैंस के बीच लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं।एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी हर अदाओं पर अपना दिल हार जाते हैं।बता दें कि एक्ट्रेस मौनी रॉय अपनी हर अदाओं से सोशल मीडिया का पारा गर्म करने लगती हैं। उनका स्टनिंग अवतार सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है।मौनी ने इन तस्वीरों के साथ मजेदार कैप्शन लिखा, समस्या का हिस्सा क्यों बनें; पूरी समस्या बनें। उनके इस अंदाज पर फैंस और सेलेब्रिटी जमकर प्यार बरसा रहे हैं। दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया और मृणाल ठाकुर जैसे सितारों ने कमेंट सेक्शन में फायर और हार्ट इमोजी के साथ उनकी तारीफ की है।इंडियन हो या फिर वेस्टर्न मौनी रॉय का हर अंदाज काफी शानदार होता है। उनके हर एक स्टाइल को फैंस काफी ज्यादा फॉलो करते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। एक बेहतरीन शाम के लिए दोस्त घर आ सकते हैं। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन–साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। जीवन की आप–धापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। जी–वनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। समय और धन की कद्र आप को करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच–विचार कर लें। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक घटना आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। तनाव से भरा दिन, जब नज़दीकी लोगों से कई मतभेद उभर सकते हैं। आज के दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए गहरी आत्मीयतापूर्ण बातें का सही समय है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाक़ात संभव है, जिसके चलते पुरानी ख़ुशनुमा यादें फिर तरोताज़ा होंगी। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आज आपको भूमि, रिअल–एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। आप अपनी परेशानियों को भूलकर परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है जीवनसाथी आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त–दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। खाली वक्त्त में कोई पुस्तक पढ़ सकते हैं। हालांकि आपके घर के बाकी सदस्य आपकी एकाग्रता को भंग कर सकते हैं

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन–देन से जुड़े मामलों में जितना आप सतर्क रहेंगे उतना ही आपके लिए अच्छा रहेगा। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। इस राशि के छात्र–छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज घर की छोटी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत बढ़िया रहेगी। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। अचानक आयी ज़िम्मेदारी आपकी दिन की योजनाओं में बाधा डाल सकती है। आप पाएंगे कि आप दूसरों के लिए ज़्यादा और ख़ुद के लिए कम कर पा रहें। प्रेम–जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। तरोताज़गी और मनोरंजन के लिए बढ़िया दिन, लेकिन अगर आप काम कर रहे हैं तो व्यावसायिक लेन–देन में सावधानी की ज़रूरत है। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 08 जनवरी 2025 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी दोपहर 02:28 तक
नक्षत्र : अश्विनी सायं 04:30 तक
योग : सिद्ध रात्रि 08:23 तक
करण : कौलव दोपहर 02:28 तक
चन्द्र राशि : मेष
सूर्योदय : 06:48, सूर्यास्त 05:57 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44 , सूर्यास्त 06:08 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:37, सूर्यास्त 06:00 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 05:50 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनुर्मास चालू है ,
गण्डमूल सायं 04:30 तक

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन के लिए

सभी विभाग निर्धारित दायित्वों को करें पूरा : भजनलाल

जयपुर,07 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 76वें गणतंत्र दिवस का राज्यस्तरीय समारोह हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ भव्य और परंपरागत रूप से आयोजित किया जाएगा। इस बार यह समारोह झीलों की नगरी उदयपुर में आयोजित होगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी अपने निर्धारित दायित्व को पूरा करते हुए आपस में समन्वय के साथ कार्य करें।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के राज्यस्तरीय आयोजन में राष्ट्रीयता की भावना को इंगित करते हुए कार्यक्रम शामिल करें। साथ ही, समारोह में अधिक से अधिक लोगो की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी जयपुर की सभी प्रमुख इमारतों, दर्शनीय स्थलों तथा सरकारी कार्यालयों के साथ ही, उदयपुर में भी सभी प्रमुख स्थानों पर आकर्षक सजावट की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्यस्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों को निमंत्रण पत्र भेजने से लेकर उनके आवागमन, ठहरने और भोजन की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि राजभवन जयपुर तथा सहेलियों की बाड़ी उदयपुर में आयोजित होने वाले एटहोम कार्यक्रम के लिए भी सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

शर्मा ने निर्देश दिये कि अधिकारी समारोह स्थल पर आगंतुकों की बैठने की व्यवस्था, पेयजल, मेडिकल टीम, सुरक्षा, बैरिकेडिंग एवं यातायात व्यवस्था सहित सभी तैयारियां समय पर पूरी होना सुनिश्चित करें। अधिकारी समारोह के दौरान स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, लोक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति, पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आदि से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने पुलिस, शिक्षा, सार्वजनिक निर्माण, सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए अपनी–अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

जो पंचायतें गौ–चरान की भूमि को ठेके पर देती है, अब उस पैसे का उपयोग गौशालाओं के लिए किया जाएगा : सैनी

चंडीगढ़,07 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में गोवंश के संरक्षण की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए यह निर्णय लिया है कि प्रदेशभर में गौ–चरान की जितनी भूमि है, उसे चिह्नित किया जाएगा और इस भूमि को जो पंचायतें ठेके पर देती हैं, अब उस पैसे का उपयोग गौशालाओं की गतिविधियों के लिए प्रयोग किया जाएगा। इसके अलावा, अधिकारियों को भी एक रोडमैप तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके तहत गौ–चरान की भूमि को गौशाल–ाओं की इच्छा अनुसार चारा उगाने के लिए भूमि आवंटित की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री मंगलवार को जिला पंचकूला में आयोजित गौ सेवा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह के दौरान, मुख्यमंत्री ने गौशालाओं के लिए 216.25 करोड़ रुपये की चारा अनुदान राशि जारी की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आत्मनिर्भर बनने वाली गौशाला संचालकों को भी सम्मानित किया।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं। इसी दिशा में गौशालाओं को बायोगैस प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा और बायोगैस बनाने के लिए तकनीकी सहायता सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा, गाय के गोबर से तैयार होने वाले प्रोमो खाद की विधि भी गौशालाओं के साथ साझा की जाएगी, ताकि प्रोमो खाद डीएपी के विकल्प के रूप में उपयोग हो सके। इतना ही नहीं, गाय के गोबर से पेंट, गौमूत्र से फिनायल, साबुन, शैंपू आदि उत्पाद बनाने के लिए भी गौशालाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। इन उत्पादों की बिक्री के लिए सरकार की ओर से मार्केटिंग में सहयोग किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 330 गौशालाओं में सोलर ऊर्जा प्लांट लगाये गये हैं। शेष बची गौशालाओं में भी सोलर पावर प्लांट लगाने का कार्य शीघ्र पूरा किया जाएगा, ताकि गौशालाएं आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि सरकार गौशालाओं में 2 रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने कहा कि पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा गौ संवर्धन एवं गौ संरक्षण योजना के अंतर्गत देसी नस्ल की गायों को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे ए–टु दूध के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और इसके लाभकारी मूल्य मिलें, इसके लिए प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी गौवंश, चाहे नन्दी हो, गौमाता हो, बछड़ा या बछड़ी, सभी की टैगिंग की जाएगी और यह डेटा ऑनलाइन उपलब्ध रहेगा, जिसकी रिपोर्ट वे स्वयं देखेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारा समाज फिर से एक बार पुरानी संस्कृति की तरफ बढ़ रहा है। आज घर में जब बच्चे या माता पिता का जन्मदिन होता है तो परिवारजन गौशालाओं में जाकर गौ सेवा करते हैं। यही हमारी संस्कृति है।

नई दिल्ली में राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों का सम्मेलन

जयपुर,07 जनवरी (एजेंसियां)। उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में आयोजित राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की संयुक्त बैठक तथा परिवहन विकास परिषद की 42वीं बैठक में शिरकत की।

नई दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में मंगलवार को आयोजित इस बैठक में राष्ट्रीय परिवहन नीति, सड़क सुरक्षा के व्यापक उपाय एवं परिवहन क्षेत्र में डिजिटल समाधानों के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही, वाहनों के प्रदूषण नियंत्रण, ईंधन दक्षता में सुधार, तथा सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुदृढ़ बनाने के विषय में भी गहन विचार–विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि इस तरह के संवाद क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान करने, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने और पूरे देश में परिवर्तनकारी परिवहन नीतियों के समान कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देशों की अनुपालना में जनसंपर्क विभाग में डीपीसी की बैठक

22 अधिकारियों की हुई पदोन्नति

जयपुर,07 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के 22 अधिकारियों को पदोन्नति प्रदान की गई है।सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त सुनील शर्मा ने बताया कि राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य प्रो. अय्यूब खान की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय में विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त निदेशक के 2, संयुक्त निदेशक के 3, उपनिदेशक के 8 एवं सहायक निदेशक के 9 पदों सहित कुल 22 पदों पर पदोन्नति की अभिशंसा की गई।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभागों में कार्मिकों को पदोन्नति के समुचित अवसर प्रदान करने की दिशा में निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में विभागीय पदोन्नति समिति के माध्यम से अधिकारियों को पदोन्नति की गई है। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता सहित कार्मिक एवं जनसम्पर्क विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

ब्लैक स्कॉर्पियो ने एएसपी की गाड़ी को मारी टक्कर

भरतपुर,07 जनवरी (एजेंसियां)। शहर में सोमवार रात पुलिस की गश्त के दौरान एक ब्लैक स्कॉर्पियो ने बयाना के एडिशनल एसपी की सरकारी बोलेरो गाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद जब पुलिस ने स्कॉर्पियो का पीछा किया, तो करीब 5 किलोमीटर तक पीछा करने के बाद स्कॉर्पियो का टायर बर्स्ट हो गया, और ड्राइवर मौके पर गाड़ी छोड़कर खेतों में भाग गया।

एएसपी हरिराम कुमावत के अनुसार, रात करीब 10:15 बजे गांधी चौक पर स्कॉर्पियो तेज गति से आ रही थी। जब पुलिस ने गाड़ी को रोकने का इशारा किया, तो ड्राइवर ने सरकारी गाड़ी में टक्कर मार दी, जिससे गाड़ी का बंपर टूट गया और साइड में रगड़ के निशान बन गए। इसके बाद गनमैन और ड्राइवर ने जब ड्राइवर को रुकने का इशारा किया, तो उसने उन पर भी गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की।

पुलिस ने स्कॉर्पियो का पीछा किया, लेकिन ब्रह्मबाद गांव के संकड़े रास्ते में स्कॉर्पियो का टायर बर्स्ट हो गया। ड्राइवर ने गाड़ी छोड़कर खेतों में भागने की कोशिश की। पुलिस ने खेतों में सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। स्कॉर्पियो में केमिकल की खाली 14 कैन पाई गई हैं, जिससे गाड़ी के अवैध गतिविधियों में शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने स्कॉर्पियो के रजिस्ट्रेशन नंबर से ड्राइवर की पहचान की, जो लहचोरा कलां के यतेंद्र धाकड़ के नाम से पंजीकृत है। उसकी तलाश जारी है। मामले की जांच सब–इंस्पेक्टर करतार सिंह को सौंपी गई है।

विधानसभा कर्मचारियों की ट्रेनिंग के लिए तैयारियां पूरी

विस अध्यक्ष ने लोक सभा के अधिकारियों के साथ की बैठक

चंडीगढ़,07 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा की ओर से अपने कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिए बुधवार से शुरू होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस सिलसिले में मंगलवार को विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने प्राइड यानी संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान की टीम के साथ बैठक की। बैठक में दो दिनों तक चलने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम की बारिकियों पर चर्चा हुई। प्राइड टीम ने विधान सभा की विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी जुटाई। कर्मचारियों की उत्कृष्टता बढ़ाने के लिए लघु अवधि पाठ्यक्रम समेत अनेक उपायों पर चर्चा की गई। बैठक के बाद कल्याण ने सेक्टर 26 स्थित महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान पहुंच कर तैयारियों का जायजा लिया। बुधवार से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण करेंगे।

इस दौरान लोक सभा की ओर से संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान की टीम विधान सभा के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण देगी। इस दौरान यह टीम समितियों का कामकाज, अध्ययन दौरे तथा उनकी रिपोर्ट तैयार करने की विधियों पर ट्रेनिंग देगी। विशेषज्ञ विधान सभा स्टाफ को फाइल वर्क, स्थापना शाखा की कार्यप्रणाली तथा नियमों की समुचित जानकारी भी देंगे। विधान सभा सदस्यों और कर्मचारियों के बीच व्यवहार पर उचित प्रक्रिया का पालन, कार्यालय प्रक्रिया और रिकॉर्ड प्रबंधन तथा संसदीय प्रश्नों की ड्राफ्टिंग पर भी सत्र रखे गए हैं। इस दौरान लोक सभा के विशेषज्ञ महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा तथा दूसरे महत्व–पूर्ण विधायी कामकाज इत्यादि पर भी टिप्स देंगे। बैठक में लोक सभा सचिवालय से प्राइड की निदेशक रूबी अमर, उप सचिव मिनोचा, निदेशक पार्थ गोस्वामी, उप सचिव स्वाति पार्वल, उप सचिव रश्मि रॉय, संयुक्त निदेशक (सुरक्षा) रवि गुप्ता समेत प्राइड के अनेक अधिकारी मौजूद रहे। भी थे।

जिले में अब 14,38,819 मतदाता जेंडर रेशों में 6 अंकों का सुधार

हनुमानगढ़,07 जनवरी (एजेंसियां)। अहर्ता 1 जनवरी, 2025 के संदर्भ में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन किया गया। इस संदर्भ में निर्वाचन आयोग के नवीनतम दिशा–निर्देशों, निर्वाचन गतिविधियों की जानकारी, और सूचियों की प्रदायगी के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी (जिला कलेक्टर) काना राम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

इस बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और मीडियाकर्मियों की उपस्थिति रही। जिला निर्वाचन अधिकारी काना राम ने बताया कि जिले में निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान सभी बीएलओ और निर्वाचन टीम ने उत्कृष्ट कार्य किया। इस अवधि में कुल 27,290 नए मतदाता जुड़े। अब जिले में कुल मतदाता संख्या 14,38,819 हो गई है। जिन विधानसभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं का अनुपात कम था, विशेष रूप से नोहर और भादरा में, वहां महिला अनुपात में लगभग 6 अंकों का सुधार दर्ज हुआ है। वर्तमान में जेंडर रेशियो बढ़कर 923 हो गया है। इसी तरह, ईपी अनुपात में भी लगभग 13 अंकों का सुधार हुआ है।

कार में आग लगने से मचा हड़कंप दमकल की गाड़ी ने बुझाई आग

भरतपुर,07 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के चिकसाना थाना क्षेत्र में एक कार में आग लगने से हड़कंप मच गया। घटना उस समय की है जब कार के सवार दोनों व्यक्ति अचानक अपनी गाड़ी से धुआं उठता देखकर घबराए और गाड़ी को सड़क किनारे खड़ा कर दिया। कुछ ही क्षणों में कार से आग की लपटें उठने लगीं और पूरी गाड़ी जलकर राख हो गई। गनीमत रही कि दोनों व्यक्ति समय रहते गाड़ी से बाहर निकल गए।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए ऊंचा नगला चौकी के इंचार्ज वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दमकल की गाड़ी को तुरंत बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने काफी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कार पूरी तरह से जलकर खाक हो चुकी थी।कार के मालिक विष्णु, जो नगला खोरी गांव के निवासी हैं, ने बताया कि वह और उनका दोस्त प्रदीप टवेरा कार से अपने गांव जा रहे थे। जब वे आशा का नगला गांव के पास पहुंचे, तो अचानक कार से धुआं उठने लगा। इस पर दोनों ने गाड़ी को सड़क किनारे खड़ा कर दिया और जैसे ही वे बाहर निकले, कार में आग लग गई।

अधिकाधिक काम हो ऑनलाइन, कार्यों में पारदर्शिता हो प्राथमिकता: आवासन आयुक्त

जयपुर,07 जनवरी (एजेंसियां)। आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने मंगलवार को वर्चुअल बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अधिक से अधिक काम ऑनलाइन कर कार्य में पारदर्शिता लायी जाए। उन्होंने अधिकारियों को मण्डल की कार्यप्रणाली को अधिकाधिक ऑनलाइन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा की आज के समय में ऑनलाइन सेवाएँ उपलब्ध करवाना अति आवश्यक है इनके आभाव में कार्यों में तेजी एवं पारदर्शिता लाना कठिन है। इस बैठक में भूमि बैंक, महत्वपूर्ण न्यायालयीन मामले, जलापूर्ति, सीवर लाइन, सड़कें, स्ट्रीट लाइट, डीएलपी कार्य, वृक्षारोपण अभियान और आगामी बुधवार नीलामी उत्सव में अधिशेष संपत्तियों को शामिल करने की तैयारियों जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर समीक्षा व गहन चिंतन किया गया ।

डॉ. शर्मा ने कहा की निर्माण स्थल पर बचाव और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। निर्माण स्थल पर निर्माण कार्य शुरू होने से पहले वहाँ बोर्ड लगाया जाए, बैरिकेडिंग कर रिफ्लेक्टर लगाये जाए जिस से की वहाँ किसी प्रकार का कोई हादसा ना हो। इसमें किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। डॉ. शर्मा ने अधिकारियों को भूमि बैंक को मजबूत करने के लिए उपलब्ध भूमि संसाधनों की पहचान और दस्तावेज़ीकरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियंता फील्ड में जाकर स्थानीय प्रशासन के सहयोग से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अविलंभ जमीनों के प्रस्ताव तैयार करें।

महिला मुख्य सिपाही 20,000 रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

चंडीगढ़,07 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो की रोहतक टीम ने पुलिस स्टेशन सिटी गोहाना में तैनात महिला मुख्य सिपाही सरला को 20,000/– रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

महिला मुख्य सिपाही सरला द्वारा एक व्यक्ति को केस से बाहर निकालने की एवज में रिश्वत की मांग की गई थी। आरोप है कि इससे पहले भी इस महिला पुलिसकर्मी द्वारा एक अन्य आरोपी को 15,000/– लेकर केस से बाहर किया गया है।

06.01.2025 को रविन्द्र नाम के व्यक्ति से महिला मुख्य सिपाही सरला द्वारा 20,000/रू रिश्वत की मांग की तथा उसको (रविन्द्र) गोहाना में एक निजी अस्पताल के पास बुलाया। निजी अस्पताल के सामने हवलदार सरला ने रविन्द्र से 20,000/रू बतौर रिश्वत के रूप में प्राप्त किये। इसी दौरान ए.सी.बी. की टीम ने आरोपियां महिला मुख्य सिपाही सरला को मौका पर रिश्वत राशी 20,000/–रू0 सहित रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह पूरी कार्यवाही गवाहो के समक्ष पूरी पारदर्शिता के साथ की गई। आरोपी के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो, रोहतक में मुकदमा दर्ज किया गया है।हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक आलोक मित्तल ने आमजन से अपील करते हुए कहा है कि यदि कोई भी अधिकारी अथवा कर्मचारी सरकारी काम करने की एवज में रिश्वत की मांग करता है तो तुरंत इसकी जानकारी हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो के टोल फ्री नंबर–1800–180–2022 तथा 1064 पर देना सुनिश्चित करें।

आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर की अचानक बिगड़ी तबीयत, अस्पताल में करवाए गए भर्ती

पटना (एजेंसियां)।

बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में दो जनवरी से आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर की मंगलवार सुबह तबीयत अचानक बिगड़ गई है। पटना के मेदांता अस्पताल के डाक्टरों की टीम पीके के स्वास्थ्य का जांच करने शेखपुरा हाउस पहुंची। हालत देखकर डॉक्टरों की टीम ने अस्पताल ले जाने का सुझाव दिया। इसके बाद उनके समर्थकों ने उन्हें एंबुलेंस में लेकर मेदांता अस्पताल गई। यहां उनका इलाज जारी है।

प्रशांत किशोर के समर्थकों का कहना है कि मंगलवार सुबह 10 बजे तक लोगों से बातचीत कर रहे थे। कुछ देर बाद अचानक वह अचेत हो गए। इसके बाद मुंह पर पानी के छींटें मारकर हम लोगों ने होश में लाया। फौरन डॉक्टरों को बुलाया गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल जाने की सलाह की। डिहाइड्रेशन समेत अन्य कुछ बातें समाने आईं है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। डॉक्टर रविशंकर ने बताया कि आज पूरे दिन उनकी जांच की जाएगी, उनकी स्थिति अभी स्थिर है शाम तक कुछ कहा जा सकता है उन्हें क्या हुआ है। मोटे तौर पर डॉक्टर ने बताया कि ठंड में बैठे थे इसलिए तबियत बिगड़ी, सभी तरह की जांच की जाएगी फिर शाम में एक रिपोर्ट जारी किया जाएगा।

बता दें कि पटना के गांधी मैदान में आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर को पटना पुलिस सोमवार सुबह करीब चार बजे गिरफ्तार कर लिया था। करीब पांच घंटे बाद उन्हें जांच के लिए फतुहा सीएचसी ले जाया गया। लेकिन, पीके ने स्वास्थ्य जांच से मना कर दिया। इसके बाद पटना पुलिस ने उन्हें सिविल कोर्ट में पेश किया। पटना पुलिस ने प्रशांत किशोर पर सरकारी काम में बाधा और बिना अनुमति धरना प्रदर्शन करने का आरोप लगाकर केस किया। कोर्ट ने केस की सुनवाई की। पीके को पीआर बॉन्ड पर जमानत दे दी। लेकिन, प्रशांत किशोर ने कहा कि किसी भी शर्त पर मुझे बेल नहीं चाहिए। कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि अगर बॉन्ड नहीं भरेंगे तो जेल जाना होगा। कोर्ट में प्रशांत किशोर ने कहा कि धरना प्रदर्शन करना तो हमारा मूल अधिकार है। सामाजिक कारणों के लिए हमलोग ऐसा कर सकते हैं। प्रशांत किशोर ने कोर्ट से कहा कि आप मुझे बेल दे दीजिए लेकिन शर्तों को नहीं मानूंगा। 25 हजार का निजी मुचलका भी नहीं भरूंगा। उन्हें बेउर जेल भेज भी दिया गया। लेकिन, कुछ देर बाद ही उन्हें पुलिस ने कोर्ट का आदेश संशोधित होने पर छोड़ दिया। कोर्ट ने सारी शर्तें हटा लीं। इसके सोमवार रात ही प्रशांत किशोर रिहा हो गए।

प्रशांत किशोर ने रिहाई के बाद कहा कि पुलिस मुझे बेउर जेल तो लेकर गई, लेकिन उसके पास इस तरह का आदेश नहीं था। इसलिए, यह लोग मुझे जेल के अंदर नहीं ले जा सके। कोर्ट ने मेरी रिहाई के साथ बता दिया कि सरकार या पुलिस-प्रशासन के कुछ 'हीरो' टाइप अधिकारी प्रजातांत्रिक सिस्टम को बर्बाद नहीं कर सकते। कोर्ट ने मुझे बेशर्त रिहाई देते हुए यह साफ कर दिया कि गांधी मैदान में प्रदर्शन-अनशन करना कोई गुनाह नहीं, जिसके आधार पर मुझे या मुझ जैसों को गिरफ्तार किया जा सके।

प्रशांत किशोर ने आंदोलन को जारी रखने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए शुरू किया गया आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता। उन्होंने कहा कि मेरा अनशन कल भी था, आज भी है और आगे भी चलता रहेगा। मेरा अनशन तब तक खत्म नहीं होगा जब तक बच्चों के साथ पूरी तरह न्याय नहीं हो जाता। पीके ने कहा कि मामला गांधी मैदान से शुरू हुआ तो अब मामला ख़त्म भी मैदान में ही होगा। इस मामले को अब वहीं निपटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह प्रशांत किशोर की बात नहीं है, बल्कि बिहार के युवाओं की जिद है। नीतीश कुमार की जिद और बिहार के युवाओं के जिद की लड़ाई है। जीतेगा तो बिहार का युवा ही। यह बात यहां के अफसर भी जान लें और भाजपा की सरकार भी जान ले।

रोहतास में अनियंत्रित ट्रैक्टर सड़क किनारे पलटा, नीचे दबकर चालक की मौत

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास में आरा-सासाराम पथ पर ट्रैक्टर पलटने से एक चालक की रविवार रात मौत हो गई। घटना संझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना मोड के समीप की बताई जाती है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

बताया जाता है कि रविवार रात ट्रैक्टर चालक किसी पेट्रोल पंप से डीजल भराकर अपने घर वापस लौट रहा था, तभी संझौली थाने के समीप ही किसी अज्ञात वाहन से चकमा खाकर सड़क किनारे खाई में पलट गया और ट्रैक्टर के नीचे दबने से उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई।

इस दौरान घटना की सूचना मिलते ही मौके पर जुटे स्थानीय लोगों एवं पुलिस की मदद से शव को बाहर निकाला गया तथा ट्रैक्टर को भी बाहर निकाल कर पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया है।

मृतक कृष्णा यादव सीवान जिले के आलमगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पखवलिया का निवासी है, जिसकी उम्र लगभग 30 वर्ष आंकी गई है। इधर, घटना के तुरंत बाद पुलिस द्वारा घटना की सूचना परिजनों को दे दी गई और परिजनों की उपस्थिति में शव का पोस्टमॉर्टम करा कर उन्हें सौंप दिया गया है।

वहीं, घटना के संदर्भ में संझौली थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि रविवार रात आरा-सासाराम पथ पर एक अनियंत्रित ट्रैक्टर के पलटने से चालक की मौत हो गई है। मृतक सीवान जिले का निवासी था और उसके परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि परिजनों के आने के बाद शव का पोस्टमॉर्टम कराकर उन्हें सौंप दिया गया है तथा पुलिस ट्रैक्टर को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई कर रही है।

गोपालगंज में आठवीं तक के स्कूल बंद, गुरुजी लगाएंगे हाजिरी

कलेक्टर ने जारी किया आदेश

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज सहित पूरा बिहार भीषण ठंड की चपेट में है। गोपालगंज में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है। ठंड को लेकर गोपालगंज डीएम प्रशांत कुमार सीएच ने स्कूलों के पठन-पाठन को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किये हैं। डीएम ने कक्षा आठवीं तक के स्कूलों को नौ जनवरी तक बंद करने का आदेश दिया है। डीएम द्वारा यह निर्णय बच्चों की स्वास्थ्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

डीएम ने जारी आदेश में कहा है कि वर्ग आठ से ऊपर के कक्षाओं की शैक्षणिक गतिविधियां सुबह 10 बजे से 03:30 बजे के बीच संचालित की जा सकती हैं। हालांकि, जारी आदेश में कहा है कि बोर्ड परीक्षा से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन इससे मुक्त रहेगा और यह आदेश नौ जनवरी तक जिले में प्रभावी रहेगा।

डीएम के एक से वर्ग आठ तक व आंगनबाड़ी केंद्र के संचालन बंद कर दिये जाने के निर्णय से छोटे-छोटे बच्चों में खुशी का लहर दौड़ गई है। इस कड़ाके की ठंड के बीच बच्चे विद्यालय जाना नहीं चाहते थे। लेकिन इस निर्णय के बाद बच्चों को राहत मिली है।

वहीं, इस मामले में सर्व जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एसएसए राजन कुमार ने बताया है कि शिक्षक समय से विद्यालय पहुंचेंगे और ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करेंगे। डीएम ने आदेश जारी कर वर्ग एक से आठ तक विद्यालयों में शैक्षणिक संचालन पर रोक लगा दी है। लेकिन गुरुजी समय से विद्यालय जायेंगे व प्रत्येक दिन की तरह ऑनलाइन हाजिरी दर्ज करेंगे। साथ ही अपार आईडी कार्ड सहित अन्य गतिविधियों में प्रधानाध्यापक का सहयोग करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने किया बीपीएससी मामले में सुनवाई से इनकार, पटना उच्च न्यायालय जाने के लिए कहा

पटना (एजेंसियां)।

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा 13 दिसंबर को ली गई 70वीं प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई हुई। कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया और याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने का आदेश दिया। मंगलवार दोपहर चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने इस मामले में सुनवाई करने से ही इनकार कर दिया।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट मेंयाचिका दायर करने वालों ने 70वीं पीटी परीक्षा रद्द कर री-एग्जाम कराने की मांग की थी। इतना ही नहीं याचिकाकर्ता ने परीक्षा रद्द कराने की मांग लेकर प्रदर्शन करने वाले अभ्यर्थियों पर लाठी बरसाने वाले अधिकारियों पर भी कार्रवाई की मांग की थी। बताया जा रहा है कि यह याचिका आनंद लीगल एंड फोरम ट्रस्ट की ओर से दायर की गई थी। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत जज से मामले की जांच करवाने की मांग की।

इधर, दो जनवरी से अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर ने भी परीक्षा रद्द कराने की मांग लेकर पटना हाईकोर्ट जाने की बात कही थी। पीके ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था कि जनसुराज पार्टी पटना हाईकोर्ट में सात जनवरी को याचिका दायर करेगी। हमारे वकील का कहना है कि अगर हम सीधा सुप्रीम कोर्ट जाएंगे तो याचिका खारिज कर दी जाएगी। ऐसे में पहले पटना पटना हाईकोर्ट में जाना सही रहेगा। हालांकि, आज प्रशांत किशोर की तबीयत बिगड़ी हुई है।

वह पटना के मेदांता अस्पताल में भर्ती हैं। डॉक्टर उनकी जांच कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर भी अनशन तोड़ने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती है तब तक अनशन जारी रहेगा।

पटना पुलिस ने एनकाउंटर में दो अपराधियों को मार गिराया, एक दरोगा को भी लगी गोली

पटना (एजेंसियां)।

पटना में सोमवार मध्य रात्रि अपराधियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई है। दोनों ओर से लगभग दर्जनों राउंड फायरिंग हुई। पटना पुलिस की टीम ने दो अपराधियों को मार गिराया। वहीं अपराधियों की फायरिंग में एक सब इंस्पेक्टर (दरोगा) को गोली लग गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस टीम घायल दरोगा को फौरन पटना एम्स में भर्ती करवाया। वहां उनका इलाज चल रहा है। दरोगा पटना के गौरीचक थाना में एडिशनल एसएचओ के पद पर तैनात है। इधर, पुलिस की टीम मामले की जांच में जुट गई है। पटना एसएसपी अवकाश कुमार ने फरार अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी का निर्देश दिया है।

घटना के बारे में बताया जा रहा है कि फुलवारीशरीफ के हिन्दुनी गांव में अपराधियों डकैती की वारदात को अंजाम देने पहुंचे थे। सूचना के आधार पर पुलिस छापेमारी करने पहुंची। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की गई। इसी दौरान अपराधियों की गोली लगने से एक पुलिसकर्मी घायल हो गए। बताया जा रहा है जिन अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस गई थी, वह मोस्टवांटेड थे। इनलोगों ने पटना समेत आसपास के इलाके में कई वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस पिछले कई महीनों से इनकी तलाश कर रही थी।

पटना सिटी (पश्चिमी) के एसपी शरत आरएस ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि करीब छह अपराधी वारदात को अंजाम देने गांव में घुसे थे। पुलिस टीम ने इन्हें रोकने की कोशिश की तो वह गोलीबारी करने लगे। इसके बाद पुलिस ने जवाबी फायरिंग की। इसमें दो अपराधियों को गोली लगी। घटना में एक सब इंस्पेक्टर भी गोली लगी है। उनका इलाज चल रहा है।

घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घटनास्थल से दो पिस्टल आधा दर्जन धोखे एक पिकअप वैन को जब्त किया है। इस मामले में एक ड्राइवर को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि मारे गए अपराधी, लूट और डकैती की घटनाओं को अंजाम देकर फरार चल रहे थे। इसको लेकर पुलिस लगातार अपराधियों को पकड़ने की लिए उनके पीछे पड़ी थी। पुलिस को सूचना मिली की डकैती की बड़ी घटना को अंजाम देने आए अपराधी फुलवारी थाना का अंतर्गत हिंदुनी गांव में इकट्ठा हुए हैं। पुलिस ने सूचना के आलोक पर कार्रवाई करते हुए पहुंची तो मौके पर अपराधियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस के द्वारा जवाबी कार्रवाई में दो अपराधियों को मार गिराया है। जबकि एक गौरीचक थाना में पद स्थापित सब इंस्पेक्टर विवेक कुमार को गोली लगी है। उन्हें पटना एम्स में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी इलाज जारी है। वहीं घटना के बाद मौके से फरार सभी अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस लगातार छापेमारी करने में जुटी है

दिल्ली की निर्भया कांड से आहत हुई अनन्या

महिलाओं के हक और आवाज को लेकर बन गई जज

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के मुशहरी की छपरा मेघ गांव की रहने वाली 27 वर्षीय अनन्या शर्मा जुडिशल सर्विसेज परीक्षा को पास कर जज बन गई। जज बनने की खुशी के बाद से उनके परिवार में खुशी का माहौल बना हुआ है।

आपको बता दें कि निजी स्कूल चलाने वाले अनिल कुमार शर्मा जो कि सामान्य किसान हैं, परिवार की बेटी अनन्या के जज बनने से पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। वहीं, अनन्या अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिवार और ईश्वर को देती है। राजस्थान राज्य न्यायिक सेवा और बिहार न्यायिक सेवा दोनों ही परीक्षा को पास किया है, जिसको लेकर वो खुद बहुत उत्साहित है।

मुजफ्फरपुर की रहने वाली अनन्या शर्मा कहती हैं कि वर्ष 2012 की निर्भया कांड ने उन्हें महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार और शोषण के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा प्रदान की, जिसके बाद ही या मन में ध्यान लिया कि मुझे न्यायिक सेवा में प्रवेश कर महिलाओं और आम आदमी के लिए सच्ची निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे। गांव से अपनी पढ़ाई को पूरी करने के बाद दिल्ली में लॉ कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के बाद जूडिशल सर्विसेज की तैयारी की और उन्होंने बिहार राज्य न्यायिक सेवा और राजस्थान राज्य न्यायिक सेवा दोनों में ही बेहतर मुकाम हासिल किया है। वर्ष 2020 में अपनी लॉ की पढ़ाई को पूरी करने के बाद जूडिशल सर्विसेज की तैयारी की और आखिरकार वह मुकाम को हासिल कर लिया है।

वो कहती हैं कि अगर मन में कुछ करने का संकल्प और राष्ट्र के प्रति सच्ची निष्ठा भावना हो तो हर मुकाम को पाया जा सकता है। इसके पूर्व में उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा और राजस्थान न्यायिक सेवा में साक्षात्कार तक पहुंचाने के बाद सफलता नहीं मिली, फिर भी दृढ़ निश्चय ने इस मुकाम को हासिल करवा दिया।

सीएम नीतीश के आगमन से पहले पथ निर्माण विभाग के वाहन ने 15 से अधिक लोगों को कुचला, पांच की टूटी हड्डियां

सीवान (एजेंसियां)।

बिहार सीएम नीतीश कुमार के पहुंचने के कुछ देर पहले पथ निर्माण विभाग की गाड़ी ने डेढ़ दर्जन लोगों को रौंद दिया। उसके बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल व्याप्त हो गया। बता दें कि सभी घायलों का इलाज सीवान के सदर अस्पताल में चल रहा है।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि दरौंदा थाना क्षेत्र में सीएम नीतीश कुमार के आगमन पर प्रशासन काफी एक्टिव मोड में है। तमाम पदाधिकारी अलर्ट मोड में हैं। उसी क्रम में नीतीश कुमार के पहुंचने के ठीक पहले पथ निर्माण विभाग की गाड़ी और उसमें पथ निर्माण विभाग का बोर्ड लगा हुआ है। वह पेट्रोलिंग कर रही थी और पेट्रोलिंग के क्रम में रॉन्ग साइड जाकर पांच मोटर साइकिल सवार को रौंद दिया है। इस पर कुल सवार डेढ़ दर्जन

लोग घायल हो गए हैं। यह घटना दरौंदा थाना क्षेत्र के सिरसिया गांव के पास हुई है।

इस हादसे के बाद पुलिस और आसपास के लोगों के द्वारा सभी घायलों को इलाज के लिए सीवान के सदर अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। वहीं, घायलों में कुल पांच लोगों की पैर टूटने की बात बताई जा रही है। घायलों की पहचान गोरख बिंद, ममता देवी, रोशन बिंद, विनोद बिंद, निशा कुमारी, करण बिंद और विनोद बिंद के रूप में हुई है। बाकी अन्य घायलों को मामूली चोट लगने की बात बताई जा रही है। घायल विनोद बिंद ने बताया के वह लोग सीवान शहर के मखदूम सराय मोहल्ले में रहकर फेरी का काम करते हैं और आज सभी लोग मोटर साइकिल से अपने घर भोजपुर थाना क्षेत्र के बिहिया कल्याणपुर जा रहे थे, तभी रॉन्ग साइड में आकर पथ निर्माण विभाग की गाड़ी ने उन लोगों को कुचल दिया, जिससे वह लोग बुरी तरह से घायल हो गए हैं। वहीं, पांच लोगों के पैर टूटने की बात बताई जा रही है और तीन लोगों को मामूली चोट लगने की जानकारी प्राप्त हुई है।

इस घटना के बाद मौके पर पहुंचे दरौंदा थाना प्रभारी छोटन कुमार ने बताया कि एक बोलेरो गाड़ी से एक्सिडेंट हुआ है। इसमें सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com